www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक

संपर्क करें : bilaspurdeshbandhu@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

बिलासपुर, मंगलवार, 1 अप्रैल 2025 I वर्ष – 34 I अंक –329 I पृष्ठ –12 I मूल्य – 4.00 रु.

चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन देवी चंद्रघंटा को दूध से बनी चीजों का भोग बहुत प्रिय है

- पत्रकारिता में पहुंच बनाती 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता'
- तकनीक के तनाव : मोबाइल पर जुआ?

पृष्ठ 4

- बांग्लादेश में सड़कों पर संघर्ष, बीएनपी के दो गुट भिड़े
- एस जयशंकर ने दाऊदी बोहरा समुदाय के सदस्यों से की मुलाकात

पृष्ठ 9

अगर मैं रोहित और कोहली के विकेट ले पाऊं तो मुझे खुशी होगी: चक्रवर्ती — पृष्ठ 10

वक्फ बिल पारित कराने की तैयारी में सरकार

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा-इसकी तैयारी कर रहे, वक्फ संशोधन बिल संसद में कल हो सकता है पेश

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार संसद में वक्फ संशोधन विधेयक लाने की तैयारी में है। वक्फ संशोधन बिल को 2 अप्रैल को संसद में पेश किया जा सकता है। सरकार पहले लोकसभा में बिल पेश करेगी। सत्र 4 अप्रैल तक चलेगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि हम संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। बिल पर संसद के बाहर खूब विचार-विमर्श हुए हैं। हमें सदन में बहस और चर्चा में भी जरूर भाग लेना चाहिए। रिजिजू ने कहा कि बिल पर बनी जेपीसी ने लोकतांत्रिक भारत के इतिहास में अब तक की सबसे ज्यादा परामर्श प्रक्रिया का रिकॉर्ड बनाया है। सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध है कि लोगों को गुमराह न करें।

मुसलमानों को गुमराह किया जा रहा

उन्होंने कहा कि भोले-भाले मुसलमानों को यह कहकर गुमराह किया जा रहा है कि सरकार

बिल पर संसद के बाहर खूब विचार-विमर्श हुए हैं। हमें सदन में बहस और चर्चा में भी जरूर भाग लेना चाहिए: किरेन रिजिजू, संसदीय कार्य मंत्री

मुसलमाना का सपात्त और आधकार छानन जा रही है। इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने भी एक बातचीत में इसी सत्र में वक्फ बिल संसद में पेश करने की बात कही थी। शाह ने कहा था कि इस बिल से किसी को भी डरने की जरूरत नहीं है।

गरीब मुसलमानों व महिलाओं के हित में

उन्होंने साफ किया कि आलोचना करना सबका अधिकार है, लेकिन उसका कुछ आधार भी होना चाहिए। बकौल रिजिजू, धार्मिक प्रतिबद्धताओं और मान्यताओं से परे जाकर कई संगठन विधेयक का समर्थन कर रहे हैं। विधेयक गरीब मुसलमानों, बच्चों और महिलाओं के हित में है। इससे वक्फ बोर्ड के तहत संपत्तियों के प्रबंधन में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

विरोध में काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ी

ईद के दिन देश में कई जगह नमाज अदा करने के लिए मुस्लिम समाज के लोग वक्फ बिल के विरोध में काली पट्टिया बांधकर पहुंचे। रमजान का आखिरी जुमा के दिन 28 मार्च को ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने देशभर के मुसलमानों से काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ने जाने को कहा था।

वक्फ संशोधन विधेयक संविधान पर हमला : जयराम

वक्फ संशोधन विधेयक पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक संविधान पर सीधा हमला है और इसकी बुनियाद के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हर विपक्षी दल इसका विरोध कर रहा है, लेकिन सवाल यह है कि धर्मनिरपेक्ष पार्टियों जेडी (यू) और टीडीपी का क्या कहना है? उन्होंने कहा कि यह पहली बार था कि समिति में खंड-दर-खंड चर्चा की गई। अगर वे इसे लागू करते हैं, तो हम लोकतांत्रिक तरीके से इसका विरोध करेंगे।

45 लाख की इनामी महिला नक्सली कमांडर ढेर

छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में घोषित था अलग-अलग इनाम

- दंतेवाड़ा-बीजापुर सीमावर्ती क्षेत्र में मुठभेड़
- एलएलबी महिला नक्सली का पूरा परिवार था बड़ा कैडर
- भाई गुड़सा उसेंडी ने किया था सरेंडर और मुठभेड़ में मारा गया था पति

दंतेवाड़ा, 31 मार्च (देशबन्धु)। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दंतेवाड़ा प्रवास के ठीक चार दिन पहले फोर्स का नक्सलियों के खिलाफ एक बड़ा अभियान फिर चलाया गया। आज दंतेवाड़ा और बीजापुर के सीमावर्ती इलाके में 45 लाख की ईनामी महिला नक्सली को मुठभेड़ में मार गिराया गया। इस पर छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से 25 और तेंलगाना में 25 लाख का ईनाम घोषित था।

मारी गई महिला नक्सली गुम्माडिवेली रेणुका उर्फ भानु उर्फ चैते उर्फ सरस्वती उर्फ दमयन्ती नक्सल संगठन की प्रेस टीम इंचार्ज थी। पुलिस की इस सफलता को डीआईजी कमलोचन कश्यप ने पत्रकारों के साथ साझा किया। पत्रवार्ता में एसपी गौरव राय भी मौजूद थे। श्री कश्यप ने बताया कि नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर रविवार को दंतेवाड़ा डीआरजी और बस्तर फाईटर्स की टीम दंतेवाड़ा-बीजापुर के सीमावर्ती क्षेत्रांतर्गत थाना गीदम के ग्राम नेलगोड़ा, इकेली, बेलनार की ओर सर्चिंग में निकली थी। आज सुबह इस फोर्स की इसी इलाके में नक्सलियों के साथ सुबह 9 बजे मुठभेड़ शुरू हुई, जो 2 घंटे तक जारी रही। ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

अबूझमाड़ के जंगल में मुठभेड़ हथियार छोड़ भागे नक्सली

नारायणपुर। नक्सल विरोधी सर्च अभियान में 25 मार्च को नारायणपुर डीआरजी, बस्तर फॉईटर एवं एसटीएफ की संयुक्त पार्टी शीर्ष माओवादियों की उपस्थिति की आसूचना पर अबूझमाड़ क्षेत्र घमंडीपारा, पदमकोट, नेलांगूर में रवाना हुई थी। अभियान के दौरान 27 मार्च के लगभग प्रात: 7 से 9:30 बजे के बीच घमंडीपारा के जंगल, पहाड़ में पुलिस पार्टी एवं माओवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। सुरक्षा बलों को ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

सार संक्षेप

रेखा सरकार आज विधानसभा में रखेगी एक और रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण की रोकथाम को लेकर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट मंगलवार को विधानसभा के पटल पर रखेगी। विधानसभा की कार्यसूची में बताया गया है कि मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री रेखा गुप्ता 31 मार्च 221 में समाप्त हुए साल के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार से संबंधित भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के दिल्ली में वाहन वायु प्रदूषण रोकथाम और शमन पर निष्पादन लेखा परीक्षा प्रतिवेदन की प्रतियां सदन पटल पर पेश करेंगी।

तटरक्षक बल ने जब्त किए 80 लाख के समुद्री खीरे

चेन्नई। भारतीय तटरक्षक बल ने सोमवार को रामेश्वरम के पास दक्षिण उचिपुली से 8 लाख रुपए मूल्य के समुद्री खीरे (समुद्र में पाया जाने वाला खीरे की आकृति का जीव) की एक अवैध खेप जब्त की। रामेश्वरम के पास दक्षिण उचिपुली समुद्र तट से अवैध तस्करी की संभावित ट्रांसशिपमेंट के बारे में एक खुफिया इनपुट पर कार्रवाई करते हुए, मंडपम में तटरक्षक बल की नजदीकी इकाई ने तुरंत एक तस्करी विरोधी अभियान शुरू किया।

तारीफ करते-करते पुतिन पर भड़के डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से खासे नाराज नजर आए। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें ऐसा लगा कि मॉस्को यूक्रेन में युद्ध खत्म करने की उनकी कोशिशों में मुश्किलें खड़ी कर रहा है, तो वे रूसी तेल के खरीदारों पर 25 फीसदी से 5 फीसदी तक का सेकेंडरी टैरिफ लगा देंगे। ट्रंप ने बताया कि वह पिछले सप्ताह पुतिन की ओर से यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के नेतृत्व की विश्वसनीयता की आलोचना किए जाने से बहुत नाराज हैं।

भारत और अमेरिकी सशस्त्र बलों के बीच अभ्यास आज से

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के सशस्त्र बलों के बीच द्विपक्षीय मानवीय सहायता और आपदा राहत अभ्यास टाइगर ट्रायम्फ का चौथा संस्करण कल से पूर्वी समुद्र तट पर आयोजित किया जा रहा है। तेरह दिन के इस अभ्यास का उद्देश्य मानवीय सहायता संचालन के लिए अंतर-संचालन क्षमता विकसित करना और एक संयुक्त समन्वय केंद्र (सीसीसी) स्थापित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं को तैयार करना है जो अभ्यास और संकट के दौरान भारतीय और अमेरिकी संयुक्त कार्य बलों के बीच तेजी से और सुचारू समन्वय को संभव बनाएगा।

इंदौर, भोपाल, प्रयागराज के लिए मिलीं नई उड़ानें

रायपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से इंदौर, भोपाल और प्रयागराज के लिए नई उड़ानें शुरू हो गई है। ये सभी उड़ानें इंडिगो ने शुरू की है। रविवार को इंदौर रायपुर के लिए शुरू हुई नई फ्लाइट से 60 यात्री रायपुर पहुंचे और 62 यात्री इंदौर के लिए रवाना हुए। यह फ्लाइट रोजाना संचालित की जाएगी। इस नई फ्लाइट के साथ प्रदेश के यात्रियों को इंदौर के लिए अब रोजाना दो उड़ानें उपलब्ध होंगी। भोपाल के लिए शुरू हुई नई उड़ान से 52 यात्री यहां आए तथा 55 यात्रियों ने भोपाल के लिए उड़ान भरी। यह फ्लाइट सप्ताह में चार दिन सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को संचालित की जाएगी। इसी तरह प्रयागराज के लिए शुरू हुई नई फ्लाइट से 45 यात्री यहां पहुंचे हैं तथा 42 यात्री प्रयागराज के लिए रवाना हुए। यह फ्लाइट सप्ताह में दो दिन शनिवार और रविवार को संचालित की जाएगी।

विशाखापट्टनम के लिए फ्लाइट आज से हुई शुरू

प्रदेश के हवाई यात्रियों को सोमवार 31 मार्च से स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से विशाखापट्टनम के लिए नई फ्लाइट मिलेगी। इंडिगो ने रायपुर-विशाखापट्टनम सेक्टर में यह फ्लाइट सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को संचालित करने का शेड्यूल जारी किया है। कंपनी इस सेक्टर में 78 सीटर एटीआर विमान की सेवाएं उपलब्ध कराएगी। शेड्यूल इंडिगो 6 ई 7295 रायपुर से 8.50 बजे, विशाखापट्टनम 10.20 बजे, 6 ई 7296 विशाखापट्टनम से 11 बजे, रायपुर 12.30 बजे।

प्रदेश में आज से शराब सस्ती

4 फीसदी तक दाम में कमी

रायपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ में कल 1 अप्रैल से शराब की नई रेट लिस्ट लागू हो जाएगी। राज्य सरकार ने नई आबकारी नीति में विदेशी शराब को सस्ता कर दिया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नई दरों की घोषणा की गई है। ये दर 1 अप्रैल से सभी मदिरा दुकानों में लागू हो जाएगी।

नई लिस्ट के मुताबिक शराब की कीमतों में 4 प्रतिशत तक की कमी की गई है। जो बोतल पहले 800 रूपये में मिलती थी, वो अब 760 रूपये तक मिलेगी। वहीं, पौवा की कीमतों में भी 10 से 20 रूपये तक की कमी की गई है। प्रदेश में पहले जो पव्वा 200-220 रूपये में मिलता था वो अब 210, 180 या 190 रूपये तक मिलेगा। नई सूची में गोवा पीने वालों को भी थोड़ी राहत मिली है। गोवा पव्वा में भी 10 रूपये तक की कमी की गई है। लिस्ट के मुताबिक शराब की बोतलों में 40 रुपये से लेकर 250 रुपये तक कमी की गई है। हालांकि देशी शराब में किसी तरह की कोई कमी नहीं की गई है।

पंजाब में किसानों ने किया बड़ा प्रदर्शन

अमृतसर, 31 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब में किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) के नेतृत्व में किसानों ने राज्य के 17 जिलों में 35 स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया। पंजाब सरकार के मंत्रियों और विधायकों के घरों के बाहर यह घेराव दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक चला। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने जानकारी दी कि यह प्रदर्शन चार घंटे तक जारी रहा। किसानों ने अमृतसर के जगदेव कलां गांव में कैबिनेट मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल के घर के बाहर धरना दिया। इस मौके पर किसान नेताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी मांगें दोहराईं। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि हम विभिन्न जगहों पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने खनौरी और शंभू बॉर्डर पर किसानों पर जुल्म किया। हमारे किसान नेताओं को पीटा गया और इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस वजह से हम विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने पंजाब सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा।

- मंत्रियों और विधायकों के घरों का घेराव किया
- पंजाब सरकार ने बॉर्डर पर किसानों पर जुल्म किया

सीएम भगवंत मान पर निशाना साधते हुए पंधेर ने कहा कि पहले आप कहते थे कि मोदी सरकार ने रास्ते बंद कर रखे हैं, लेकिन अब वह कह रहे हैं कि रास्ते बंद होने से पंजाब में व्यवसाय को नुकसान हो रहा है। उन्होंने राज्य सरकार से सवाल किया कि बॉर्डर खुल जाने से कितना फायदा हुआ? इसका जवाब दें।

उन्होंने आरोप लगाया कि 20 मार्च को शंभू मोर्चे पर किसान नेता बलवंत सिंह बेहरामके पर लाठीचार्ज करने वाले एसएचओ हरप्रीत सिंह को अब तक बर्खास्त नहीं किया गया है। किसान संगठनों ने इस अधिकारी को तत्काल नौकरी से हटाने की मांग की।

भीषण गर्मी ने बदला स्कूलों का समय

रायपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। राज्य सरकार ने बढ़ती गर्मी के मद्देनजर स्कूलों के समय में बदलाव का आदेश जारी किया है। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक आने वाले समय में गर्मी का प्रकोप और बढ़ेगा, जिससे बच्चों को परेशानी बढ़ेगी, जिसको देखते हुए स्कूल टाइम में परिवर्तन का आदेश दिया है. डीपीआई की तरफ से सभी संयुक्त संचालक और डीईओ को इस संबंध में आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक 2 अप्रैल से एक पाली में संचालित होने वाले स्कूलों में कक्षाएं सुबह 7 बजे से 11 बजे तक कक्षाएं लगेगी। वहीं जहां दो पालियों में स्कूल का संचालन होता है, वहां प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक शालाएं सुबह 7 बजे से 11 बजे तक लगेगी, जबकि हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल 11 बजे से 3 बजे तक संचालित होगी। 2 अप्रैल से 30 अप्रैल तक स्कूल का इसी समय में संचालन होगा। कार्यालय का समय यथावत रहेगा।

डीपीआई ने सभी जेडी और डीईओ को जारी किया आदेश

औरंगजेब पर बेकार हो रहा हल्ला : भैयाजी जोशी

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के औरंगजेब की कब्र को लेकर छिड़े विवाद को आरएसएस के वरिष्ठ नेता भैयाजी जोशी ने अनावश्यक बताया है। उन्होंने कहा कि जो भी अनुयायी है वह महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में स्थित कब्र का दौरा करेगा। इससे पहले मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने औरंगजेब की कब्र को लेकर सांप्रदायिक तनाव भड़काने के प्रयासों की निंदा की। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कहा कि इतिहास को जाति और धर्म के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए।

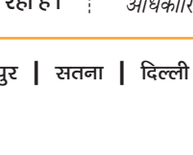

भारत की उदारता और समावेशिता का प्रतीक

राज ठाकरे के बयान और औरंगजेब की कब्र को लेकर भैयाजी जोशी ने कहा कि औरंगजेब की कब्र का विषय अनावश्यक रूप से उठाया गया है। उनकी मृत्यु भारत में हुई थी, इसलिए उनकी कब्र यहीं बनाई गई है। हमारे पास छत्रपति शिवाजी महाराज का आदर्श (रोल मॉडल) है, उन्होंने अफजल खान की कब्र बनवाई थी। यह भारत की उदारता और समावेशिता का प्रतीक है। कब्र बनी रहेगी, जो भी जाना चाहेगा, जाएगा। राज ठाकरे ने यह भी कहा कि मुगल शासक शिवाजी नामक एक विचार को मारना चाहता था, लेकिन असफल रहा और महाराष्ट्र में उसकी मृत्यु हो गई। मनसे प्रमुख ने कहा कि बीजापुर के सेनापति अफजल खान को प्रतापगढ़ किले के पास दफनाया गया था और छत्रपति शिवाजी महाराज की अनुमति के बिना ऐसा नहीं किया जा सकता था।

अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस में आग, सूचना से यात्रियों में मचा हड़कंप

इटारसी, 31 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले में इटारसी के पास चलती ट्रेन की बोगी में आग लग गई। ये घटना सोमवार दोपहर करीब 4 बजे इटारसी और बानापुरा के बीच में खुटवासा रेलवे स्टेशन के पास की बताई जा रही है। घटना अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस में हुई है। अहमदाबाद से चलकर बरौनी जाने वाली ये ट्रेन दोपहर करीब 2 बजे खंडवा से इटारसी की ओर रवाना हुई थी। धरमकुंडी स्टेशन निकलने के बाद खंबा नंबर 724/12 के पास ट्रेन गार्ड ने धुआं निकलते देखा। जिसके बाद ट्रेन को अचानक रोका गया। ट्रेन के रुकने और आग की सूचना से यात्रियों में हड़कंप मच गया। आग लगने के बाद ट्रेन करीब सवा घंटे तक खड़ी रखी। बाद में आग वाले कोच को अलग कर ट्रेन को रवाना कर दिया गया।

मौसम विभाग ने अलर्ट किया

अप्रैल-जून में सामान्य से अधिक गर्मी पड़ेगी

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। भारत में अप्रैल से जून तक तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है और मध्य- पूर्वी भारत और उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में अधिक दिन लू चल सकती है। यह बात भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को कही। आईएमडी प्रमुख मृत्युंजय महापात्रा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पश्चिमी और पूर्वी भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर देश के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। इन दोनों क्षेत्रों में तापमान के सामान्य रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अधिकांश क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। महापात्रा ने कहा, ''अप्रैल से जून तक उत्तर और पूर्वी भारत के अधिकांश हिस्सों, मध्य भारत और उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में सामान्य से दो से चार दिन अधिक लू चलने की संभावना है।'' आमतौर पर भारत में अप्रैल से जून तक चार से सात दिन तक लू चलती है। आईएमडी के एक अधिकारी ने पहले कहा था कि उत्तर-पश्चिम भारत में गर्मियों के दौरान लू के दिनों की संख्या दोगुनी हो सकती है। इस क्षेत्र में गर्मियों के मौसम के दौरान आमतौर पर पांच से छह दिन लू चलती है।

इन राज्यों में ज्यादा सताएगी लू

जिन राज्यों में सामान्य से अधिक दिन लू चलने की संभावना है उनमें राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश तथा कर्नाटक और तमिलनाडु के उत्तरी हिस्से शामिल हैं।

विडंबना अधिकारियों की कमी से कार्य हो रहा है प्रभावित

प्रशासनिक पदों के लिए 1366 आईएएस अधिकारियों की कमी

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। संसद की एक समिति ने कहा है कि देश में इस समय भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पदों की जरूरत के हिसाब से 1316 आईएएस अधिकारियों की कमी है जिससे विभिन्न स्तरों पर प्रशासनिक कार्य और शासन प्रभावित हो रहा है।

राज्य सभा सदस्य बृज लाल की अध्यक्षता वाली लोक शिकायत , विधि और न्याय विभाग से संबंधी संसदीय समिति ने मंत्रालय की 2025-26 की अनुदान मांगों पर राज्य सभा में पिछले दिनों प्रस्तुत अपने प्रतिवेदन में कहा है, 'इन रिक्त पदों को भरने की तत्काल आवश्यकता को देखते हुए भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने और लोक प्रशासन की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता है। समित ने इस संदर्भ में सरकार से आईएएस अधिकारियों की भर्ती के विषय में चन्द्रमौली समिति की रिपोर्ट का अध्ययन कराने तथा उसे जल्द से जल्द लागू कराने की सिफारिश की है। समिति ने आईएएस कोटे में रिक्तियों का समय से निर्धारण सुनिश्चित करने के लिए कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को राज्यो के लिए एक आनलाइन ट्रैकिंग और प्रस्तुतीकरण पोर्टल शुरू करने का सुझाव दिया है। इससे राज्य सरकारे अपने प्रस्तावों को आन लाइन प्रस्तुत करने के साथ-साथ उस पर प्रगति की मॉनिटरिंग कर सकेंगी और अनुस्मारक प्रस्तुत कर सकेंगी। समिति का यह भी कहना है कि विभाग को विलंबित प्रस्तुतियों के लिए दंड प्रणाली भी रखनी चाहिए। उदाहरण के लिए समिति का कहना है कि जो राज्य लगातार समय सीमा को पूरा न करें उन राज्यों से प्रोन्नति कोटा के लिए विचार न किया जाए। समिति ने यह भी कहा है कि आरक्षित श्रेणी की रिक्तियों के लिए आंकड़ों का संग्रह और भर्ती प्रक्रियाओ के समय पर और प्रभावी कार्यान्वयन की निगरानी करने के लिए विभाग को एक केंद्रीय निगरानी एवं समन्वय समिति स्थापित करनी चाहिए। समिति ने यह भी कहा है कि सभी आईएसएस अधिकारियों की ओर से उनकी अचल संपत्तियों के विवरण (आईपीआर) का दखिला समय पर सुनिश्चित कराने के लिए एक केंन्द्रीय निगरानी एवं अनुपालन तंत्र स्थापित किया जाए। अनुस्मारक दिए जाने के बावजूद सम्पत्ति का ब्योरा प्रस्तुत न करने वाले वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की स्वचालित व्यवस्था हो। समिति ने पाया है कि इन सेवाओं के कई अधिकारी ऐसे हैं जो आर्थिक और संवेदनशील सूची में वर्गीकृत विभागों और मंत्रालयों में अनुकूल स्थानों पर आठ-आठ, नौ-नौ वर्ष से अधिक समय से जमे पड़े हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष ने निभाया वादा मुंगेली से अयोध्या के लिए बस सेवा शुरू

मुंगेली, 31 मार्च (देशबन्धु)। क्षेत्रवासियों के लिए खुशखबरी! 31 मार्च 2025 से पुष्पराज टूर एंड ट्रेवल्स द्वारा मुंगेली से अयोध्या के लिए नई बस सेवा शुरू की जा रही है। यह बस बिलासपुर, मुंगेली, पंडरिया होते हुए प्रयागराज से अयोध्या तक जाएगी। बस का समय- अयोध्या पहुंचने का समय- सुबह 9 बजे, अयोध्या से वापसी का समय- दोपहर 1.30 बजे,कोच- 2×1 एसी स्लीपर। इस बस सेवा से श्रद्धालुओं और यात्रियों को अयोध्या जाने के लिए एक सुविधाजनक विकल्प मिलेगा।

मुंगेलीवासियों ने नगर चुनाव के पहले से ही अयोध्या के लिए सीधी बस सेवा की मांग की थी। स्थानीय नागरिकों की इस मांग को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष ने इस सुविधा को शुरू करने का वादा किया था, जिसे अब पूरा कर दिया गया है। यह सेवा यात्रियों की सुविधा को देखते हुए शुरू की गई है और इसका लाभ धार्मिक व पर्यटन उद्देश्य से यात्रा करने वाले लोगों को मिलेगा।

रोहित शुक्ला ने दिखाई हरी झंडी

मुंगेली से अयोध्या के लिए पहली बस को रोहित शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सिंधी समाज के अध्यक्ष प्रताप राय राजेश, देवेंद्र वैष्णव, अभिलाष सिंह, राहुल रूपवानी, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश छैदईय और मकबूल खान, पार्षद कुलदीप पाटले, अजय साहू, रवि कोसले, जैकी राजेश,उपस्थित रहे।

पुष्पराज टूर एंड ट्रेवल्स की ओर से सूरज यादव ने बताया कि यह सेवा यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए शुरू की जा रही है।यात्रियों की सुविधा के लिए जल्द ही ऑनलाइन बुकिंग सेवा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

जीपीएम जिले के पेण्ड्रा में शांतिपूर्ण मनाया गया ईद का त्यौहार

देश में अमन,शांति खुशहाली के लिए मांगी गई दुआएं

नगर पालिका अध्यक्ष सहित वरिष्ठ जनों ने ईदगाह पहुँचकर दी ईद की बधाई

पेण्ड्रा में आपसी भाईचारे की देखी गई मिशाल

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही,31 मार्च (देशबन्धु)। जिले के पेण्ड्रा में ईद का त्यौहार बड़े ही खुशनुमा माहौल में मनाया गया।पवित्र रमज़ान माह के 30 रोज़े पूरे होने के बाद,ईदगाह में सुबह से नमाजियों का आना शुरू हो गया था । जामा मस्जिद के इमाम हाफिज मोहम्मद नसीम ने ईद के विषय में तकरीर की और उसके बाद आलिम अबुजर साहब ने ईद की नमाज अदा कराई। ईद की नमाज के बाद सभी ने हाथ उठाकर आपसी भाईचारे, सौहाद्र ,देश में अमन शांति के लिए दुआ मांगी। नमाज व दुआ अदायगी के बाद सभी ने एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।

नगर पालिका अध्यक्ष के द्वारा ईद के मौके पर मुंह मीठा कराया गया

पेण्ड्रा नगर पालिका परिषद अध्यक्ष राकेश जालान के द्वारा ईद के मौके पर ईदगाह पहुँचकर मुस्लिम समुदाय के लोगों का मुँह मीठा कराया गया एवं सभी को गले कगकर ईद की बधाई दी। नगर में जो गंगा जमुनी तहजीब पेश की जा रही है ,वो प्रदेश ही नही पूरे देश के लिए मिसाल है । इस मौके पर राकेश जालान ने कहा ईद का त्यौहार हम सबको आपसी भाईचारे का संदेश देता है हम सबने इस त्यौहार को साथ मिलकर मनाया।

री यूनियन ग्रूप ने भी ईद पर स्टॉल लगाकर मुस्लिम समाज को शीतल पेय पिलाया

रीयूनियन ग्रुप, सरस्वती शिशु मंदिर पेण्ड्रा के लगभग 40 साल पुराने छात्रों का सेवा कार्य से जुड़ा समूह है। इस ग्रुप के द्वारा भी ईदगाह पर स्टॉल लगाकर मुस्लिम भाइयों को ठंडा जूस पिलाया गया व ईद की बधाई दी गई। ईद के मौके पर इमाम हाफिज मोहम्मद नसीम,नगर पालिका अध्यक्ष राकेश जालान,प्रशांत श्रीवास,वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश नामदेव दुर्गा पसारी,मदन सोनी,शारदा चरण पसारी, आयुष शर्मा, आकाश,सादिक़ खान,रईस खान,मो.यूसुफ सिद्दीकी,आमिर अली,जावेद खान,शाहबाज खान,आशिम मंसूरी,सुहैल खान,अरशद अली,जैद मंसूरी सहित बड़ी संख्या में बुजुर्ग बच्चे एव आमजन शामिल हुए।

पीएम के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण पीएम श्री स्कूल में दिखाया गया

मुंगेली, 31 मार्च (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिलासपुर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय, दाऊपारा दिखाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विशेष आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रथम पाली में विद्यालय प्रार्थना मंच पर मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और पूजा-अर्चना से हुई। इसमें विद्यालय के प्राचार्य डॉ. आई.पी. यादव, शिक्षकगण और विद्यार्थियों ने माँ सरस्वती का वंदन कर कार्यक्रम की सफलता की कामना की।

द्वितीय पाली में राज्य कार्यालय से प्राप्त गूगल लिंक के माध्यम से प्रधानमंत्री के उद्बाटन कार्यक्रम का सीधा प्रसारण विद्यालय की लाइब्रेरी में प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पीएम श्री स्कूलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में एक नई दिशा प्रदान करेंगे और अन्य विद्यालयों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य डॉ. यादव सहित व्याख्याता महादेव यादव, पंकज मिश्रा, रीना मरावी, राहुल वर्मा, हरिशंकर गुप्ता, प्राथमिक शिक्षक अमृता पात्रे, वीर सिंह सिकंदर, ललिता प्रसाद पाटले, साकेत शुक्ला, डिकेश्वरी श्रीवास, संध्या टंडन, दुर्गेश्वरी सिंह, डुलेश गबेल, नवीन रात्रे, कार्यालय प्रभारी बंशीलाल कुम्हार, दीपक निषाद, रवि मनहर एवं छात्र निलय यादव सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कानून व्यवस्था बनाने टीआई ने ली बैठक

तखतपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। नवरात्रि पर्व पर सप्तमीं के दिन मां काली की सवारी निकलती है कानून व्यवस्था बनाने और मां काली दर्शन शांति पूर्वक हो सके। इसके लिए थाना प्रभारी ने बैठक ली।

नगर में नवरात्रि पर्व के अवसर पर दोनों पखवाड़ों में सप्तमीं के दिन मां काली की सवारी टिकरीपारा से निकलती है। सप्तमीं के दिन निकलने वाले इस काली की सवारी 20 हजार से अधिक ग्रामीण आसपास क्षेत्र से नगर में आते है हर गली और मुख्य मार्ग में बहुत भीड़ रहती है जिससे संभालना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती होती है सप्तमीं के दिन निकलने वाली काली के लिए यातायात को सुगम रखने भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य को लेकर आज मां काली समिति ने थाना प्रभारी देवेश राठौर को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर दिनेश निर्मलकर, पार्षद चंद्रप्रकाश देवांगन, अंकित अग्रवाल, करन यादव, जीत गेंदले, सत्यम ताम्रकार सहित अन्य उपस्थित रहे।

ईद पर्व हर्षोल्लास मनाया गया, गले मिले और सेवइयां बंटी

तखतपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। ईद का पर्व हर्ष और उल्लास के साथ मुस्लिम समाज के लोगों के द्वारा मनाया गया। तखतपुर में ईद की बधाई देने के लिए नगरपालिका उपाध्यक्ष प्रतिनिधि अजय देवांगन, पार्षद मुन्ना श्रीवास, पूर्व पार्षद टेकचंद कारड़ा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष बिहारी देवांगन पहुंचें और सभी को ईद की बधाई दिए तथा उन्होंने कहा कि यह पर्व हम सभी को एक दूसरे को करीब लाकर भाई चारा का संदेश देता है। मैं अल्लाह से यहीं दुआं करूंगा कि पूरे देश में अमन चैन और शांति बना रहे।

मुस्लिम समाज तखतपुर के लोगों ने ईद परंपरागत तरीके से मनाई । पांच वक्त की नमाज, सख्त गर्मी में 30 दिनों तक भूखे प्यासे रहकर रोजे रखना, रातों में उठ कर खुदा की इबादत करना, कुरान ख्वानी और दुआएँ करने के बाद ईद का त्यौहार उनके लिए एक अनुपम उपहार की तरह था। नमाज के बाद ईद में आह्वान किया कि दुनिया में सुख शांति अमन चैन व सभी की खुशहाली और तरक्की के लिए दुआ की। ईद की सेवइयां खाकर सभी ने एक-दूसरे के गले लगकर आपस में ईद की बधाई दी। समाज के बड़े बुजुर्गों ने भी एक दूसरे के घर जाकर ईद की बधाई दी और हालचाल पूछा। नमाज अदा इमाम गुलाम फरीद रिजवी ने कराया जिसमें उन्होंने देश की तरक्की और अमन चैन की दुआ की। इस अवसर पर जाकिर अंसारी, कुद्दुस अंसारी, मुकीम अंसारी, उमर कुरैशी, शेख जैनुल, अय्युब अंसारी, नट्टू जायसी, अजीम अंसारी, करीम कुरैशी, आकिल रिजवी, नईम अंसारी, बट्टु अंसारी, जाकिर जायसी, सलीम खान, नूर मोहम्मद, साबिर जायसी, सिराज जिंदरान, मुन्ना खान, नजरूद्दीन जिंदरान, इकबाल ऐबानी, आरिफ ऐबानी, शेख वसीम, निसार अंसारी, एजाज अंसारी, नियाज अंसारी, साहिल खान, फैजल खान सहित अन्य उपस्थित रहे।

जेसीबी चालक पर हमला

तखतपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। गांव में जेसीबी चला रहे चालक के साथ युवक ने गाली गलौज कर नुकिली वस्तु से हमला कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट पर धारा 115,2 296, 351,2 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में ले लिया।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार छिरहापारा धुमा निवासी ईश्वर कैवर्त ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि रात्रि 9 बजे गांव में जेसीबी मशीन चला रहा था उसी समय गांव के राहुल उर्फ ओमप्रकाश आर्मो आया और जेसीबी मशीन में चढ़कर अश्लील गाली गलौज करते हुए नुकिली वस्तु से मारपीट कर दिया।

श्रीमती नरबदिया ध्रुव का निधन

तखतपुर। ग्राम बरेला निवासी सेवानिवृत्त शिक्षिका श्रीमती नरबदिया ध्रुव 83 वर्ष का 31 मार्च को निधन हो गया। वे संजय ध्रुव, रिंकु उर्फ सकेंत ध्रुव की मां थी। इनका अतिंम संस्कार बरेला मुक्तिधाम में किया गया।

राशन घोटाला को दबाने एक और जांच

रायपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। विष्णु देव साय की सरकार में एक बात तो तय है कि घोटाले को दबाने के लिए अधिकारी कितनी भी जुगत लगा ले बचने वाले नहीं है।कांग्रेस शासनकाल में चार विभागों के बड़े घोटाले सुर्खियों में है। ये है आबकारी, राजस्व, खनिज और खाद्य। खाद्य विभाग के घोटाले में लिप्त अधिकारियों पर अभी केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी, ने जांच जारी रखी है, सीबीआई जल्दी ही हाथ डालने की तैयारी में है। ईओडब्ल्यू और एसीबी का छापा कभी भी पड़ सकता है।

खाद्य संचालनालय के अधिकारियों ने कांग्रेस शासनकाल में जमकर राशन दुकानों के जरिए अरबों का चांवल खुले बाजार में बेच कर भारी पैमाने में भ्रष्टाचार किया है। पूर्व मुख्यमंत्री डा रमन सिंह ने विधानसभा में छह सौ करोड़ रुपए के घोटाले का मामला उठाया था। तकनीकी त्रुटि का मामला बता कर खाद्य संचालनालय का एक अधिकारी जो टुटेजा एंड कंपनी का साझेदार रहा है, एनआईसी में दखल देकर विभाग के पोर्टल में मनमानी करवाया। घोषणा पत्र के बचत में हेराफेरी करवाई।

अनिल टुटेजा और सौम्या चौरसिया का डर दिखा कर मैदानी अमले से गलत काम करने का दबाव जूम कांफ्रेंस से दिया।राशन घोटाले की गंभीरता को देखते हुए विधान सभा जांच समिति भी गठित हो गई है। इस जांच समिति के सामने

घोटाले को दबाने के लिए नई नई तरकीब निकाली जा रही है। हाल ही प्रदेश की तेरह हजार राशन दुकानों में 31 मार्च की स्थिति में बचे राशन बचत की जांच का फरमान निकाला गया है।

इस जांच में मैदानी अमले पर

दबाव डाला जा रहा है कि दस दिन के भीतर विभाग के सारे काम छोड़कर राशन दुकान में जाकर बचे राशन बचत की जांच करे। इस काम के लिए राजस्व और सहकारिता विभाग के अधिकारियों की मदद लेने के लिखित निर्देश दिए गए है। मौखिक रूप से ये भी कहा गया है कि इन दोनों विभागों के अधिकारियों को उन्हीं राशन दुकानों की जांच करवाई जाए जो ठीक हो।

ये भी निर्देश दिए गए है कि जिन राशन दुकानों के लिए राजस्व वसूली के आदेश हो चुके है उनकी जांच नहीं किया जाए। बता दे कि राजस्व वसूली का आदेश भी नियम विपरीत है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश में राशन दुकानों में गड़बड़ी पाई जाने जांच प्रतिवेदन, कारण बताओ नोटिस, जवाब के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में अनुविभागीय अधिकारियों के निर्णय के बाद राशन दुकान के द्वारा पालन न किए जाने के बाद राजस्व वसूली का प्रावधान है। खाद्य विभाग के मैदानी अमले पर कार्यवाही का डर बना कर बिना अनुविभागीय अधिकारी राजस्व से निर्णय के बगैर राजस्व वसूली के आदेश जारी करवा दिया गया है। माना जा रहा है कि प्रदेश के पांच हजार राशन दुकान के लिए राजस्व वसूली के आदेश जारी किए गए है। इस कारण पांच हजार राशन दुकानों की जांच नहीं होगी। खाद्य संचालनालय के अधिकारी ने राशन घोटाले को दबाने के लिए खुले बाजार से घटिया चांवल खरीद कर रखने का भी जूम कांफ्रेंस में निर्देश दिया है। इस मामले में पुख्ता प्रमाण एनआईसी से भौतिक सत्यापन के लिए जारी पोर्टल में एंट्री करवाई गई है जिसमें सामान्य और फोर्टीफाइड चांवल की एंट्री का प्रावधान था। जब तक संचालनालय में एक अपर संचालक का दखल था, बिना राशन दुकान जाए सब दुकानों में बचत को ठीक बता दिया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. : सीनियर. डी.ई.ई. (आर.एस.&जी.) बी.एस.पी./ओ.टी.पी. /24-25-42 दिनांक 22.03.2025
कार्य का नाम : 1. विद्युत भाग का कार्यः ब्रजराजनगर में स्वास्थ्य इकाई का निर्माण। 2. BSP डिवीजन में UTS/PRS स्थानों के दोषपूर्ण/पुराने UPS का प्रतिस्थापन **निविदा मूल्य** : रू. 59,46,379.08/- **अमानत राशि** : रू. 1,18,900/- **निविदा बंद होने की तिथि व समय** : दिनांक 14/04/2025, 15:00 बजे
विस्तृत जानकारी /निविदा दस्तावेज का विक्रय, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण निविदा दस्तावेज जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर/ देख सकते है।
वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (आर एस एवं सामान्य)
सीपीआर/10/AM/582 द.पू.म.रे., बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

न्यायालय तहसीलदार सकरी, तहसील सकरी जिला बिलासपुर (छ.ग.)
// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. ...../ब-121/ 2023-24 ग्राम उस्लापुर तहसील सकरी, बिलासपुर
एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक चेतनदास मानिकपुरी पिता स्व. दिलहरण निवासी छतौना तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग. के द्वारा अपने बुआ जेठिया बाई पति अंजोर दास की मृत्यु दिनांक 05/01/2016 को ग्राम उस्लापुर में होने के कारण जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के नियम 13(13)/9(3) के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। इस ईश्तहार के माध्यम से दावा/ आपत्ति आमंत्रित किया जाता है।
अतः उक्त आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/ आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में नियत पेशी दिनांक 01/04/2025 के पूर्व अपना दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त तिथि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 04/3/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा द्वारा ईश्तहार जारी किया गया।
सील
कार्यपालिक दंडाधिकारी तहसील सकरी

प्रथम पृष्ठ का शेष

45 लाख की इनामी ...

फायरिंग बंद होने के बाद घटना स्थल की सर्चिंग में 1 महिला नक्सली का शव बरामद हुआ। इसकी शिनाख्त गुम्माडिवेली रेणुका उर्फ भानु उर्फ चैते उर्फ सरस्वती उर्फ दमयन्ती के रूप में हुई। यह नक्सल संगठन में सेन्ट्रल रीजनल ब्यूरो (सीआरबी) प्रेस टीम इंचार्ज, सम्पादक प्रभात पत्रिका, (डीकेएसजेडसीएम) के रूप में सक्रिय थी। कानून की शिक्षा प्राप्त यह महिला नक्सली लीडर तेलंगाना के वारंगल जिला अंतर्गत कड़वेंडी देवरपल्ली गांव की रहने वाली थी। आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि यह महिला नक्सली 1996 में नक्सल संगठन में भर्ती होकर आंध्र प्रदेश में एसजेडसीएम कृष्ण अन्ना के साथ काम की। वर्ष 2003 में डीवीसीएम के पद पर पदोन्नति हुई। वर्ष 2006 में दक्षिण बस्तर मे सीसीएम दुला दादा उर्फ आनन्द के साथ काम की। वर्ष 2013 में माड़ क्षेत्र में आकर एसजेडसीएम रमन्ना के साथ काम की। रमन्ना की कोरोना से मृत्यु हो जाने के बाद वर्ष 2020 में डीकेएसजेडसीएम बनाकर सेंट्रल रीजनल ब्यूरो (सीआरबी) का प्रेस टीम इंचार्ज बनाया गया। नक्सल संगठन की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी करना और विभिन्न पत्रिका जैसे प्रभात, महिला मार्गम, आवामी जंग, पीपुल्स मार्च, पोडियारो पोल्लो, झंकार, संघर्षरत महिला, पितुरी, मिडंगुर, भूमकाल संदेश का मुद्रण और प्रकाशन का कार्य किया करती थी। इसके भाई एसजेडसीएम जीवीके प्रसाद उर्फ सुखदेव उर्फ गुड्सा उसेंडी ने वर्ष 2014 में तेलंगाना में सरेंडर किया। वर्ष 2005 में सेन्ट्रल कमेटी मेंबर (सीसीएम) शंकामुरी अप्पाराव उर्फ रवि के साथ शादी हुई थी, जो 2010 के नलमल्ला मुठभेड़ (आंध्र प्रदेश) में मारा गया। मुठभेड़ के बाद इस महिला नक्सली के पास से इंसास राइफल, मैगजीन, गोला बारूद, लैपटॉप, नक्सली साहित्य तथा दैनिक उपयोगी सामग्री बरामद की गई।

आईजी श्री सुंदरराज ने आगे बताया कि सरकार की मंशा के अनुसार और जनता की इच्छा के अनुसार पुलिस मुख्यालय के मार्गदर्शन में बस्तर रेंज में तैनात विभिन्न सुरक्षा बलों द्वारा मजबूत मनोबल एवं स्पष्ट लक्ष्य के साथ बस्तर क्षेत्र की शांति, सुरक्षा व विकास हेतु समर्पित होकर कार्य किया जा रहा है। प्रतिबंधित एवं गैर कानूनी सीपीआई नक्सली संगठन के पास अब हिंसा छोड़कर आत्मसमर्पण करने के अलावा और कोई विकल्प नही बचा है, इसलिए नक्सलियों से अपील है कि वे तत्काल हिंसात्मक गतिविधियों को छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़े अन्यथा परिणाम भुगतने को तैयार रहे। वर्ष 2025 में बस्तर संभाग अंतर्गत सुरक्षा बलों द्वारा प्रभावी रूप से प्रतिबंधित एवं गैर कानूनी सीपीआई नक्सल संगठन के विरूद्ध नक्सल विरोधी अभियान में विगत 92 दिनों में कुल 119 हार्डकोर नक्सलियों के शव बरामद किये गये।

अबूझमाड़ के जंगल में मुठभेड़...

भारी पड़ता देखकर माओवादी हथियार एवं अन्य दैनिक उपयोगी सामग्री छोड़कर भागे गये। फायरिंग बंद होने पर सभी टीमों द्वारा अपने-अपने दिये गये टास्क क्षेत्र में सर्चिंग करने पर घटना स्थल में 1 नग एसएलआर रायफल एवं अन्य नक्सली सामग्री भारी मात्रा में बरामद हुआ।

घटना स्थल में खून के धब्बे एवं घसीटने के निशान दिखाई दिये जिससे प्रतीत होता है कि इस मुठभेड़ में संख्या में अन्य माओवादियों के घायल अथवा मारे जाने की प्रबल संभावना है। उक्त घटना पर थाना कोहकामेटा में धारा 191(2),191(3), 190, 109, 61(2), बी.एन.एस. 25 27 आर्म्स एक्ट10, 13(1), 16, 18, 20, 38(2), 39(2) का मामला पंजीबद्ध कर अनुसंधान में लिया गया है।

देश

उवाच

भाजपा सांसद ने ममता पर निशाना साधा, कहा इससे ज्यादा विकृत मानसिकता और विकृत सोच कोई दूसरी नहीं हो सकती। ममता बनर्जी स्वयं ही हिंदू हैं, लेकिन वह हिंदू धर्म को गंदा कह रही हैं। मुझे लगता है कि उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है और उन्हें किसी मनोचिकित्सक की जरूरत है: **प्रवीण खंडेलवाल, भाजपा सांसद**

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	35`	13.8
मुंबई	35.2	24`
कोलकाता	35.2	27.1
चेन्नई	34.5	26.6

सोनिया गांधी ने शिक्षा व्यवस्था को लेकर मोदी सरकार पर बोला हमला

'सांप्रदायिक, बलपूर्वक सरकार का एजेंडा', शैक्षिक ढांचे को कमजोर कर रहा

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष और सांसद सोनिया गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार पर आरोप लगाया है कि वह देश के शैक्षिक ढांचे को कमजोर कर रही है। उनके मुताबिक सरकार 'नुकसानदेह नतीजों की ओर ले जाने वाले एजेंडे' पर चल रही है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा द्वारा साझा किए गए एक अखबार के लेख में उन्होंने कहा है कि आज भारतीय शिक्षा को '3सी' का सामना करना पड़ रहा है - केंद्रीकरण, कमर्शियलाइजेशन और कम्युनिलिज्म।

सोनिया गांधी ने कहा कि सरकार समग्र शिक्षा अभियान के तहत मिलने वाले अनुदान को रोककर राज्य सरकारों को मॉडल स्कूलों की पीएम-श्री योजना को लागू करने के लिए मजबूर कर रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की आलोचना करते हुए, वह लेख में कहती हैं, 'हाई-प्रोफाइल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की शुरुआत ने एक ऐसी सरकार की वास्तविकता को छिपा दिया है जो भारत के बच्चों और युवाओं की शिक्षा के प्रति बेहद उदासीन है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की आलोचना करते हुए,

उन्होंने लेख में कहा, 'हाई-प्रोफाइल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की शुरुआत ने एक ऐसी सरकार की वास्तविकता को छिपा दिया है, जो भारत के बच्चों और युवाओं की शिक्षा के प्रति बेहद उदासीन है। पिछले एक दशक में केंद्र सरकार के ट्रैक रिकॉर्ड ने स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया है कि शिक्षा में, यह केवल तीन मुख्य एजेंडा के सफल कार्यान्वयन से चिंतित है- केंद्र सरकार के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, निजी क्षेत्र में शिक्षा में निवेश का व्यावसायीकरण और आउटसोर्सिंग, पाठ्यपुस्तकों, पाठ्यक्रम और संस्थानों का सांप्रदायिकरण।' उनका कहना है कि केंद्रीकरण के सबसे हानिकारक परिणाम शिक्षा के क्षेत्र में हुए हैं। केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड, जिसमें केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के शिक्षा मंत्री शामिल हैं, सितंबर 2019 से नहीं

'2014 से, हमने देश भर में 89,441 सरकारी स्कूलों को बंद और समेकित होते देखा है और 42,944 अतिरिक्त निजी स्कूलों की स्थापना की गई है। देश के गरीबों को सरकारी शिक्षा से बाहर कर दिया गया है: सोनिया गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष

बुलाई गई है। उन्होंने सरकार पर राज्यों से परामर्श न करने और उनके विचारों पर विचार न करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा, 'एनईपी 2020 के माध्यम से शिक्षा में प्रतिमान बदलाव को अपनाने और लागू करने के दौरान भी, केंद्र सरकार ने इन नीतियों के कार्यान्वयन पर एक बार भी राज्य सरकारों से परामर्श करना उचित नहीं समझा। उन्होंने कहा कि संवाद की कमी के साथ-साथ 'धमकाने की प्रवृत्ति' भी बढ़ी है और उन्होंने इसके लिए पीएम-श्री (या पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) योजना का उदाहरण दिया। सोनिया गांधी ने केंद्र पर शिक्षा प्रणाली के व्यावसायीकरण का भी आरोप लगाया है, उन्होंने कहा कि यह 'पूरी तरह से एनईपी के अनुपालन में खुलेआम हो रहा है।' उन्होंने कहा, '2014 से, हमने देश भर में 89,441 सरकारी स्कूलों को बंद और समेकित होते देखा है और 42,944 अतिरिक्त निजी स्कूलों की स्थापना की गई है। देश के गरीबों को सरकारी शिक्षा से बाहर कर दिया गया है और उन्हें बेहद महंगी तथा कम विनियमित निजी स्कूल व्यवस्था के हाथों में धकेल दिया गया है।' उन्होंने यह भी कहा कि उच्च शिक्षा में केंद्र ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ब्लॉक अनुदान की पूर्ववर्ती प्रणाली के स्थान पर उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (हेफा) की शुरुआत की है। उन्होंने लिखा, 'विश्वविद्यालयों को हेफा से बाजार ब्याज दरों पर ऋण लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिसे उन्हें अपने स्वयं के राजस्व से चुकाना होगा। अनुदान की मांग पर अपनी 364वीं रिपोर्ट में, शिक्षा पर संसदीय स्थायी समिति ने पाया कि इन ऋणों का 78त्न से 100त्न हिस्सा विश्वविद्यालयों द्वारा छात्र शुल्क के माध्यम से चुकाया जा रहा है।

देश की अर्थव्यवस्था को मोदी ने कर दिया बर्बाद : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि देश की अर्थव्यवस्था बहुत खराब हो गई है और लोग सोना गिरवी रखकर कर्ज ले रहे हैं तथा उसे लौटा नहीं पा रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अर्थव्यवस्था मजबूत होने के जुमले में मस्त हैं और इस दिशा में कोई उपाय नहीं कर रहे हैं। कांग्रेस ने आधिकारिक सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर कहा, 'श्री मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था का भट्ठा बैठा दिया है। यह बात रिज़र्व बैंक के आंकड़ों से साबित होती है। हालात इतने बुरे हैं कि लोगों के पास कमाई का जरिया नहीं है और उन्हें घर चलाने के लिए गहने तक गिरवी रखने पड़ रहे हैं।' पार्टी ने कहा, 'रिज़र्व बैंक के मुताबिक-देश में सोना गिरवी रखकर कर्ज लेने वाले तेजी से बढ़े हैं। गोल्ड लोन में 87 प्रतिशत का उछाल आया है। ये बताता है कि देश की जनता आर्थिक तंगी से गुजर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक देश के 100 करोड़ लोगों के पास जरूरी खर्च के लिए भी पैसे नहीं हैं। ऐसे में मजबूर होकर उन्हें घर के गहने गिरवी रखने पड़ रहे हैं और उससे घर चलाना पड़ रहा है।' कांग्रेस का यह भी कहना है कि लोग कर्ज लेने के बाद उसे चुका भी नहीं पा रहे हैं और सोना गिरवी रखकर ऋण न चुका पाने वालों की संख्या 30 फीसदी तक बढ़ गई है।

बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल : भाकपा

- **केंद्रीय मंत्री कहते हैं बिहार में 157 मेडिकल कॉलेज है। इससे बड़ा झूठ और क्या हो सकता है**
- **राज्य में सरकारी और निजी मिलाकर एक दर्जन मेडिकल कॉलेज**

पटना, 31 मार्च (एजेंसियां) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पांडेय ने आरोप लगाया कि बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है। श्री पांडेय ने कहा कि अस्पतालों में मरीजों की भर्ती नहीं ली जा रही है। राजधानी पटना में चार-चार मेडिकल कॉलेज हैं इसके बावजूद मरीजों को बेड नहीं मिल रहे हैं। रात में पटना एम्स, आईजीआईएमएस, पीएमसीएच और एनएमसीएच के आपातकालीन वार्ड में मरीजों की भर्ती की बिहार सरकार के आला अधिकारी ने रोक लगा दी है। इस कारण लोगों को मजबूर होकर निजी अस्पतालों में जाना पड़ता है। वहां इलाज के नाम पर मरीजों से लूट की जाती है। इसके बावजूद केंद्र और राज्य सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा का संसद में दिया गया बयान पूरी तरह भ्रामक है। राज्य में सरकारी और निजी मिलाकर एक दर्जन मेडिकल कॉलेज हैं, लेकिन केंद्रीय मंत्री कहते हैं बिहार में 157 मेडिकल कॉलेज है।

अस्पतालों में मरीजों की भर्ती नहीं ली जा रही है। राजधानी पटना में चार-चार मेडिकल कॉलेज हैं इसके बावजूद मरीजों को बेड नहीं मिल रहे: रामनरेश पांडेय

इससे बड़ा झूठ और क्या हो सकता है।

भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि बिहार के उप स्वास्थ्य केंद्र, अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति बदहाल है। अनुमण्डल और सदर अस्पताल की स्थिति भी बद से बदतर हो गई है। अस्पतालों में न ही डॉक्टर और न ही स्वास्थ्य कर्मी मिलते हैं। सरकारी अस्पतालों में मरीजों को दवा भी नहीं मिलती है। अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र 24 घंटे खुले रहने चाहिए, लेकिन वहां पर ताला लटका रहता है। अस्पतालों में डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मियों की घोर कमी है। पिछले तीन साल से नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन अभी तक नियुक्ति नहीं हुई है।

सार संक्षेप

राहुल ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की समस्याओं को लेकर लिखा अन्नपूर्णा देवी को पत्र

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी को पत्र लिख कर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की समस्याओं का समाधान करने का उनसे आग्रह किया है। श्रीमती अन्नपूर्णा देवी को लिखे पत्र में श्री गांधी ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की समस्याओं पर उनका ध्यान आकर्षित करते हुए कहा 'आंगनवाड़ी बहनों का भुखमरी, कुपोषण और कोविड के खिलाफ लड़ाई में अहम योगदान है इसलिए, सरकार से तीन कदम उठाने का अनुरोध किया है।' उन्होंने कहा 'आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय के केंद्रीय योगदान में बढ़त हो और सेवानिवृत्त श्रमिकों और सहायकों को ग्रेच्युटी मिले तथा उनकी कार्य स्थितियों और सामाजिक सुरक्षा में सुधार हो।'

ईद पर गांधी मैदान पहुंचे नीतीश, लोगों से मिले

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ईद-उल-फितर के अवसर पर सभी प्रदेश एवं देशवासियों को मुबारकबाद दी और कहा कि सबलोग इस त्योहार को आपसी प्रेम और भाईचारा के साथ मनाएं। श्री कुमार सोमवार को ईद-उल-फितर के अवसर पर गांधी मैदान पहुंचकर इमाम इदैन हजरत मौलाना महसूद अहमद कादरी नदवी से मुलाकात कर उनसे मोसाफा किया और ईद की मुबारकबाद पेश की। इमाम नदवी ने मुख्यमंत्री को भी ईद की मुबारकबाद दी तथा बिहार की सुख, समृद्धि, प्रगति, उन्नति एवं विकास की कामना की। इससे पहले इदैन कमेटी के सदर महमूद आलम ने मुख्यमंत्री श्री कुमार को गुलदस्ता भेंटकर एवं साफा पेश कर उनकी इज्जत अफजाई की।

सीबीआई ने धनबाद ईसीएल की खुदिया कोलियरी में मारी रेड

धनबाद। सीबीआई ने सोमवार को धनबाद जिले में ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) के मुगमा एरिया में पीएफ क्लर्क अरविंद कुमार राय और एक अन्य कर्मी शीतल बाउरी को 15 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। ईसीएल के दो-तीन अन्य कर्मचारियों से सीबीआई पीएफ एवं ग्रेच्युटी के भुगतान के नाम पर होने वाली कमीशनखोरी के संबंध में पूछताछ कर रही है। बताया गया कि मुगमा एरिया की खुदिया कोलियरी के इलेक्ट्रिक विभाग में कार्यरत उमेश प्रसाद सिंह 31 मार्च, 225 को रिटायर होने वाले थे। इस उपलक्ष्य में कार्यालय में फेयरवेल भी होना था। उन्होंने रिटायरमेंट पर पीएफ और ग्रेच्युटी की रकम लेने के लिए आवेदन जमा किया था। कोलियरी के कार्मिक विभाग में पीएफ से जुड़े मामले डील करने वाले अरविंद कुमार राय ने उनकी फाइल आगे बढ़ाने के एवज में 15 हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी।

'सता रहा तेजस्वी यादव का भय'

अमित शाह के बिहार दौरे पर मृत्युंजय तिवारी का तंज

पटना, 31 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बिहार दौरे के दौरान राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू यादव और उनके परिवार पर जमकर निशाना साधा था। आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने अमित शाह पर पलटवार किया।

मृत्युंजय तिवारी ने कहा, 'केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिहार के दो दिवसीय दौरे पर आए थे। गोपालगंज में 20 मिनट के अपने भाषण में 18 बार वो लालू प्रसाद यादव का नाम ले रहे थे।

जिस प्रकार से तेजस्वी यादव का भय है, डर है, वह दिख रहा था। वह एनडीए के नेताओं के साथ मुख्यमंत्री आवास में बैठक करने गए और 15 से 20 मिनट में ही निकल लिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का सेहत जवाब दे रहा है। अब एनडीए पूरी तरह से

टेंशन में और कन्फ्यूजन में है। शाह तय समय से पहले निकल लिए। भला 15 से 20 मिनट में 243 सीटों पर मंथन कैसे हो सकता है।' उन्होंने आगे कहा, 'अमित शाह को एहसास और आभास है कि बिहार की जनता को अब बीमार राज्य नहीं, बल्कि रोजगार की भरमार वाला राज्य चाहिए। तेजस्वी जब उप मुख्यमंत्री थे, उन्होंने ऐसा करके दिखाया था। अब भ्रष्टाचार और अपराधियों के बहार

'केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिहार के दो दिवसीय दौरे पर आए थे। गोपालगंज में 20 मिनट के अपने भाषण में 18 बार वो लालू प्रसाद यादव का नाम ले रहे थे। जिस प्रकार से तेजस्वी यादव का भय है, डर है, वह दिख रहा था: मृत्युंजय तिवारी

वाला बिहार नहीं, बल्कि तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बढ़ता और विकसित बिहार बनेगा।

महागठबंधन में मुख्यमंत्री पद का चेहरा तेजस्वी : राजद

राजद ने दोहराया कि इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की ओर से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव मुख्यमंत्री पद का चेहरा होंगे।

जनता विधानसभा चुनाव में तेजस्वी यादव का स्थान तय करेगी : ललन सिंह

पटना। केंद्रीय मंत्री और जदयू के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र के बाद तेजस्वी यादव ही हैं। पटना में सोमवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान जदयू नेता ललन सिंह ने कहा कि वे सत्यवादी हरिश्चंद्र हैं। वे अपनी पीठ खुद थपथपाते रहे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जो भी कहा, वह सच कहा है। वैसे, उन्हें (तेजस्वी यादव) चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। वह अपना काम करें। बिहार की जनता अगले चुनाव में तय कर देगी कि उनका स्थान कहां है।

ड्रग कारोबार के खिलाफ सरकार का अभियान निरंतर जारी: शाह

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली -राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक बड़े नार्को - नेटवर्क का भंडाफोड़ करने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और दिल्ली पुलिस की सराहना करते हुए कहा है कि ड्रग कारोबार के खिलाफ सरकार का अभियान निरंतर जारी है। श्री शाह ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'ड्रग्स के खिलाफ मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत, दिल्ली-एनसीआर में एक बड़े नार्को-नेटवर्क का भंडाफोड़ किया गया। एनसीबी और दिल्ली पुलिस ने गिरोह को दबोचते हुए 27.4 करोड़ रुपये मूल्य के मेथमफेटामाइन, एमडीएमए और कोकीन बरामद किए और पांच लोगों को गिरफ्तार किया। मैं इस बड़ी कामयाबी के लिए एनसीबी और दिल्ली पुलिस की सराहना करता हूँ।' दिल्ली के छतरपुर क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले मेथमफेटामाइन के लेन-

देन की सूचना मिलने पर, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की संयुक्त टीम ने संदिग्धों पर नजर रखी। टीम ने एक संदिग्ध वाहन को रोका, जिसमें 5.103 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाला क्रिस्टल मेथमफेटामाइन बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत 10.2 करोड़ रुपये है। वाहन में सवार पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें चार अफ्रीकी नागरिक शामिल हैं, जो नाइजीरिया के एक प्रभावशाली परिवार से संबंधित हैं। मौके पर की गई गहन पूछताछ और तकनीकी जांच से पता चला कि यह प्रतिबंधित सामग्री पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर स्थित एक अफ्रीकी किचन से लाई गई थी। जब इस किचन की तलाशी ली गई, तो

'आजकल राम-बम यह सवाल उठाता है कि मैं हिंदू हूं या नहीं। मेरा जवाब है कि मैं एक ही समय में हिंदू, मुस्लिम और सिख हूं और आखिरकार मैं एक भारतीय हूं। विपक्षी पार्टियां क्या कर रही हैं? वे सिर्फ लोगों को बांट रही हैं: ममता बनर्जी

बांट रहा हैं। मेरा जीवन देश के लिए समर्पित है।' मुख्यमंत्री ने आगामी 6 अप्रैल को रामनवमी के अवसर पर राज्य में सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की संभावित कोशिशों के बारे में भी चेतावनी दी। पार्टी के महासचिव और लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी भी मंच पर उनके साथ थे। भाजपा का सीधे नाम लिए बिना उन्होंने कहा, कि कुछ निहित स्वार्थी तत्वों की राज्य में सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की खास योजना है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'दंगा जैसी स्थिति पैदा करने के लिए उकसावे में न आएं।

'ड्रग्स के खिलाफ मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत, दिल्ली-एनसीआर में एक बड़े नार्को-नेटवर्क का भंडाफोड़ किया गया: अमित शाह

वहां से 1.156 किलोग्राम क्रिस्टल मेथमफेटामाइन, 4.142 किलोग्राम अफगान हेरोइन और 5.776 किलोग्राम एमडीएमए (एक्स्टसी पिल्स) बरामद हुए, जिनकी कुल अनुमानित कीमत 16.4 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त, ग्रेटर नोएडा में एक किराए के अपार्टमेंट की तलाशी के दौरान 389 ग्राम अफगान हेरोइन और 26 ग्राम कोकीन भी बरामद की गई। जांच में पता चला कि यह गिरोह अफ्रीकी युवाओं को नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल होने में मदद करता था और उन्हें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और पंजाब के प्रमुख निजी विश्वविद्यालयों में दाखिला के लिए स्टूडेंट वीजा प्राप्त करने में मदद करता था।

कुछ ऐसे छात्रों के मामले में,

बैंगलोर-गुवाहाटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस दुर्घटना के बाद ईसीओआर ने सामान्य ट्रेन परिचालन किया बहाल

भुवनेश्वर, 31 मार्च (एजेंसियां)। ईस्ट कोस्ट रेलवे (ईसीओआर) ने सोमवार सुबह तक कटक-नेरगुंडी रेल खंड की दोनों पटरियों पर सामान्य ट्रेन परिचालन को सफलतापूर्वक बहाल

कर दिया। कटक-भद्रक रेलवे खंड में केंद्रपाड़ा रोड और नेरगुंडी स्टेशनों के बीच रविवार सुबह 11:54 बजे 12551 बैंगलोर-गुवाहाटी एसी एसएफ एक्सप्रेस की ग्यारह बोगियां पटरी से उतर गयी जिसके बाद ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। दुर्घटना में एक यात्री की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। ईसीओआर के समर्पित रेलवे कर्मियों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रभावित पटरियों को बहाल करने के लिए पूरी रात कठिन परिश्रम किया। ईसीओआर के महाप्रबंधक परमेश्वर फुंकवाल ने व्यक्तिगत रूप से बहाली के प्रयासों का समन्वय किया, जिससे साइट पर उनकी निरंतर उपस्थिति के साथ त्वरित एवं कुशल कार्रवाई सुनिश्चित हुई।

आज सुबह 07:15 बजे तक, ट्रैक साफ हो गए और ट्रेन की आवाजाही के लिए तैयार हो गए, और ओवरहेड इक्विपमेंट को सुबह 07:40 बजे तक पूरी तरह से बहाल कर दिया गया। डाउन लाइन पर पहली ट्रेन सुबह 09:30 बजे गुजरी, जबकि अप लाइन पर कुछ ही देर बाद सेवा फिर से शुरू हो गई। ईस्ट कोस्ट रेलवे के सूत्रों के अनुसार, प्रभावित स्थल से गुजरने वाली पहली ट्रेन सुबह 09:30 बजे एक मालगाड़ी थी, जिसके बाद पहली यात्री ट्रेन 22823 भुवनेश्वर-नयी दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस थी, जो सुबह 10:25 बजे डाउन लाइन पर घटनास्थल से गुजरी।

ममता बनर्जी ने ईद की मुबारकबाद देते हुए विरोधियों पर साधा निशाना, बोलीं

लोग भाजपा और माकपा के उकसावों में न आएं, सांप्रदायिक दंगे भड़का सकते हैं

कोलकाता, 31 मार्च (एजेंसियां)। सोमवार को ईद के अवसर पर अपने संदेश में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में सांप्रदायिक तनाव फैलाने के लिए राज्य की दो मुख्य विपक्षी पार्टियों भाजपा और माकपा के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे को समान रूप से जिम्मेदार ठहराया। विपरीत राजनीतिक विचारधारा वाली दो विपक्षी ताकतों पर हमला करते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें 'राम-बम (राम और वामपंथी)' बताया। रेड रोड पर ईद की नमाज के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ममता बनर्जी ने लोगों से आग्रह किया कि वे ऐसे उकसावों में न आएं जो सांप्रदायिक दंगे भड़का सकते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार लोगों के साथ खड़ी रहेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी राज्य में तनाव पैदा न कर सके। ममता बनर्जी ने कहा, 'आजकल राम-बम यह सवाल उठाता है कि मैं हिंदू हूं या नहीं। मेरा जवाब है कि मैं एक ही समय में हिंदू, मुस्लिम और सिख हूं और आखिरकार मैं एक भारतीय हूं। विपक्षी पार्टियां क्या कर रही हैं? वे सिर्फ लोगों को

नीतीश सिर्फ मुखौटा, सरकार कुछ अधिकारी चला रहे : प्रशांत

किशनगंज, 31 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में सोमवार को ईद धूमधाम से मनाई जा रही है। विभिन्न स्थानों पर बड़ी संख्या में लोग ईद की नमाज अदा करने पहुंचे। इधर, जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर सोमवार को बिहार के किशनगंज में अंजुमन इस्लामिया ईद मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कदम रसूल स्थित मदरसा अमजदिया ईदगाह में चादरपोशी की और ईद पर समाज में शांति, सद्भाव और एकता तथा लोगों के जीवन में खुशहाली की दुआ मांगी। ईद मिलन कार्यक्रम के बाद प्रशांत किशोर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पिछले कुछ सालों में नीतीश सरकार का इकबाल खत्म हो गया है। नीतीश कुमार शारीरिक रूप से थके हुए और मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं। नीतीश कुमार खुद सरकार चलाने की स्थिति में नहीं हैं, बल्कि भाजपा ने उन्हें 13 करोड़ लोगों के ऊपर बैठा रखा है। प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार सिर्फ मुखौटा हैं, जबकि दिल्ली में बैठी सरकार और उनके अधीन कुछ अधिकारी सरकार चला रहे हैं।

- **ईद मिलन समारोह में शामिल हुए प्रशांत किशोर**

मांग *'अंतरराष्ट्रीय ट्रांसजेंडर दिवस' पर रैली निकाली गई*

किन्नरों ने सरकारी नौकरी में आरक्षण की मांग की

प्रयागराज, 31 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में किन्नर समाज के लोगों ने 'इंटरनेशन ट्रांसजेंडर डे' के अवसर पर सरकारी नौकरी में आरक्षण की मांग को लेकर सोमवार को रैली निकाली। उत्तर प्रदेश किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य और प्रयागराज किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी उर्फ टीना मां के नेतृत्व में रैली निकाली गई।

कंपनी बाग गेट नंबर एक पर बड़ी संख्या में किन्नर समाज के लोग एकत्रित होकर सुभाष चौराहे तक रैली निकाली उसके बाद वहीं प्रदर्शन किया। महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी उर्फ टीना मां ने कहा कि सोमवार को 'अंतरराष्ट्रीय ट्रांसजेंडर दिवस' पर रैली निकालने के पीछे का मुख्य मकसद था कि लोगों में इस समाज के प्रति भी जागरूकता बढ़ सके। उन्होंने कहा कि समाज में जैसे दूसरे लोगों को

सम्मान से जीने का अधिकार है, उनकों भी सरकार पढ़ाई से

'अंतरराष्ट्रीय ट्रांसजेंडर दिवस' पर रैली निकालने के पीछे का मुख्य मकसद था कि लोगों में इस समाज के प्रति भी जागरूकता बढ़ सके। उन्होंने कहा कि समाज में जैसे दूसरे लोगों को सम्मान से जीने का अधिकार है, उनकों भी सरकार पढ़ाई से लेकर नौकरी तक में आरक्षण दें: कौशल्या नंद गिरी, महामंडलेश्वर

लेकर नौकरी तक में आरक्षण दें। जिससे वह भी अन्य लोगों की तरह ही सामान्य जीवन बिता सकें।

उन्होंने कहा कि किन्नरों, लैस्बियन और गे समाज के लोगों को भी आरक्षण मिलना चाहिए जिससे वह समाज की मुख्य धारा में जुड़ सके। वह भी इसी समाज को हिस्सा है। वहीं लैस्बियन समाज से जुड़े लोगों का कहना है कि वह भी इसी समाज का हिस्सा है। फिर उनके प्रति लोगों में गलत भावना कैसे हो सकती है। किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य ने कहा कि अभी तक ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण की बात कही जा रही है लेकिन अभी हम लोगों का कितना फीसदी आरक्षण है यह सुनिश्चित नहीं किया गया है। सरकार उसे सुनश्चित करे। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने दुनिया के सामने खुद को एक मजबूत देश के रूप में स्थापित करने में सफल रहा है। भारत किसी दबाव के सामने नहीं झुकता है। भारत बड़ी मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है और बिना किसी डर के अपनी बात दुनिया के सामने रख रहा है। देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ही हाथों में सुरक्षित है। महामंडलेश्वर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किन्नरो को मुख्यधारा में कर उनके उत्थान और विकास के लिए बहुत काम किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि श्री मोदी किन्नरों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए नौकरी में आरक्षण का लाभ देने पर विचार अवश्य करेंगे।

बिलासपुर, मंगलवार 1 अप्रैल 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

सोनिया के उठाये मुद्दों पर ध्यान दे सरकार!

क्रांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा की सदस्य सोनिया गांधी ने एक लेख में केन्द्र सरकार की उसकी शिक्षा नीति को लेकर जमकर घेराबन्दी की है। उनका आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बिना पर्याप्त विचार-विमर्श के और अपने राजनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने के मकसद से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 जनता पर थोप रही है। अंग्रेजी अखबार द हिंदू में प्रकाशित होने के बाद जमकर चर्चा में आये इस लेख में सोनिया गांधी ने इस बात की आलोचना की है कि भाजपा सरकार ने 'सी 3' (केंद्रीकरण- सेंट्रलाइज़ेशन, व्यावसायीकरण- कमर्शिलाइज़ेशन और सांप्रदायिकता- कम्युनलिज़्म) के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने का साधन नई शिक्षा नीति (एनईपी) को बनाया है। इस लेख में वैसे तो कांग्रेस नेत्री ने अनेक महत्वपूर्ण मुद्दे उठाये हैं परन्तु इसका मुख्य फोकस शिक्षा प्रणाली के वे आयाम हैं जो देश के लिये विनाशकारी साबित होंगे। उन्होंने एनईपी में अनेक खामियां गिनाते हुए कहा कि यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचारों को पूरा करने के लिये बनाई गई है।

शिक्षा किसी भी समाज के विकास की बुनियाद होती है। सोनियाजी के इस लेख में एनईपी से उत्पन्न होने वाले खतरे तथा उनकी चिंताएं साफ झलकती हैं जो इस बात का भी आभास कराती हैं कि इस शिक्षा प्रणाली की राह पर चलकर बनने वाला समाज व देश कैसा होगा। इस लेख में सरकार की शिक्षा के प्रति बरती जाने वाली उदासीनता तथा नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों से चल रही सरकार की सायास फैलाई जा रही बदइंतज़ामी के चलते बड़ी तादाद में बन्द होते स्कूल, सरकार के विचारों का समर्थन न करने वाले शिक्षाविदों तथा शिक्षकों के साथ होता भेदभावपूर्ण व्यवहार आदि की ओर तो ध्यान दिलाया ही गया है, सोनिया गांधी ने विस्तार से स्पष्ट किया है कि ' 3 सी' का एजेंडा मोदी सरकार किस प्रकार से लागू कर रही है और उसके दुष्परिणाम क्या हो रहे हैं। यही एक तरह से उनकी शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा का निष्कर्ष है जो हर उस नागरिक को परेशान करने के लिये काफी होना चाहिये जो मुल्क की बेहतरी की सोचता हो। नई शिक्षा प्रणाली के नाम पर बच्चों को जिस प्रकार से ढाला जायेगा और उनके जो हालात होंगे, उसकी ओर साफ इशारा सोनिया गांधी के लेख में है।

मुख्यत: जिस '3 सी' का उन्होंने अपने लेख में ज़िक्र किया है, उसके पहले 'सी' यानी केन्द्रीकरण के बारे में बात की जाये तो यह तो साफ है कि यह सरकार समाज के हर संसाधन व अवसरों पर एकाधिकार कर रही है। इनमें शिक्षा व्यवस्था भी है। लेख में कहा गया है कि वैसे तो शिक्षा समवर्ती सूची में शामिल है, यानी वह केन्द्र व राज्य दोनों का ही विषय है, लेकिन इस महत्वपूर्ण मसले पर केन्द्र सरकार न तो राज्यों से चर्चा करती है और न ही वह विशेषज्ञों से सलाह-मशविरा लेती है। वह इस मामले में अपनी मर्जी तो थोपती है बल्कि उसका रवैया 'धमकी भरा' भी होता है। उन्होंने इस मामले में तमिलनाडु के साथ केन्द्र द्वारा राज्यों पर हिन्दी को थोपने की कोशिशों की ओर भी ध्यान दिलाया है।

दूसरे 'सी' यानी व्यवसायीकरण की बात करें तो यह पहले ही साफ दिख रहा है कि मोदी सरकार शिक्षा को इतनी महंगी कर देने पर आमादा है कि वह सामान्य लोगों की पहुंच से बाहर हो जाये। इसके कारण देश में वर्गभेद और भी बढ़ेगा। थोड़े से लोग ही इस शिक्षा को पाने का खर्च वहन कर सकेंगे जबकि अधिसंख्य जनता स्कूल-कॉलेजों का खर्च वहन नहीं कर सकेगी। शासकीय व सस्ती शिक्षा की बजाय निजी व महंगी शिक्षा के प्रति सरकार का रुझान साफ दिखाई देता है। सोनिया गांधी द्वारा उल्लेखित तीसरा 'सी' इस फार्मूले का सबसे खतरनाक पक्ष है- शिक्षा का साम्प्रदायिकरण। इस शिक्षा पद्धति में आधुनिकता का अभाव है। उन्होंने ध्यान दिलाया है कि पाठ्यक्रम से महात्मा गांधी और मुगलकालीन इतिहास को हटाया जा रहा है जो कि बहुत गम्भीर है। इतिहास में हुई घटनाएं किसी को पसंद आयें या न आयें, वे हो चुकी हैं; लेकिन भाजपा अपनी सरकार के जरिये उन्हें इसलिये मिटाना चाहती है ताकि उसका हिंदुत्व का एजेंडा पूरा हो। यह बच्चों में आधुनिक, तटस्थ व वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित शिक्षा की जगह पर पिछड़ी सोच तथा पूर्वाग्रहों वाली प्रणाली लागू करने का प्रयास है। इसका मकसद अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफ़रत तथा हिंसा को बढ़ावा देना है जो कि भाजपा का अगले कई वर्षों तक का वोट बैंक बनायेगा। राजनीतिक स्तर पर किया गया ध्रुवीकरण, जिसके बल पर भाजपा ने सत्ता हासिल की है- उसे बनाये रखना भी इसी प्रणाली के जरिये होगा।

दरअसल भाजपा सरकार देश को उसी मध्य युग में ले जाना चाहती है जहां समाज का आधार मनुवादी व्यवस्था हो। इसमें शिक्षा उन थोड़े से लोगों के लिये उपलब्ध होगी जो विशेषाधिकार प्राप्त हों। देश की बहुसंख्य आबादी निरक्षर या अल्प शिक्षित रहे जिसे अपने अधिकारों के प्रति न तो जानकारी हो, न ही वह अपने विकास की बात करे। संघ का पूंजीवाद में विश्वास है। कुछ लोगों के हाथों में सारी आर्थिक ताकत सिमट जाने पर उनके लिये सस्ता मानव श्रम जुटाने की जिम्मेदारी इसी शिक्षा प्रणाली की होगी। इतना ही नहीं, इसी शिक्षा प्रणाली में ऐसे नागरिकों की पौध तैयार हो रही है जो भाजपा के निर्देश पर समाज में हिंसा व घृणा फैलाने का काम अगले कई बरसों तक करती रहेगी। इसलिये इसका विरोध ज़रूरी है। सोनियाजी ने बहुत महत्वपूर्ण विषय पर नागरिकों का ध्यान आकृष्ट किया है। हठधर्मिता छोड़कर सरकार इस ओर ध्यान दे।

पत्रकारिता में पहुंच बनाती 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता'

■ डॉ. संतोष पाटीदार

'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' (एआई) दुनिया भर की दशा और दिशा बदल रही है। इसे लेकर एक अलग दुनिया के दावे किए जा रहे हैं।'एआई' के चौंकाने वाले आविष्कारों की जानकारी और उनके उपयोग के साथ इसके खतरों के कहानी-किस्से भी मीडिया के माध्यम से दुनिया को सुनने मिल रहे हैं। ऐसे में पत्रकारिता इससे कैसे दूर रह सकती है?'एआई' का चमत्कार और पराक्रम देखकर लगता है कि यह प्रौद्योगिकी हौले-हौले पत्रकारिता को भी बदल देगी। क्या वास्तव में पत्रकारिता के साथ ऐसा होगा? इसे लेकर जितने प्रयोग, चिंतन, बहस और चर्चा दुनिया के उत्तरी गोलार्ध के विकसित कहे जाने वाले देशों में है, उतने दक्षिण की आधी दुनिया के विकासशील देशों में शायद नहीं है।

'ग्लोबल साउथ' के पत्रकारों में 'एआई' को लेकर असमंजस है। प्रौद्योगिकी के प्रयोग से जुड़े जोखिम और दायित्व, मीडिया प्रबंधन में नीतिगत उदासीनता, महंगे उपकरण, प्रशिक्षण का अभाव जैसे कारण 'एआई' पत्रकारिता की राह में बाधक है। तकनीकी विकास के इस दौर में यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले वर्षों में 'एआई' की दिशा बदलती है या नहीं और क्या 'ग्लोबल साउथ' या विकासशील देशों के पत्रकार भविष्य में अपने काम के लिए 'एआई' को एक संसाधन के रूप में अपनाएंगे या उससे जुड़े संभावित दायित्व और जोखिम के रूप में देखेंगे।

इस तकनीक को लेकर दुनिया भर में उत्सुकता तो बहुत है, लेकिन इसके प्रभाव के बारे में अधिकांश बहस या बातचीत विकसित देशों तक ही केंद्रित रही है। इस आधी दुनिया के दृष्टिकोण के आधार पर दुनिया भर में मान्यताएं बन रही हैं। इसके प्रयोग में वहां की पत्रकारिता भी प्रमुख रूप से आगे है। दुनिया में 'ग्लोबल साउथ' के देश कमजोर या बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के साथ विकसित हो रहे हैं। ऐसे देशों में 'एआई' को लेकर मीडिया के दृष्टिकोण पर एक अध्ययन किया गया है।'ग्लोबल साउथ' में अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, एशिया आदि महाद्वीपों के देश शामिल हैं।

'थॉमसन रॉयटर्स फाउंडेशन' (टीआरएफ) की एक रिपोर्ट, जो दुनिया के 70 से अधिक देशों के 200 से अधिक पत्रकारों के सर्वेक्षण के निष्कर्षों पर आधारित है, सामने आई है। इस रिपोर्ट के आधार पर अध्ययनकर्ता डमियन रेडक्लिप विस्तार से बताते हैं कि इस अध्ययन का उद्देश्य 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' की जानकारी और आशंका पर प्रकाश डालना है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 'एआई' का उपयोग किस तरह किया जा रहा है, न्यूज़रूम के सामने क्या-क्या अनोखी चुनौतियां हैं और पत्रकारों, न्यूज़रूम के लीडरों, वित्तपोषकों और नीति-निर्माताओं के लिए इसके क्या निहितार्थ हैं?

> **'एआई' अपनाने में बाधाएं : प्रशिक्षण और नीतिगत समस्याओं के कारण 'एआई' की इस नई प्रौद्योगिकी या टेक्नालॉजी तक पहुंच आसान नहीं होती, फिर भी, 'एआई' को लेकर सभी में उत्साह है। सर्वेक्षण में करीब 13फीसदी पत्रकारों ने बताया कि उनके न्यूज़रूम में 'एआई' नीति है, हालांकि इसे अपनाने में अन्य बाधाओं का भी सामना करना पड़ता है। कई पत्रकारों ने 'एआई' उपकरणों तक सीमित पहुंच, उच्च लागत और प्रशिक्षण की कमी के साथ-साथ मार्गदर्शन की कमी जैसी बाधाओं की बात कही।**

इस रिपोर्ट के कुछ निष्कर्ष हैं:'एआई' को अपनाना व्यापक, लेकिन असमान है। सर्वेक्षण में 'एआई' प्रौद्योगिकी के लिए 'सतर्क' आशावाद' पाया गया, एक ऐसी भावना जो शायद इस तथ्य को झुठलाती है कि वैश्विक-दक्षिण में 'एआई' को अपनाना महत्वपूर्ण है। 10 में से आठ से अधिक (81.7फीसदी) पत्रकार अपने काम में 'एआई' उपकरणों का उपयोग करते हैं। 81फीसदी उत्तरदाताओं ने कहा कि वे पहले से ही अपने काम में 'एआई' टूल का उपयोग करते हैं। इनमें से लगभग आधे (49.4फीसदी) लोग प्रतिदिन 'एआई' का उपयोग करते हैं, जो दर्शाता है कि कितनी जल्दी यह उनकी कार्य-संस्कृति का हिस्सा बन गया है।

पत्रकार मुख्य रूप से कंटेंट का प्रारूप तैयार करने और संपादन, ट्रांसक्रिप्शन, तथ्यों की जांच और शोध के लिए 'जनरेटिव एआई' का उपयोग कर रहे हैं। 'चैटजीपीटी,' 'ग्रामरली,' 'ओटर' और 'कैनवा' जैसे उपकरण कई पत्रकारों के लिए आवश्यक हो गए हैं, क्योंकि वे समय बचाने और दक्षता बढ़ाने की क्षमता रखते हैं, साथ ही उनके विचारों का दायरा और रचनात्मकता को बढ़ाते हैं। जैसा कि घाना के एक पत्रकार ने बताया, 'एआई ने मेरी पत्रकारिता को काफी हद तक बेहतर बनाया है। इसने मेरे शोध को सुव्यवस्थित किया है और मुझे जटिल डेटा का त्वरित और सटीक विश्लेषण करने में सक्षम बनाया है, विशेष रूप से 'एचआईवी' शोध और पर्यावरण रिपोर्टिंग जैसे क्षेत्रों में।'

'एआई' अपनाने में बाधाएं : प्रशिक्षण और नीतिगत समस्याओं के कारण 'एआई' की इस नई प्रौद्योगिकी या टेक्नालॉजी तक पहुंच आसान नहीं होती, फिर भी, 'एआई' को लेकर सभी में उत्साह है। सर्वेक्षण में करीब 13फीसदी पत्रकारों ने बताया कि उनके न्यूज़रूम में 'एआई' नीति है, हालांकि इसे अपनाने में अन्य बाधाओं का भी सामना करना पड़ता है। कई पत्रकारों ने 'एआई' उपकरणों तक सीमित पहुंच, उच्च लागत और प्रशिक्षण की कमी के साथ-साथ मार्गदर्शन की कमी जैसी बाधाओं की बात कही। कुछ लोगों के लिए, विशेष रूप से कम संसाधन वाले न्यूज़रूम में, 'एआई' को अपनाना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। अक्सर ऐसा वित्तीय और तकनीकी बाधाओं के कारण होता है।

सर्वेक्षण में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह था कि लगभग 58फीसदी 'एआई' उपयोगकर्ता स्वयं-शिक्षित हैं, यानी खुद के प्रयास से इस विधा को सीख रहे हैं, उनके नियोक्ताओं से उन्हें कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं मिला है। यह निवेशकों के लिए एक अवसर प्रदान करता है। कई पत्रकारों ने 'एआई'-केंद्रित कार्यशालाओं, नैतिक दिशा-निर्देशों और न्यूज़रूम नीतियों की जरूरत की इच्छा जताई, जो उन्हें 'एआई' की क्षमता को जिम्मेदारी से प्रयोग करने में मदद कर सकती हैं। जैसा कि 'संयुक्त-अरब-अमीरात' के एक न्यूज़रूम मैनेजर ने बताया कि दर्शकों के विश्वास को बनाए रखने के लिए नीतियां आवश्यक हैं, विशेष रूप से 'एआई'-जनरेटेड सामग्री के मामले में। न्यूज़रूम में 'एआई' के उपयोग के लिए स्पष्ट नैतिक ढांचे, नियामक दिशा-निर्देश और पारदर्शिता जरुरी है। एशिया के पत्रकार मानते हैं कि 'एआई' पत्रकारिता के लिए बेहतर प्रौद्योगिकी है, लेकिन इसका उपयोग बहुत जिम्मेदारी से करना होगा।

भविष्य की ओर देखते हुए, विकासशील देशों के पत्रकार 'एआई' को एक ऐसे उपकरण के रूप में देखते हैं जो उनके काम को बेहतर बना सकता है - बशर्ते इसका उपयोग जिम्मेदारी से किया जाए। इस विरोधाभास को स्पष्ट करते हुए, भारत के एक पत्रकार ने कहा कि 'एआई' की गति, डेटा-विश्लेषण और दक्षता पत्रकारिता की पहुंच को बढ़ा सकते हैं, लेकिन यह गलत सूचना और पत्रकारिता की अखंडता के लिए जोखिम भरी चुनौतियां भी पेश करता है। विकासशील देशों में पत्रकारिता को लाभ पहुंचाने के लिए पत्रकारों, वित्तपोषकों, मीडिया विकास संगठनों और नीति निर्माताओं को संयुक्त रूप से 'एआई' प्रौद्योगिकी को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

पत्रकारिता की विविध आवश्यकताओं के लिहाज से उपयुक्त 'एआई' उपकरण बनाने के लिए मीडिया संगठनों, डेवलपर्स और निवेशकों के बीच साझेदारी को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। पत्रकारिता में इस प्रौद्योगिकी की पहुंच समान रूप से होना चाहिए। यह सुनिश्चित करना कि 'एआई' के लाभ बड़े, संसाधनों वाले न्यूज़रूम तक सीमित न हों। जैसे-जैसे 'एआई' को अपनाने की प्रक्रिया तेज होती जा रही है, पत्रकारों, न्यूज़रूम और नीति निर्माताओं को यह सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना होगा कि प्रौद्योगिकी पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों को कमजोर करने की बजाय मजबूत बनाए।

(वरिष्ठ पत्रकार व लेखक हैं।)

तकनीक के तनाव : मोबाइल पर जुआ?

डिजिटल इंडिया फाऊंडेशन' की एक हाल की रिपार्ट के अनुसार भारत में 'आनलाईन गैंबलिंग' या जुआ बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे डिजिटल प्लेटफार्म पर तीन महीनों में 160 करोड़ विजिट दर्ज किए गए हैं। सरकार द्वारा इसे रोकने या नियंत्रित करने के तमाम प्रयासों के बावजूद अनेक अवैध कारोबारी अपनी गतिविधियां इस दिशा में बढ़ा रहे हैं। इसका समाज, विशेषकर युवाओं और बच्चों पर बहुत प्रतिकूल असर पड़ा है।

'द लांसेट' पत्रिका में प्रकाशित रिचर्ड आरमिटेंड के अध्ययन के अनुसार, आनलाईन जुए का बच्चों के मानसिक, भावनात्मक तथा सामाजिक स्वास्थ्य और स्कूली उपलब्धि पर बहुत प्रतिकूल असर पड़ता है। नतीजे में उनकी अनेक लतों में फंसने की संभावना बढ़ती है। नई तकनीक के आगमन से अनेक लाभ मिल सकते हैं, यदि समुचित सावधानियां न बरती जाएं तो कई तरह की गंभीर क्षति भी हो सकती है। मोबाइल फोन से बहुत सी सुविधाएं प्राप्त होती हैं, अनेक लाभ हैं, पर इसे कई तरह के जुए के खेल का माध्यम भी बनाया जा रहा है। ताश ही नहीं, लूडो और क्रिकेट जैसे लोकप्रिय खेलों को भी ऐसा रूप दिया जा रहा है जो जुए के विभिन्न रूप ही हैं।

भारत डोंगरा

> **नई तकनीक के आगमन से अनेक लाभ मिल सकते हैं, यदि समुचित सावधानियां न बरती जाएं तो कई तरह की गंभीर क्षति भी हो सकती है। मोबाइल फोन से बहुत सी सुविधाएं प्राप्त होती हैं, अनेक लाभ हैं, पर इसे कई तरह के जुए के खेल का माध्यम भी बनाया जा रहा है। ताश ही नहीं, लूडो और क्रिकेट जैसे लोकप्रिय खेलों को भी ऐसा रूप दिया जा रहा है जो जुए के विभिन्न रूप ही हैं।**

इस नए तरह के जुए के जाल में अनेक किशोर व युवा फंसते चले जा रहे हैं। यहां तक कि दूर-दूर के गांवों में भी ऐसा हो रहा है। इस तरह के जुए में एक बार पैसे हारने के बाद इन किशोरों या युवकों में यह गहरी इच्छा रहती है कि कम-से-कम जो गंवाया है उतना तो वापस कर लिया जाए। इस उम्मीद में वे और पैसे लगाते हैं, पर प्राय: उनका घाटा बढ़ता ही जाता है। इस कारण वे बहुत तनावग्रस्त हो जाते हैं और कभी-कभी तो अपने घर-परिवार से ही कुछ पैसा इधर-उधर कर जुए में डुबोते हैं। कई बार तो बच्चे भी इस जाल में फंस जाते हैं। हालांकि इसके लिए एक खास आयु वर्ग को ही अनुमति दी जाती है, पर कई बार इसका उल्लंघन किसी-न-किसी तिकड़म से किया जाता है।

इस कारण अनेक बच्चों का ध्यान न केवल अपनी पढ़ाई-लिखाई से हट जाता है, अपितु वे अनेक तरह के तनावों का शिकार भी हो जाते हैं और जो उम्र अच्छे जीवन के लिए तैयारी की होती है, उसी में वे बर्बादी की ओर बढ़ने लगते हैं। यदि उन पर शक कर घर-परिवार के बड़े लोग उन्हें रोकते हैं या कुछ कहते हैं तो किशोर बहुत जल्दी तनावग्रस्त हो जाते हैं व उल्टी-सीधी कहने लगते हैं। इस कारण अनेक माता-पिता बहुत परेशान रहते हैं। एक महिला ने तो यहां तक कहा कि अपने बड़े हो रहे बच्चे की इस लत से वह इतनी परेशान हो गई हैं कि उसने दस हजार रुपए का मोबाइल ही गुस्से में तोड़ दिया, पर बच्चे ने फिर भी पूरी तरह इस आदत को छोड़ा नहीं।

हाल ही में जब यह लेखक बुंदेलखंड क्षेत्र की अनेक महिलाओं से नशे को कम करने के उपायों पर बातचीत कर रहा था, तो उन्होंने कहा कि नशा करने का अभियान आप अवश्य चलाएं, पर उसके साथ जुए को कम करने के प्रयासों को भी जोड़ लीजिए। इस बारे में कुछ और पूछताछ करने पर पता चला कि कई बार जुए के खेल में झगड़े, गाली-गलौच, धमकियों की स्थिति भी आ जाती है। किसी गांव में बैठा अबोध किशोर इसके बारे में किसी को चाहे न बताए, पर अंदर-ही-अंदर उसके तनाव बढ़ते जाते हैं और उसे अन्य भीषण स्थिति की ओर भी ले जाते हैं। इस तरह के अनुभवों से गुजर चुके कुछ लोगों ने बताया कि शायद कुछ वयस्क लोग इस तरह की लत में अपना संतुलन बनाए रखते हों, पर जो किशोर व कच्ची उम्र के युवा हैं, उनका संतुलन प्राय: बिगड़ जाता है।

इसके अतिरिक्त ऐसे अनुभवों से गुजर चुके कुछ व्यक्तियों का कहना है कि केवल जुए वाले 'ऑन लाइन' खेलों के कारण ही तनाव की समस्या नहीं है। कुछ ऐसे खेल भी हैं जो जुए से न जुड़े होने के बावजूद तनाव व हिंसा का कारण बनते हैं। इन खेलों में बुरी तरह लीन होने या लत पड़ने के कारण अनेक बच्चों व किशोरों के मस्तिष्क का संतुलन बिगड़ जाता है। इस बारे में कुछ महिलाओं ने बताया कि उन्होंने अपने आसपास ही यह होते हुए देखा है।

इसके अतिरिक्त कुछ लोगों ने यह शिकायत भी की है कि मोबाइल पर अश्लील चित्र या वीडियो बहुत अधिक देखने के कारण भी अनेक समस्याएं बढ़ रही हैं। बच्चे व किशोर अनेक तनावों व ऐसी सोच से त्रस्त हो रहे हैं, जिसे ठीक से समझने के लिए वे कच्ची उम्र में मानसिक व शारीरिक तौर पर तैयार ही नहीं हैं। इस कारण महिला-विरोधी यौन हिंसा दूर-दराज के गांवों में भी बढ़ सकती है। इस तरह की विभिन्न समस्याएं हाथ से बाहर निकल जाएं, इससे पहले इन्हें न्यूनतम करने की सभी संभावनाओं पर भली-भांति विचार करते हुए उचित उपाय निकालने चाहिए व इसके आधार पर एक अभियान द्वारा इन सभी खतरनाक संभावनाओं व क्षतियों को न्यूनतम करना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं। उनकी अनेक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।)

ललित सुरजन की कलम से

बौने टिड्डी बनकर छा गए

'बड़ी संख्या में ऐसे लोग जो बुध्दि विवेक में बौने हैं, आए दिन किसी न किसी रूप में सम्मानित, पुरस्कृत और अलंकृत होते रहते हैं। उन्हें सर-आंखों पर बैठाते समय कोई भी यह सवाल नहीं पूछता कि उनका बौध्दिक स्तर क्या है। बौध्दिक स्तर से आशय यहां सिर्फ कॉलेज या विश्वविद्यालय की डिग्री से नहीं है। ऐसा व्यक्ति विवेक सम्पन्न है या नहीं, उसमें सिध्दांतों पर टिके रहने की जिद है या नहीं, वह बौध्दिक रूप से कितना ईमानदार है- इन बातों की तरफ शायद ही किसी की तवज्जो जाती हो। इस अनदेखी का ही परिणाम है कि देश की जनतांत्रिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण और निर्णयकारी स्थानों पर ऐसे-ऐसे लोग काबिज हो चुके हैं जो कि उसके सर्वथा अयोग्य थे और इस गफलत की भारी कीमत हमें सामूहिक रूप से चुकाना पड़ रही है।'

(देशबंधु में 11 अप्रैल 2013 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2013/04/blog-post_11.html

पावन प्रसंग

चरित्र और आदर्श की कीमत पर विकास निरर्थक

मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है और वैश्विक विकास की अवधारणाो भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है। प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है। ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्तिं आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत, ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम, खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था। परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी न बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है। आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थायी सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थायी एवं पानी के बुलबुले की तरह है और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और न ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्यविहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थायी हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थायी तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता है अन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

संजीव ठाकुर

आपके पत्र

सरकार के कठोर निर्णय ने नक्सलियों को हथियार छोड़ने के लिए किया मजबूर

हर कोई जीना चाहता है मरना कोई नही चाहता। गृहमंत्री ने ऐलान किया था कि 2026 तक नक्सलियों का नामोनिशान मिटाने के लिए सरकार का निर्णय नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर किया है। नक्सलवाद देश और राज्य के लिए नासूर बन गया है। 1968 से नक्सलियों के हौसले बुलंद है। सरकार के विकासलक्षी आयोजन पर नक्सलियों को मुख्यधारा में जुड़ने का मन बनाया है। पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने वाले 13 नक्सली 68 लाख के इनामी थे। भूख,भय और परिवार के साथ अन्याय से हताश होकर आत्मसमर्पण के लिए आगे आए है। इतने नक्सलियों का आत्मसमर्पण करना सरकार की कुशल नीति रही है। अब यह धारणा प्रबल बन गई है कि सरकार की नीति विकासवाद की है। सरकार ने हरेक को 25 25 हजार की राशि और पुनर्वास उपलब्ध कराने का बीड़ा उठाया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की डेडलाइन से नक्सलियों के समूल सफाये का अभियान तेज हुआ है। इसको ध्यान में रखकर नक्सलियों ने निर्दोष पर गोली नही चलाने का प्रण किया है। खूंखार नक्सली झीरम घाटी कांड में 18 लोगों को मार गिराया था। बस्तर में पिछले 16 महीनों में 1116 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह केंद्र सरकार की उपलब्धि है। जिनकी पुनर्वास सम्बंधित सभी लोगों को अपने परिवार के साथ रहने की पूरी छूट दी है। उस दौरान 809 नक्सली पकड़े गए थे। इस मुठभेड़ में निर्दोष भेंट चढ़ते है। उल्लेखनीय है कि 2024 में इनामी नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। सरकार अपने हर स्तर पर विकासमूलक कार्यो को अंजाम दे रही है। लगातार मुठभेड़ों में नक्सली मारे जा रहे है इस वजह से मुख्यधारा में जुड़ने और परिवार के साथ सुकून का जीवन जीने के लिए मन बनाया है। बीजापुर में 50 नक्सलियों ने हिंसा छोड़ मुख्यधारा में जुड़ने के लिए विकास का मार्ग अपनाया है। नकारात्मक को छोड़कर नक्सली हथियारों को हमेशा के लिए छोड़ने का संकल्प लिया है। यह बदलते समय और सरकार का सकारात्मक रवैया का असर है। इसमें कांग्रेस की अहम भूमिका और कांग्रेस की नीतियों के कारण नक्सलियों के हौसले बुलंद होते गए। ग्रामीण सड़को का निर्माण, करोड़ों के विकास कार्य और चौकियों का बनना नक्सलियों के लिए आफत साबित हो रहा था।

इन विकास कार्यो को देखते हुए और हमलों में मारे जाने की वजह से नक्सलियों ने आत्मसमर्पण का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर हुए हैं। मुख्यधारा से जुड़कर हमेशा के लिए नई जिंदगी की शुरुआत वर्तमान सरकार की बड़ी देन है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

देशबन्धु
संस्कारधानी
5 बिलासपुर

मंगलवार,1 अप्रैल 2025

उल्टा पुल्टा

वीरू- सुना है, शादियां आसमान में ही तय हो जाती हैं,
जय- बिल्कुल ठीक, लेकिन यह भी याद रखना कि तूफान और बिजली भी आसमान से ही कड़कती हैं।

डीजे वाहन की ठोकर से घर का छज्जा गिरा एक की मौत,कई घायल अस्पताल दाखिल

वाहन चालक और डीजे संचालक गिरफ्तार,गैर इरादतन हत्या का प्रकरण दर्ज

बिलासपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। हिंदी नववर्ष के उपलक्ष्य में निकाली गई रैली में तेज आवाज में बज रहे डीजे ने एक की जान ले ली और कई लोग घायल हो गए।दरअसल तेज आवाज में बज रहे डीजे का वाहन एक घर के छज्जे से टकरा गया और चाहता भरभरा कर जुलूस में चल रहे लोगों पर गिर गया जिससे वहां भगदड़ मच गई। छज्जा गिरने से एक ग्रामीण की मौत हो गई और कई घायल हो गए । घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है । पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

=बताया जा रहा है, कि बाजे गाजे के साथ निकलो शोभायात्रा जब गली में पहुची तभी एक पुराने मकान का छज्जा भीड़ के ऊपर भरभराकर ढह गया! जिससे वहां भगदड़ की स्थिति निर्मित हो गई! लोग जान बचाने चीखते पुकारते भागने लगे, कोई कह रहा कि छज्जा डीजे के तेज वाइब्रेशन के कारण भरभरा कर गिरा है! तो कोई कह रहा है डीजे से टकराने के कारण छज्जा गिरने से यह हादसा हुआ है! हो हंगामे और तनाव की सूचना पर पुलिस के अधिकारी भी मौके पर पहुचे! डीजे और वाहन को जप्त कर डीजे संचालक को थाने में बिठाया गया है।

इधर पुलिस सूत्रों का कहना है कि थाना मस्तूरी क्षेत्र अंतर्गत मल्हार चौकी में डीजे युक्त वाहन चल रहा था जिसके पीछे कुछ लोग जा रहे थे । उक्त वाहन में लगे बॉक्स के मकान के छज्जे से टकराने के कारण मकान का छज्जा गिर गया जिससे उनके पीछे चल रहे 10 लोग घायल हो गए जिनमें से एक की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई । प्रकरण में डीजे संचालक, वाहन के ड्राइवर एवं आयोजन कर्ता के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करते हुए गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया है।

इधर पुलिस की आधिकारिक जानकारी में बताया गया कि मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

के निर्देश पर गंभीर धाराओं के तहत गैर इरादतन हत्या का प्रकरण दर्ज किया गया है, और वाहन चालक एवं डीजे संचालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

स्वराज माजदा कमांक सीजी 10 एएफ 0119 एवं डीजे, एम्पलीफायर, लैपटॉप, जनरेटर सेट को पुलिस ने जब्त किया है । पुलिस ने राजा बावरे पिता राजेन्द्र बावरे उम्र 19 साल साकिन बिनौरी थाना पचपेडी (वाहन चालक) और धर्मेन्द्र केंवट पिता बद्दू लाल उम्र 25 साल साकिन वार्ड नं. 10 मल्हार (डीजे संचालक) को गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि प्रार्थी भरत लाल कैवर्त थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि आयोजक सुरेश केवट, रामचरण केवट के द्वारा डी0 जे0 का प्रयोग करते हुए आयोजन किया गया। डी0 जे0 को स्वराज माज्दा क0 सीजी 10 एएफ 0109 में बाक्स को डालकर जनरेटर के माध्यम से डी0 जे0 को बहुत तेज आवाज में बजाकर रात में मोहल्ला मोहल्ला में घुमकर नाच गाना कर रहे थे कि रात करीब 08.30 बजे टुकेश कैवर्त के घर के पास पहुंचे थे कि गली संकरा होने के बावजूद स्वराज माजदा के चालक राज बावरे द्वारा यह जानते हुये कि गली सकरी है और स्वराज माजदा में बाक्स बॉडी के ऊपर तक भरा हुआ है व बाक्स गाड़ी से बाहर निकला हुआ है गली में घुसाने पर कोई अप्रिय घटना घटित हो सकती है उसके बाद भी लापरवाही पूर्वक चलाकर गली में घुसा दिया जिससे टुकेश कैवर्त के घर के छज्जा में स्वराज माज्दा टकराया और छज्जा गिर गया ।

जिससे वाहन के पीछे नाच रहे 10 लोग घायल हो गये। ईलाज के दौरान प्रशांत केवट की आज मृत्यु हो गई।प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्रवाई में लिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) उदयन बेहार एवं उप पुलिस अधीक्षक (अजाक) सरकंडा डी.आर टण्डन के मार्गदर्शन में तत्काल वाहन स्वराज मजदा कमांक सीजी 10 एएफ 0119 एवं डीजे ,एम्पलीफायर, लैपटॉप, जनरेटर सेट को जप्त किया गया। आरोपी वाहन चालक राज बावरे पिता राजेन्द्र बावरे उम्र 19 साल साकिन ग्राम बिनौरी तथा डीजे संचालक धर्मेन्द्र केंवट पिता बद्दू लाल उम्र 25 साल साकिन वार्ड नंबर 10 मल्हार को आज 31 मार्च को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा दिया गया है।

संपादकीय

घरों में घुसते अपराधी: रहें सावधान

राजधानी रायपुर के अलावा उसके आसपास अपराध इस कदर बढ़ते जा रहे हैं कि लोगों का जीवन खतरे में हो चला है। पुलिस तो अपनी ओर से जितना सम्भव हो ऐसे अपराधों की रोकथाम करने तथा आपराधिक कृत्यों की जांचकर उन्हें न्याय के घेरे में लाने की कोशिश करती ही रहती है लेकिन नागरिकों को भी चाहिये कि वे सावधान रहें। बाहर हों या घरों में रहें, उन्हें अपराधियों से बचने के अपनी ओर से भी इंतज़ाम कर रखने चाहिये। सुरक्षा के यथासम्भव सभी उपाय कर रखने चाहिये।

घरों के बाहर रहने पर सुरक्षा उपायों की बात है, तो वाहन चालन हो या पैदल चलना हो, सावधानी अपनायें। फुटपाथों का उपयोग करें व तेज गति यातायात से सतर्क रहें। खुद तो सम्हलकर रास्तों को पार करना ज़रूरी है, बुजुर्गों, बीमारों या बच्चों को सुरक्षित तरीके से पैदल चलने या रास्ते, चौक-चौराहे पार करायें। कुछ अनहोनी होने की स्थिति में सभी आवश्यक मोबाइल नंबर उपलब्ध रहें। विशेषकर महिलाओं को बाहर जाते वक्त न्यूनतम या कृत्रिम आभूषणों का इस्तेमाल करना चाहिये। यदि मांगलिक कार्यों में जाना हो व गहने पहनने आवश्यक हों तो उन्हें पूरी सावधानी से लेकर जायें। भारी ज्वेलरी के साथ महिलाओं को अकेले जाना टालना चाहिये।

इन दिनों घरों के भीतर भी सुरक्षा का सवाल पैदा हो गया है। कुछ दिनों पहले रायपुर के बाहरी इलाकों में डंडे-लाठियां लिये बदमाशों का गैंग लोगों के घरों के बाहर घूमता नज़र आया था। ये रहिवासियों के घरों को खटखटाते हुए उनके दरवाजे खुलवा रहे थे। उनका मकसद हथियार दिखाकर लूट-पाट करना था। इनकी हरकतें सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई थीं। रायपुर के नज़दीक खरोरा थाने के अंतर्गत केवराडीह गांव में 7 असामाजिक तत्वों के समूह ने एक घर से 6 लाख रुपये की डकैती की। वे छत की ओर से घुसे। तलवारों व बन्दूकों से लैस डाकुओं ने घर के सभी लोगों के हाथ-पांव बांध दिये तथा नगद व जेवर लेकर भाग गये।

पिछले वर्ष के नवम्बर में जशपुरनगर के कांसाबेल थाना क्षेत्र के अंतर्गत बटईकेला गांव के बैंक सेवा केन्द्र में बैठे संचालक को दो हथियारबन्द नकाबपोश लूटने दिनदहाड़े पहुंचे थे। शोर-शराबा सुनकर उसे बचाने हेतु आई उसकी 6 वर्षीय दादी फायरिंग में मारी गयी। संजू भी घायल हो गया था। संजू के सिर पर पिस्तौल तानकर वे पैसों की मांग कर रहे थे। अभी रायपुर के दलदल सिवनी के एक युवक का पिस्तौल के साथ वीडियो चर्चा में है जो बताता है कि हथियारों की पहुंच आसान हो गयी है।

इसलिये मुकम्मल सुरक्षा व्यवस्था हो। घरों के दरवाजे मजबूत हों तथा शटर या जाली लगवा लेना बेहतर है ताकि बाहरी व्यक्ति को देखने के बाद दरवाजे खुलें। अपने निवास और काम की संवेदनशीलता को देखते हुए; और सम्भव हो तो सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाने चाहिये।

सार-संक्षेप

देशी दिवाज ग्रुप ने किया हिंदू नववर्ष की भव्य शोभा यात्रा का स्वागत और भोग वितरण

बिलासपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। ग्रुप की व्यवस्थापिका सुनैना नायर एवं श्वेता पटेल के साथ ग्रुप की सभी महिलाओ के द्वारा आज गांधी चौक के पास पार्षद रंगा नादम के घर के सामने हिंदू नववर्ष की भव्य शोभा यात्रा का स्वागत एवं खिचड़ी का भोग वितरण किया गया। ग्रुप की महिलाओं व्दारा भगवा साड़ी में आरती और तिलक कर सभी देवी देवताओं का स्वागत किया गया। संध्या चतुर्वेदी, किरण तिवारी, शैलजा वर्मा, सपना भोसले, रेखा वर्मा, निमिषा बाटव, पिंकी कश्यप, शालू मिश्रा, शिखा जांगडे, अल्का शिवहरे, सुमिता दासगुप्ता, सीमा सिंह, अल्का सिंह, मोलिना देबनाथ, प्रिया गौतम, ज्योति द्विवेदी, मधुलिका यादव, सुनिता पाण्डेय, माया पाण्डेय, हर्षना साहू, ज्योति तिवारी नाथानी, निधि सोबती, सीमा महाडिक, शालिनी नादम, संध्या अग्रवाल इन सबका विशेष सहयोग रहा। देसी दिवाज़ ग्रुप की महिलाएँ हर त्यौहार को बढ़-चढ़कर हर्षोल्लास के साथ मनाती है।

हिंदू नववर्ष की भव्य शोभा यात्रा का जूना बिलासपुर व्यापारी संघ ने किया स्वागत

बिलासपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। हिंदू नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के शुभ अवसर पर हिंदू नववर्ष समिति के द्वारा निकाली गई शोभायात्रा का जूना बिलासपुर व्यापारी संघ ने भव्य स्वागत किया, जूना बिलासपुर व्यापारी संघ के अध्यक्ष रमेश गुप्ता ने सभी लोगों को नववर्ष की बधाई दी, नव वर्ष के शुभ अवसर पर भगवा ध्वज लहराते हुए भगवान श्री राम की अगवाई में ढोल ताशे धमाल बैंड बाजा की धुन पर सभी लोग नाचते गाते रहे चलित झांकियों के साथ शोभा यात्रा में शामिल हुए, शोभायात्रा में नशा मुक्त भारत का संकल्प लिया गया, इस शोभायात्रा में शामिल भक्त लोगों को भोग, जूस, चॉकलेट का वितरण किया गया, साथ ही आतिशबाजी से स्वागत किया गया, श्री राम जय श्री राम जय श्री राम गीत भक्त गाते शोभायात्रा का स्वागत जूना बिलासपुर व्यापारी संघ के अध्यक्ष रमेश गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष अखिलेश गुप्ता, संचार मंत्री चंद झक्कयानी चंदूलाल जगज्ञानी, पूर्व सचिव गुरबख्श जैसवानी, टिंकल गुप्ता, अभिषेक अग्रवाल, सचिन गुप्ता, शैलेन्द्र जयसवाल, किशोरी शरण गुप्ता, गोपाला गुप्ता, शाश्वत गुप्ता, रजनीश मुल्कलवार, गोपाल अग्रवाल, कमल गुप्ता, कृष्णा देवांगन आदि ने किया।

मोबाइल लूट का फरार आरोपी गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से लूटा गया मोबाइल जब्त

बिलासपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। कोरबा निवासी एक व्यक्ति से मोबाइल लूटकर फरार एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से लूटा गया मोबाइल जब्त किया गया।

विगत 19 जनवरी को प्रार्थी दिलीप महंत पिता लक्ष्मीदास महंत उम्र 37 साल पता शांतिनगर पाली कोरबा ने रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 19.जनवरी.2025 को शाम को प्रार्थी अपने मोटरसाइकिल से बुआ को लेने गुरुनानक चौक जा रहा था कि रास्ते में देवरीडीह गौरा चौरा के सामने पहुंचा था जहां पर दो अज्ञात व्यक्ति उम्र करीबन 20 से 25 वर्ष रास्ते में खड़े थे जिन्हें प्रार्थी हटने के लिए बोला तो आरोपीगण उसे बड़ा हीरो बनता है कहते हुए हाथ झापड़ से मारपीट कर प्रार्थी के पास से वीवो ह्व 2 एक्स 5 जी मोबाइल लूटकर ले गए कि रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण में लूटे गए मोबाइल और अज्ञात आरोपियों की लगातार पतासाजी की जा रही थी जो घटनास्थल के पास स्थित सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान संतोष चौहान उर्फ सेंडी तथा बादल भी के रूप में हुई जिसकी जानकारी तत्काल जिले के पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह को दी गई जिनके द्वारा तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी तथा लूटे गए मोबाइल को बरामद करने के निर्देश दिए गए जिसके परिपालन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर राजेंद्र जायसवाल और नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली अक्षय प्रमोद सबद्रा का के मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी तोरवा के नेतृत्व में टीम गठन कर आरोपी की लगातार पतासाजी की जा रही थी जो मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी संतोष चौहान उर्फ सेंडी को पकड़कर पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा बादल भोई के साथ मिलकर जुर्म करना स्वीकार किया । आरोपी के कब्जे से घटना में लूटा गया मोबाइल बरामद किया गया आएहै। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है।

आरोपी-संतोष चौहान उर्फ सेंडी पिता टीकाराम चौहान उम्र 22 साल पता गौरा चौरा के पास देवरीडीह थाना तोरवा जिला बिलासपुर।

तोरवा पुल के पास अपार्टमेंट में लगी आग, 10 बाइक जलकर राख

बिलासपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। तोरवा पुल के पास स्थित वैशाली रीजेंसी अपार्टमेंट में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात भीषण आग लग गई। यह हादसा पार्किंग क्षेत्र में हुआ, जहां खड़ी 10 मोटरसाइकिलें जलकर पूरी तरह खाक हो गईं। इसके अलावा, एक कार का एक हिस्सा भी आग की चपेट में आकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने की यह घटना लगभग रात 2.30 बजे हुई। जैसे ही पार्किंग से आग की तेज लपटें उठने लगीं, अपार्टमेंट के रहवासियों की नींद खुल गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कॉलोनीवासियों ने तुरंत प्रयास कर पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। उनकी सतर्कता के चलते कार पूरी तरह से जलने से बच गई, हालांकि उसका एक हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। कॉलोनी के निवासियों ने बताया कि उन्होंने पार्किंग परिसर में लगे होल्डर से चिंगारी निकलते हुए देखा था। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत तोरवा थाने को सूचित किया, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

अगले वर्ष फिर आने के वायदे के साथ गणगौर की हुई विदाई

बिलासपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। राजस्थान के सबसे महत्वपूर्ण त्यौहार गणगौर का आज तीज के अवसर पर विदाई की गई। राजस्थानी परिवारों की नवविवाहित बेटियों व बहुओं द्वारा अपने पति की लंबी आयु हेतु तथा कुँवारी कन्याओं द्वारा अच्छे पति कामना से होलिका के बिटकोले की राख व गोबर से तैयार पिंडी स्वरूप तथा शीतला सप्तमी के दिन कुम्हार के घर से मिट्टी लाकर बनाई गई पांच मूर्तियां की 17 दिनों की विधिवत पूजा के बाद आज शाम चैत्र शुक्ल तृतीया गणगौर तीज के दिन अंतिम पूजन कर शाम को श्री श्याम मंदिर प्रांगण में विधिविधान से विदाई की गई। सन्मति विहार स्थित श्रीमती सरिता राजेश अग्रवाल की सुपुत्री श्रीमती खुशबू मनीष गोयल एवं शुभमविहार स्थित जे पी हाईट्स निवासी श्रीमती निशा ललित अग्रवाल की पुत्रवधू श्रीमती हनी मयंक अग्रवाल द्वारा श्रीमती निशा अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल, सरिता अग्रवाल, सविता अग्रवाल, करिश्मा

अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, स्वीटी अग्रवाल, अन्नू केडिया, सुलेखा केडिया सहित बड़ी सँख्या में उपस्थित राजस्थानी मारवाड़ी महिलाओं व युवतियों ने गणगौर का पूजन विधि-विधान से विदाई की।

नशे के खिलाफ कार्यक्रम आयोजित कर गांव–गांव में फैलाई जा रही जागरूकता

बिलासपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार शराब के सेवन से पूरे विश्व में प्रतिवर्ष 20 लाख व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। नशापान से मुख्य रूप से कैंसर, अस्थमा, हृदयघात, उच्च रक्तचाप, अल्सर, मधमेह, नेत्रों की खराबी, नपुंसकता, पागलपन, उदररोग, क्षयरोग आदि व्याधियां होती है। इसके साथ ही पारिवारिक कलह, आर्थिक समस्या, सामाजिक प्रतिष्ठा में गिरावट की स्थिति नशा पीड़ित व्यक्तियों में परिलक्षित होती है। मादक द्रव्यों एवं पदार्थों का दुरुपयोग करने की प्रवृत्ति पर प्रभावी नियंत्रण की अपरिहार्यता के दृष्टिगत् रखते हुये गांव से शहर तक नशामुक्ति अभियान के तहत् जनजागरुकता कार्यक्रम का आयोजन जिले के समाज सेवी संस्थाओं तथा विभागीय कलाकारों के माध्यम से विभिन्न विकासखंडों एवं शासकीय,अशासकीय संस्थाओं में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

नशामुक्ति अभियान के तहत् विकासखंड कोटा में रथ के माध्यम से, शिवतराई कोटा में राष्ट्रीय सेवा योजना जी.जी. यू द्वारा, नशा मुक्ति केन्द्र लोखंडी, जस्टिस तन्खा मेमोरियल बिलासपुर, ब्रम्हकुमारी प्रजापति, गायत्री परिवार एवं आश्रयदत्त कर्मशाला, बिलासपुर आदि में नुक्कड़ नाट्य, शपथ, जनजागरुकता रैली, संगोष्ठी आदि के माध्यम से कार्यक्रम आयोजित कर लोगों के बीच जागरुकता फैलाय गयी। उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्रीमती सरस्वती रामेश्री, परिवीक्षा अधिकारी, श्रीमती सरस्वती जायसवाल, श्री प्रशांत मोकाशे, सहायक सांख्यिकी अधिकारी, बीना दीक्षीत, सौरभ दीवान, अजय धुर्वे, वमशी कृष्णा, विजय के शकर, एल.डी भांगे, दादूलाल बरेठ, राजेश सिसोदिया, कौशल कश्यप, राधेश्याम यादव, पुनाराम ध्रुव, अजय सिंह, एवं समाज सेवी संस्था सत्यभामा अवस्थि, शोभना शुक्ला,एस.पी.चतुर्वेदी, जगदीश सिंह राजा आदि उपस्थित थे।

सार-संक्षेप

धूमधाम से मनी ईद, गले मिलकर दी बधाईयां

कोरबा, 31 मार्च (देशबन्धु)। रमजान के मुकद्दस महीना में 30 दिन रोजा रखने के बाद आज मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद उल फितर की नमाज अदा की। कोरबा के कब्रिस्तान में स्थित ईदगाह में सैंकड़ों की तादाद में मुसलमानों ने जामा मस्जिद के पेश इमाम के पीछे नमाज अदा की नमाज के बाद देश में अमन चैन कायम रहे इसके लिए दुआएं मांगी गई। कोरबा सुन्नी मुस्लिम जमात के सदर मोहम्मद आरिफ खान, कार्यवाहक सदर मोहम्मद रफीक मेहमान ने तमाम जिले वासियों को ईद की मुबारकबाद देते हुए कहा कि ईद एक ऐसा नायाब टॉप तोहफा है जिस प्रकार मुसलमान अपने को खुश नसीब मानता है। इस महीने का इंतजार हर मुसलमान पूरे 11 महीने करता है। रमजान शुरू होते ही बाजारों में रौनक बढ़ जाती है वही हर मुसलमान रमजान के 30 रोजे रखकर तरावीह की नमाज पढ़ कर दिन गुजरता है और अल्लाह का शुक्रिया अदा करता है।

मॉडिफाइड साइलेंसर पर पुलिस की गाज, 25 बाइक जब्त

कोरबा, 31 मार्च (देशबन्धु)। हिंदू नववर्ष पर पुलिस ने मॉडिफाइड बाइक साइलेंसर्स के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की है। मॉडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न वाले 25 वाहनों को जब्त किया गया है। पकड़े गए वाहन मालिकों पर जुर्म दर्ज किया गया है। वाहनों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही की है, और न्यायालय में पेश किया हैं।

जानकारी के अनुसार 30 मार्च को हिंदू नववर्ष पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान कुछ बाइकर्स का आतंक सड़कों पर दिखा, ये चालक गाड़ी में लगे हुए साइलेंसर को हटाकर अलग से मोडिफाई साइलेंसर लगाकर तीव्र आवाज निकाल रहे थे और लोगों को परेशान कर रहे थे। लोगों की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने भी बिना देर किए ऑपरेशन साइलेंस चलाया और अलग-अलग चौकी-थानों से 25 वाहनों को रोका गया जिसमें लापरवाही एवं नियमों के उल्लंघन करने वालों पर कानूनी दंड संहिता के तहत कार्यवाही की गई। सीएसपी भूषण एक्का ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि शहर में सड़क पर स्टंटबाजी, ध्वनि प्रदूषण, लापरवाही एवं नियमों के उल्लंघन करने वाले इस तरह कि हरकत दोबारा न दोहराए। दोबारा पकड़े जाने पर मामला न्यायालय में पेश किया जाएगा वहीं पकड़े गए बाइक को सीधा नीलामी के लिए भेज दिया जाएगा। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि मोटर साइकिल चलाते समय हेलमेट पहनकर वाहन चलाएं। ध्वनि प्रदूषण वाली मोटर साइकिलों का इस्तेमाल ना करें। यदि कहीं मॉडिफाइड साइलेंसर बिक रहा है तो इसकी सूचना पुलिस को दें।

बांकीमोंगरा के विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

कोरबा, 31 मार्च (देशबन्धु)। जिले के बांकीमोंगरा नगर पालिका परिषद अन्तर्गत विभिन्न वार्डों में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सोनी विकास झा ने विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। वार्ड क्रमांक 12 गजरा में स्थित शिव मंदिर निर्माण, वार्ड 9 अम्बेडकर में नगर आरसीसी नाली निर्माण कार्य, वार्ड 10 चौपाटी से विनायक पब्लिक स्कूल तक का सीसी रोड़ एवं आरसीसी नाली निर्माण कार्य, वार्ड 12 में सीसी रोड़ निर्माण, वार्ड 13 कटाईनार के शिव मंदिर चीफ हाउस से खेत वाले रास्ते होते हुए मेन रोड़ पहुंच मार्ग तक सीसी रोड़ निर्माण व वार्ड 14 गुड़ीपारा सामुदायिक भवन से सेवक दास घर तक आरसीसी नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस दौरान उपाध्यक्ष श्रीमती गायत्री कंवर, प्रदेश कोषाध्यक्ष भाजयुमो छत्तीसगढ़ विकास झा, मंडल अध्यक्ष उदय शर्मा, अश्वनी साहू, हनुमान पाण्डेय, मंडल प्रभारी सतीश झा, महिला मोर्चा महामंत्री अनिता राजपूत, मुकेश झा, मोहित सिंह, प्रमोद सोना, प्रकाश झा, आदित्य चौधरी, गोवर्धन कंवर, बाबूराव सहित नगर पालिका परिषद बांकीमोंगरा के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं आसपास के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

एनएच पर गिट्टी का अवैध भंडारण, दुर्घटना की आशंका

कोरबा-पोड़ी-उपरोड़ा, 31 मार्च (देशबन्धु)। नेशनल हाइवे-130 पर गिट्टी का अवैध भंडारण हादसों को न्योता दे रहा है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार पोड़ी उपरोड़ा मे जनपद कार्यालय के बगल मे हाईवे के किनारे किसी ने गिट्टी का जमावड़ा कर दिया है, जिससे सड़क पर फिसलन बढ़ गई है और आए दिन बाइक सवार दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। बीते कुछ दिनों में कई वाहन चालक इस अव्यवस्था की चपेट में आ चुके हैं, जिससे गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने इस गिट्टी को हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते गिट्टी नहीं हटाई गई, तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

चैत्र नवरात्रि पर देवी मंदिरों में उमड़े भक्त

मां सर्वमंगला मंदिर में सात समंदर पार के भक्त जलवा रहे ज्योति कलश

कोरबा, 31 मार्च (देशबन्धु)। कोरबा की संजीवनी मां हसदेव नदी के पावन तट पर स्थित जगत जननी आस्था स्थल मां सर्वमंगला देवी परिसर में 30 मार्च को पुण्य नक्षत्र में दिव्य मंत्रोंच्चार के साथ ज्योति कलश जल उठे। सर्वमंगला मंदिर के अलावा अन्य देवी मंदिरों में भी ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं।

दिव्य मंत्रोच्चार के साथ मंदिर के पुजारी एवं प्रबंधक नमन पांडेय सपत्नीक पूजा में विराजे और विद्वान पंडितों एवं आचार्यों के सानिध्य में ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किये। ज्योति कलश प्रज्ज्वलित होने के बाद पांडेय दंपत्ति ने मां सर्वमंगला देवी की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद मांगा कि 8 दिन तक निर्विघ्न सभी आध्यात्मिक कार्य सफल हो और यहां आने वाले श्रद्धालुओं की हर शुभ मनोकामनाएं पूर्ण हों। पूरे जिले में भक्ति का माहौल छाया हुआ है। इस पावन अवसर पर कोरबा वासियों की प्रथम आराध्य देवी, मां सर्वमंगला के मंदिर में भक्तों का तांता लगा हुआ है. हसदेव नदी के किनारे स्थित यह मंदिर न केवल कोरबा बल्कि पूरे देश और विदेश में अपनी महिमा के लिए जाना जाता है। मां सर्वमंगला के दरबार में भक्तों की अटूट आस्था का ही परिणाम है कि यहां मांगी गई हर मुराद पूरी होती है। यही कारण है कि राज्य और देश के कोने-कोने से ही नहीं, बल्कि सात समंदर पार से भी श्रद्धालु यहां माता के मंदिर में मनोकामना ज्योति कलश जलवाने आते हैं। लगभग 124 साल पुराने इस मंदिर को लेकर कोरबा वासियों की आस्था इतनी गहरी है कि नवरात्र के समय यहां लाखों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं. प्रत्येक वर्ष दोनों ही नवरात्रों में यहां मनोकामना ज्योति कलश जलाए जाते हैं. इस चैत्र नवरात्रि में मंदिर के पुजारी मयंक पांडे ने बताया कि 7 हजार 878 तेल के और 785 घी के मनोकामना द्वीप प्रज्वलित किए गए हैं. मां सर्वमंगला के प्रति आस्था की डोर इतनी मजबूत है कि यह सीमाओं को भी पार कर जाती है. चैत्र नवरात्रि में ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, न्यूजीलैंड और इंडोनेशिया जैसे देशों में रहने वाले माता के भक्तों ने भी यहां ज्योत जलवाई है. यह देखकर लगता है कि मां सर्वमंगला की कृपा और आशीर्वाद हर जगह अपने भक्तों पर बना हुआ है. यह सचमुच अद्भुत है कि आज के आधुनिक युग में भी लोगों की आस्था और विश्वास इतना अटूट है. मां सर्वमंगला का मंदिर न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह एक ऐसा केंद्र भी है जो लोगों को जोड़ता है और उन्हें उम्मीद और शक्ति प्रदान करता है।

कोरबा में 1320 मेगावॉट थर्मल पॉवर प्लांट की रखी गई आधारशिला

15800 करोड़ की लागत से 660-660 मेगावाट की दो इकाइयां की जाएगी स्थापित

कोरबा, 31 मार्च (देशबन्धु)। ऊर्जाधानी कोरबा के साथ प्रदेश के लिए आज का दिन बहुत उपलब्धि भरा रहा। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के हसदेव ताप विद्युत संयंत्र कोरबा पश्चिम में 1320 मेगावॉट सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट के चौथे चरण की स्थापना के कार्य का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों हुआ। प्रधानमंत्री ने मोहभट्ठा बिलासपुर से वर्चुअल जुड़कर रिमोट दबाकर कार्य का श्रीगणेश किया।

राज्यपाल महामहिम रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में प्रधानमंत्री ने प्रदेश की जनता को विभिन्न नवनिर्माण कार्यों के शुभारंभ, लोकार्पण एवं भूमिपूजन की बधाई दी। इस उपलब्धि के साथ ही भविष्य में प्रदेश में जनरेशन कंपनी के ताप विद्युत संयंत्र से उत्पादित होने वाली बिजली की क्षमता 4160 मेगावॉट हो जाएगी। अभी ताप संयंत्रों से उत्पादित बिजली की क्षमता 2840 मेगावाट है। जनरेशन कंपनी की अभी ताप एवं जल से कुल विद्युत उत्पादन क्षमता 2978 मेगावाट है। 15800 करोड़ की इस परियोजना के कार्य शुभारंभ समारोह में कार्यपालक निदेशक (परियोजना) सीएल नेताम, मुख्य अभियंता पीके श्रीवास्तव एवं भेल के डीजीएम राजेश राव ने विधि विधान से पूजा-अर्चना कर देवों को आहूति प्रदान की। प्रबंध निदेशक एसके कटियार की अगुवाई में परियोजना का निर्माण विद्युत संयंत्र की उपलब्ध भूमि पर ही किया जा रहा है। सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट की 660 मेगावॉट की दो इकाइयों का निर्माण भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (भेल) के सहयोग से किया जाएगा। इस अवसर पर भेल के 20 अभियंताओं की टीम उपस्थित रही। कार्यक्रम में डीएसपीएम कोरबा पूर्व के मुख्य अभियंता संजीव कंसल, एबीवीटीपीएस मड़वा के मुख्य अभियंता एचएन कोसरिया एवं पीजीटीआई कोरबा पूर्व के कार्यपालक निदेशक एसके बंजारा एवं रायपुर मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारीगण समेत स्थानीय अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कोरबा से डोंगरगढ़ के लिए सीधी ट्रेन की मांग

कोरबा, 31 मार्च (देशबन्धु)। नवरात्र पर्व के दौरान देवी दर्शन के लिए डोंगरगढ़ जाने वाले श्रद्धालुओं को एक बार फिर सीधी ट्रेन सेवा न मिलने से निराशा हाथ लगी है। हर साल की तरह इस बार भी रेल संघर्ष समिति ने कोरबा से डोंगरगढ़ तक सीधी ट्रेन सेवा की मांग उठाई, लेकिन रेलवे प्रशासन ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। मां सर्वमंगला की नगरी कोरबा और मां बम्लेश्वरी की नगरी डोंगरगढ़ को सीधे जोड़ने वाली ट्रेन सेवा की मांग वर्षों से की जा रही है। धार्मिक आस्था के केंद्र इन दोनों नगरों के बीच श्रद्धालुओं को यात्रा में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

वर्तमान में कोरबा से चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों का समय ऐसा है कि एक ट्रेन आधी रात को डोंगरगढ़ पहुंचती है और दूसरी शाम को। इसके चलते यात्रियों को कई घंटों तक इंतजार करना पड़ता है या फिर दो-तीन दिन का समय व्यर्थ हो जाता है। रायपुर से डोंगरगढ़ के बीच कई ट्रेनें उपलब्ध हैं, लेकिन कोरबा से रायपुर जाने वाली ट्रेनों का समय तालमेल नहीं खाता है। कोरबा से चलने वाली हसदेव एक्सप्रेस और सुबह 8:15 बजे रवाना होने वाली पैसेंजर ट्रेन का रायपुर में डोंगरगढ़ जाने वाली ट्रेनों से कोई कनेक्शन नहीं होता। पहले गेवरारोड-रायपुर पैसेंजर सुबह 6.50 बजे रवाना होकर रायपुर 11:15 बजे पहुंचती थी। यही ट्रेन रायपुर से डोंगरगढ़ के लिए रवाना होती थी, जिससे कोरबा के श्रद्धालुओं को डोंगरगढ़ पहुंचने में सहूलियत मिलती थी। लेकिन रेलवे ने मरम्मत कार्य का हवाला देकर करीब दो साल पहले इस सेवा को बंद कर दिया, जिससे श्रद्धालु बेहद परेशान हैं। उनमे रोष भी व्याप्त हैं। रेल संघर्ष समिति के संरक्षक रामकिशन अग्रवाल, मनोज अग्रवाल और अंकित सावलानी ने बताया कि कोरबा से डोंगरगढ़ के बीच सीधी ट्रेन सेवा की मांग वर्षों से की जा रही है। रेलवे अधिकारी कई बार आश्वासन देते हैं, लेकिन फाइलों में मांग पत्र दबा दिए जाते हैं। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि रेल प्रशासन कोरबा के लोगों को बेहतर ट्रेन सुविधा प्रदान करने में रुचि नहीं रखता है। इससे जिले में नाराजगी और रोष व्याप्त हैं।

हरिनाथ सिंह बने एटक के अध्यक्ष

कोरबा, 31 मार्च (देशबन्धु)। एल्युमिनियम एम्पलाइज यूनियन जो ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) से सबध्द का वार्षिक साधारण सम्मेलन रविवार को मुस्ताक भवन एटक कार्यालय बालको नगर में संपन्न हुआ।

इस दौरान राज्य एटक के महासचिव हरिनाथ सिंह, सचिव एमएल रजक, कोषाध्यक्ष एसके सिंह, एल्युमिनियम एम्पलाइज यूनियन के उपाध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी अध्यक्ष मंडली में शामिल हुए। एटक महासचिव द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। प्रतिवेदन में यूनियन की स्थापना, इतिहास, केंद्र में शासित एनडीए की सरकार की मजदूर एवं किसान विरोधी नीतियों, बालको कारखाना की स्थापना एवं कारखाने में काम करने वाले मजदूरों की स्थिति, यूनियन के द्वारा पर 2024 में किए गए कार्य का विवरण प्रस्तुत किया गया। प्रतिवेदन में 12 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन में जाने की बात कही गई। प्रमुख मांगों में बालको कारखाने में नियमित प्रकृति के कार्यों पर लगे कर्मचारियों को नियमित करने, ठेका कर्मचारियों का प्रमोशन नहीं हुआ है उन सभी का जनरल प्रमोशन करने, एलटीएस में शामिल ठेका कर्मचारियों को हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी दिया गया है उसमें माता-पिता का नाम जोड़ने सहित अन्य मांगें शामिल हैं। अंत में कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष हरिनाथ सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष एसके सिंह, उपाध्यक्ष एमएल रजक, पीके वर्मा, धर्मेंद्र तिवारी, श्रीमती संतोषी बरेठ, महासचिव सुनील सिंह, सहायक महासचिव धर्मेंद्र सिंह, नरसिम्हा राव, सचिव मनीष नाग, अभिषेक मिश्रा, रामायण यादव, अविनाश सिंह, संगठन मंत्री अनुप सिंह, कोषाध्यक्ष ताराचंद कश्यप, आलेख मलिक, अजय यादव, डी श्रीनिवास ,धर्मेंद्र शाह, लल्लू राव, श्रीमती विजयलक्ष्मी चौहान, मुकेश कुमार सहित 101 की कार्यकारिणी सदस्य भी चुने गए।

तेंदूपत्ता संग्राहकों को पुनः मिलेंगी चरण पादुकाएं

कोरबा, 31 मार्च (देशबन्धु)। तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के सदस्यों को जनकल्याणकारी चरण पादुकाओं का वितरण कार्य जल्द ही किया जाएगा। यह योजना तेंदूपत्ता संग्रहकों एवं दूरांचल वनवासियों के लिए अत्यंत लाभकारी है तथा योजना के तहत तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार के पुरुष अथवा महिला में किसी एक को एक जोड़ी चरण पादुका का वितरण किया जाना है। भाजपा प्रदेश सरकार द्वारा संचालित इस योजना का मुख्य उद्देश्य वनांचल के तेंदूपत्ता संग्रहकों को जमीनी स्तर पर सुरक्षित तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य के लिए बढ़ावा देना है, ताकि उनको वनोपज के संग्रहण के लिए सुविधा के साथ शारीरिक सुरक्षा भी हो सके। उल्लेखनीय हैं कि यह योजना पूर्व में 15 साल तक चल चुकी है, जिसे वर्तमान सरकार में दोबारा शुरू किया जा रहा है। लघु वनोपज कार्यालय के श्री राव ने बताया कि तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार के सदस्यों को 63,636 जोड़ी चरण पादुका का वितरण तेंदूपत्ता तोड़ाई के पूर्व किया जाना है। जिसे कटघोरा वनमंडल के सभी परिक्षेत्र कार्यालयों में निर्धारित संख्या में भेजने तैयारी की जा चुकी है। उन्होंने आगे बताया कि तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित मे अनेक योजनाएं भी संचालित हो रही है। जिससे इन परिवारों को उनका लाभ मिलता है। जैसे प्रतिभाशाली बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना, शिक्षा प्रोत्साहन योजना, व्यवसायिक कोर्स के लिए छात्रवृत्ति योजना, गैर व्यवसायिक कोर्स के लिए छात्रवृत्ति योजना, जनश्री बीमा योजना, सामाजिक सुरक्षा समूह बीमा योजना आदि योजना संचालित है।

बांकीमोंगरा में पीआईसी सदस्यों की हुई घोषणा

कोरबा, 31 मार्च (देशबन्धु)। नगर पालिका परिषद बांकीमोंगरा ने नगर विकास की गति को तेज करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सोनी कुमारी झा ने प्रेसिडेंट इन काउंसिल (पीआईसी) के सदस्यों की घोषणा कर विभिन्न समितियों के दायित्व सौंपे। यह निर्णय नगर विकास को व्यवस्थित और सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से लिया गया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष ने सीएमओ ज्योत्सना टोप्पो से विचार-विमर्श कर आवश्यक रणनीतियां तय की। नगर विकास से जुड़े विभिन्न विभागों के कार्यभार संबंधित पार्षदों को सौंपे गए, जिससे शहर में सुचारू प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। पीआईसी में स्वास्थ्य एवं अस्पताल समिति में प्रमोद सोना, आवास, पर्यावरण एवं लोक निर्माण समिति में श्रवण यादव, विधि, सामान्य प्रशासन एवं समन्वय परियोजना समिति में उपाध्यक्ष श्रीमती गायत्री कंवर, जल कार्य समिति में रम्भा देवी कंवर, राजस्व एवं बाजार समिति में दिलीप दास, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण समिति में अमिला पटेल, खाद्य, नागरिक आपूर्ति, पुनर्वास एवं नियोजन समिति में प्रमिला सायतोड़े शामिल हैं। नगर पालिका अध्यक्ष ने सीएमओ को निर्देश दिया कि वे सभी समितियों के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें, ताकि नगर विकास से संबंधित योजनाएँ प्रभावी ढंग से लागू की जा सकें।

नेशनल प्रिंसिपल अवार्ड से नवाजे जाएंगे डॉ. संजय गुप्ता

कोरबा-दीपका, 31 मार्च (देशबन्धु)। इंडस पब्लिक स्कूल दीपका के प्राचार्य डॉ. संजय गुप्ता को ईयू मीडिया 'एक उपदेश' द्वारा वर्ष 2025 में शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान, समर्पण एवं विशिष्ट प्रबंधन के कार्य तथा कुशल संस्था का संचालन करने के लिए रबीन्द्रनाथ टैगोर नेशनल प्रिंसिपल अवार्ड 2025 से सम्मानित किया जा रहा है। विगत 46 वर्षों से शिक्षा जगत को अपनी सेवा देते हुए डॉ. गुप्ता ने अपना सर्वस्व विद्यार्थियों के लिए समर्पित करते हुए इस मुकाम को हासिल किया है। डॉ. संजय गुप्ता को यह सम्मान 12 अप्रैल को हॉलिडे इन, मयूर विहार नई दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा। इस कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षाविद, लीडर,प्रोफेशनल,इनोवेटर्स जैसे ख्यातिलब्ध व नामचीन हस्ती मौजूद रहेंगे।

दसवीं कक्षा की छात्रा लापता, मामला दर्ज

कोरबा, 31 मार्च (देशबन्धु)। अपने नाना-नानी के पास रहकर पढ़ाई कर रही एक नाबालिग छात्रा लापता हो गई है। वह जिले के एक विद्यालय में कक्षा दसवीं की छात्रा थी। कई घंटे बाद छात्रा के घर नहीं आने पर परिजन परेशान हुए। उन्होंने यहां तलाश की और इसके बाद सिविल लाइन पुलिस को जानकारी दी।

उद्योग मंत्री ने महामाला से किया प्रधानमंत्री का स्वागत

कोरबा, 31 मार्च (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ शासन के उद्योग, श्रम और वाणिज्य मंत्री लखनलाल देवांगन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिलासपुर मोहभट्ठा में आयोजित विशाल सभा के दौरान मंत्री मंडल के सहयोगी सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री का महामाला से स्वागत किया।

कटघोरा विधायक ने किया नरेन्द्र मोदी का स्वागत

कोरबा, 31 मार्च (देशबन्धु)। कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने बिलासपुर के मोहभट्ठा में आयोजित विशाल सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों का स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए।

सार-संक्षेप

एलपीजी सिलेंडर में ब्लास्ट के बाद ट्रक में आग

फायर बिग्रेड की टीम ने मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

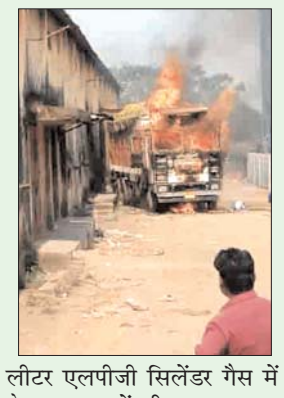

रायगढ़ 31 मार्च (देशबन्धु)। जूटमिल क्षेत्र में एलपीजी सिलेंडर गैस ब्लास्ट होनें की घटना में एक ट्रक में भयंकर आग लग गई जिसके बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार को जूटमिल क्षेत्र के ओडिसा मार्ग में स्थित एक गोदाम में गुड खाली करने आये ट्रक में खाना बनाते समय 5 लीटर एलपीजी सिलेंडर गैस में अचानक बलास्ट होनें की घटना के बाद ट्रक में भीषण आग लग गई। अचानक घटी इस घटना के बाद देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई जिसके बाद फायर बिग्रेड की टीम के अलावा जूटमिल पुलिस मौके पर पहुंचकर आग बुझाने के प्रयास में जुट गई है। राहत भरी खबर यह रही कि सिलेंडर ब्लास्ट के दौरान किसी प्रकार की जनहानि की घटना नही हुई है।

राम मंदिर में हिन्दू नववर्ष पर जगमगाए आस्था के 1100 ज्योत

मंदिर परिसर में हुआ प्रसाद का वितरण

रायगढ़ 31 मार्च (देशबन्धु)। हिंदू नव वर्ष के प्रथम दिवस में शहर के नयागंज कोष्टा पारा स्थित राम जानकी मंदिर के पास दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम में लगभग 1100 दीप जलाए गए।

30 मार्च को शीतला मां मंदिर से समलेश्वरी मंदिर, देवांगन धर्मशाला, हनुमान मंदिर, शीतला मंदिर, राम मंदिर होते हुए मां सरस्वती मंदिर के पास तक ये दीप प्रज्वलित किए गए। राम मंदिर के पास भक्तों को चना प्रसाद का वितरण हुआ। मंदिर परिसर में सभी भक्तों ने दीप प्रज्वलित करते हुए आस्था का प्रदर्शन किया। जब लोग अपने घरों से दीप जलाकर मंदिर परिसर में आए तो मंदिर और मोहल्ला का माहौल राममय हो गया।

मंदिर के पुरोहित अशोक तिवारी ने पूजा संपन्न किया। लोग हिंदू नव वर्ष की बधाई और शुभकामनाएं एक दूसरे को देते हुए दिखे। कार्यक्रम का संचालन इस बार मोहल्ले की समिति युवा शक्ति एक संकल्प के द्वारा की गई। आने वर्ष में कार्यक्रम को भव्यता बढ़ाने के लिए समिति ने सदस्यों और मोहल्ले वासियों से भी अपील की है। पूरा शहर इस क्षेत्र में आकर वीडियो फोटो खींच कर चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस का आनंद लेते हुए नव वर्ष के लिए माता रानी श्रीराम से आशीर्वाद भी मांगा।

ट्रैफिक जवानों ने दिखाई मानवता

भीषण गर्मी में वाहन चालकों को बांटा पानी

रायगढ़ 31 मार्च (देशबन्धु)। प्रदेश में प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों समेत पुलिस महकमा अलर्ट मोड पर है। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल ने मार्ग व्यवस्था को लेकर विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं। वरिष्ठ अधिकारी और थाना प्रभारी इन निर्देशों के पालन में विभिन्न चेक पॉइंट्स पर ड्यूटी पर तैनात हैं।

इसी कड़ी में कल रायगढ़-पूंजीपथरा मार्ग पर हाईवे पेट्रोलिंग कर रहे सहायक उप निरीक्षक राजेंद्र पटेल और हमराह स्टाफ ट्रैफिक जवानों का एक सराहनीय कार्य सामने आया। वाहन चेकिंग के दौरान जवानों ने अपने पास रखी पानी की बोतलें और पाउच जरूरतमंद वाहन चालकों को वितरित किए। भीषण गर्मी में इस मानवीय पहल ने वाहन चालकों को राहत पहुंचाई। मौके पर एडिशनल एसपी आकाश मरकाम और ट्रैफिक डीएसपी उत्तम प्रताप सिंह भी मौजूद थे। उन्होंने जवानों की इस पहल की सराहना की और अतिरिक्त पानी की व्यवस्था कराकर और अधिक वाहन चालकों को राहत देने के निर्देश दिए। ड्राइवरों ने पुलिस के इस कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसी मानवीय संवेदनाएं समाज में पुलिस के प्रति विश्वास को मजबूत करती हैं। भीषण गर्मी में ट्रैफिक जवानों की यह पहल लोगों के दिलों को छू गई। पुलिस का यह कार्य दर्शाता है कि वे न केवल सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए तत्पर रहते हैं, बल्कि समाज की भलाई और मानवता की सेवा में भी आगे रहते हैं। इस पहल ने पुलिस विभाग की सकारात्मक छवि को और अधिक सशक्त किया।

केलो को बचाने शहीद हुई सत्यभामा का समाधि स्थल अस्त-व्यस्त

संघर्ष मोर्चा ने निरीक्षण पश्चात सौंदर्यीकरण की उठाई मांग

रायगढ़ 31 मार्च (देशबन्धु)। जीवन दायिनी केलो के जल को बचाने के जनांदोलन में शहीद हुई देश की प्रथम आदिवासी महिला सत्यभामा सौंरा के समाधि स्थल के सौंदर्यीकरण निर्माण का कार्य का जायजा लेने जिला बचाओ संघर्ष मोर्चा रायगढ़ के सचिव बासुदेव शर्मा सहित बैंक रिटायर्ड एसोसिएशन के प्रमोद सराफ एवं सीनियर सिटीजन के साथी महादेव अग्रवाल ग्राम बोंदा टिकरा पहुंचे।

साथी बासुदेव शर्मा ने बताया कि उस समाधि तक पहुंचने का रास्ता मुख्य सड़क से ऊटपटांग बहुत संकीर्ण और अत्यंत कष्टप्रद पहुंच विहीन टापू सा हो गया है। समाधि स्मारक तक पहुंचने के लिए एक मात्र संकीर्ण पगडंडी है जो कि गांव के आंगन बाड़ी केंद्र के बाजू से होकर श्मशान स्थल की पास से समाधि स्थल पहुंचती है। जो उचित प्रतीत नहीं होता है। निर्माण सामग्री तक पहुंचाने बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सामग्री को पहले मुख्य सड़क पर डंप किया जाता है फिर किसी तरह ढोकर समाधि स्थल पहुंचते हैं निर्माण कार्य के साथ ही समाधि स्थल में गार्डन फूल पौधों तथा जनता के लिए पानी हेतु एक ट्यूब वेल (बोर) और पानी टंकी की भी आवश्यकता महसूस की गई।

एक लाख की सुपारी दे पत्नी ने पति की हत्या करवाई, बेटी भी शामिल

कोरिया, 1 अप्रैल (देशबन्धु)। दिनांक 29.03.25 को कोरिया जिला के कोतवाली थाना अंतर्गत बडगांव कोसाबारी के समीप कच्चे रास्ते में पुलिया के नीचे कंबल, दरी व बोरी में लिपटा हुआ अज्ञात शव मिलने की सूचना कोरिया पुलिस को प्राप्त हुआ सूचना से पुलिस अधीक्षक कोरिया रवि कुर्रे को अवगत कराया गया पुलिस अधीक्षक कोरिया रवि कुर्रे द्वारा मामले की पतासाजी हेतु अति. पुलिस अधीक्षक कोरिया पंकज पटेल के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अति0 पु0 अधि0 पंकज पटेल विशेष टीम में शामिल उप0 पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार साहू, सायबर सेल प्रभारी निरी0 विनोद पासवान निरी0 बिपिन लकडा एंव अन्य सदस्यो द्वारा तत्काल मौके पर पहुंच कर मामले की पतासाजी प्रारंभ किया गया। फारेसिंक एंव डॉग स्क्वाड का टीम को भी मौके पर बुलाया गया। दरी एंव बोरी को पुलिया से बाहर निकाल कर खोलने पर शव तकरीबन एक सप्ताह पुराना लग रहा था जांच के दौरान अज्ञात पुरूष के शव की पहचान खुटरापारा निवासी अशोक कुमार कुर्रे के रूप में हुआ। दिनांक 26.03.25 को मृतक अशोक कुमार कुर्रे की पत्नि सांता कुर्रे द्वारा दिनांक 21. 03.25 से अपने पति के घर नही आने एंव गुम हो जाने के संबंध में गुमसुदा रिर्पोट थाने में दर्ज करवाई थी। मृतक एस.ई.सी.एल महाप्रबंधक कार्यालय में अस्थाई रूप से फाईल बाईंडिंग एंव चाय पिलाने का कार्य करता था। टीम को पतासाजी के दौरान पता चला कि मृतक दिनांक 19. 03.25 के शाम के बाद कार्यालय नहीं आया है साथ ही यह पता चला कि एस.ई.सी.एल कर्मचारियो के कहने पर ही मृतक के पत्नि द्वारा थाने में गुम इंसान दर्ज करवाया गया था मृतक के पत्नि द्वारा अपने पति के गुम होने का गलत दिनांक बताने पर पुलिस को शक होना प्रारंभहुआ विशेष टीम द्वारा मृतक के घर की बारिकी से जांच पडताल करने पर फर्श एंव दीवार में कई जगह खून के धब्बे नजर आए खून के धब्बे वाले स्थान को गोबर से लिपाई कर दिया गया था। मृतक के कुछ रिस्तेदारो ने शव को लपेटने में प्रयुक्त दरी एंव रस्सी को मृतक के घर का ही होना बताया। घटना में एक से अधिक व्यक्ति के शामिल होने का प्रारंभ से ही पुलिस को शक था।

मृतक के पत्नि एंव बेटी से बारिकी से एंव कडाई से पूछताछ करने पर अपना अपराध स्वीकार कर लिया गया मृतक कि पत्नि सांता कुर्रे ने बताया कि उसका पति विगत कुछ वर्षो से रोज-रोज उसके साथ दुरव्यवहार एंव मारपीट करता था, घर से कहीं बाहर हीं जाने देता था व डयूटी जाने पर घर के बाहर ताला लगा देता था। मृतक कि बेटी सरिता रे उम्र 21 वर्ष ने पूछताछ के दौरान बताया कि उसका पिता रोज रात में शराब पीकर घर ता था और सभी बच्चो के सामने माँ से जानवारो कि तरह मारपीट करता था पिछले एक वर्षसे रात में मेरे साथ अश्लील और गंदी हरकत करता था मना करने पर मेरे साथ भी बहुत मारपीट करता था। इन सब से तंग आकर मृतक कि पत्नि एंव बेटी ने मृतक से छूटकारा पाने के लिए उसे मरवाने की योजना एक माह पूर्व से ही बनाना प्रारंभ कर दिया अपनी योजना को पूरा करने के लिए पूर्व परिचित एक अन्य महिला शहनाज खान पति करीमुददीन खान एंव उसके बेटे तौसिफ खान (बाबू) जिससे मृतक की बेटी का पूर्व से मित्रता था। इस काम हेतु तौसिफ उसकी माँ शहनाज एंव अमानुल खान (बाबा) द्वारा 1 लाख रूपये की मांग की गई। 1 लाख में मारने का सौदा तय हो जाने पर पूर्व नियोजित योजना अनुसार मौका देखकर दिनांक 19.03.25 को रात तकरीबन 10ः00 बजे तौसिफ एंव उसके दोस्त अमानुल खान को सरिता कुर्रे द्वारा घर बुलाकर एंव पीछे का दरवाजा खोल कर खाली कमरे में छूपने कहा गया।

तौसिफ एंव अमानुल खान चिकन, मटन काटने के धारदार हथियार चापड के साथ मृतक अशोक के आने का इंतजार कर रहे थे अशोक कुर्रे घर आकर खाना खा कर बाहर के कमरे में खटिया में सो गया उसके सोते ही उसकी बेटी सरिता द्वारा मोबाईल से मैसेज कर तौसिफ एंव बाबू खान को बुलाया गया। अन्य नाबालिक बच्चो को दूसरे कमरे में सुलाकर बाहर से दरवाजा बंद कर दिया गया था। तौसिफ एंव अमानुल खान द्वारा धारदार हथियार से अशोक कुर्रे के सिर एंव गर्दन पे वार किया गया इस दौरान अशोक के पत्नि एंव बेटी भी उसके पैर को पकडे हुए थे। चापड के वार से तत्काल अशोक कुर्रे की मौत मौके पर ही हो गई। तुरंत मृतक के शव को दरी एंव बोरी में लपेटकर व रस्सी से बांध कर बाईक में रखकर बडगांव के कोसाबारी के समीप पुलिया के नीचे फेककर तौसिफ एंव अमानुल खान वापस अपने घर चले गए। शव को ले जाने के पूर्व पहले से तय सौदे के अनुसार मृतक के बेटी सरिता द्वारा 40000 रूपयें तौसिफ को दिया गया था।

घटना में शामिल अरोपी अमानुल खान (बाबा) फरार है अन्य सभी अरोपीयो को गिरफतार कर न्यायलय में जूडिश्ल रिमांड हेतु पेश किया जा रहा है। घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल सी.बी.जैड, धारदार चापड एंव मोबाईल को जप्त कर लिया गया है इस कार्यवाही में कोरिया सायबर टीम निरी0 विनोद पासवान, निरी. बिपिन लकडा, उ0निरी0 अलंगो दास, उ0निरी0 जया लक्ष्मी, प्र0आर0 अरविन्द कौल, प्र0आ0 ओमप्रकाश राजवाड़े, आर0 विमल जायसवाल, आर0 सजल जायसवाल, आर0 अमरेशानंद ठाकुर, आर0 ईलयास कुजूर, आर0 शिवम सिन्हा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। दर्ज अपराध क्रमांकः- 120/2025 धाराः- 103(1), 238,61(2) बी के तहत अपराध पंजीबद्ध कर 1. सांता कुर्रे उम्र 2. सागरत कुर्रे उम्र 21 साल 3. शहनाज खान पति करीमुददीन खान 4. तौसिफ खान उर्फ बाबू खान उम्र 20 वर्ष 5. अमानुल खान उर्फ बाबा खान 6. अरबाज अंसारी पिता मोमिन अंसारी 25 वर्ष। को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

मेयर इंन काउंसिल की पहली बैठक मेयर की अध्यक्षता में

एमसीबी/चिरमिरी, 1 अप्रैल (देशबन्धु)। नगर पालिक निगम चिरमिरी शहर सरकार के मेयर इंन काउंसिल की पहली बैठक नगर निगम के प्रथम नागरिक महापौर रामनरेश राय के अध्यक्षता में महापौर कक्ष में सम्पन्न हुई, बैठक में सबसे पहले महापौर ने एमआईसी सदस्यों और निगम के अधिकारियों का एक-दूसरे से परिचय कराया इसके बाद कई महत्वपूर्ण ऐजेंडों पर चर्चा शुरू हुई। जिसमें नगर के सिटी डेवलपमेंट प्लान के तहत स्वीकृत राशि 21.06 करोड़ के विकास की विस्तृत परियोजना तैयार करने हेतु, लोगों के जाति प्रमाण पत्र बनाये जाने हेतु प्रस्ताव, नगर निगम में सलाहकार के रूप में अधिवक्ता की नियुक्ति करने, इसके अलावा निगम का राजस्व अधिक से अधिक बढ़ाये जाने, निगम से संचालित होने वाले कई योजनाओं के बारे में महापौर ने अधिकारियों से पूछा और जनता को अधिक से अधिक लाभ देने को निर्देशित किया।

इसके साथ ही कई अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा कर सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके साथ ही जनहित से जुड़े सड़क, पानी, बिजली जैसी अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने कक्ष में चर्चा की गई।

पेयजल समाधान हेतु महापौर ने निगम अधिकारियों को दिये निर्देश..

महापौर रामनरेश राय ने निगम अफसरों से पूछा कि नगर के किन-किन वार्डों में पेयजल की ज्यादा किल्लत उत्पन्न हो रही है, साथ ही उन्होंने गर्मी में जल आपूर्ति की सारी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने अधिकारियों को निर्देशित किया महापौर ने शहर के प्रत्येक वार्डों में पेयजल समस्या का निराकरण करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इस दौरान नगर निगम के एमआईसी मेंबर, मनोज डे, नरेंद्र साहू, राम औतार, आयुषी सिंह, रंजीत कुमार बंजारे, नीलम सलूजा, संध्या सोनवानी, मोती प्रधान, व निगम आयुक्त रामप्रसाद आचला, सहायक अभियंता विजय बधावन, निगम सचिव श्याम देश पाण्डेय, उप अभियंता विक्टर वर्मा, व अन्य नगर निगम के समस्त विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहें।

चैत्र नवरात्र के पहले दिन देवी मंदिरों में उमड़ी आस्था की भीड़

हजारों की संख्या में आस्था के दीप भी जगमग हुए

रायगढ़ 31 मार्च (देशबन्धु)। चैत्रनवरात्र के पहले दिन रविवार को शहर के देवी मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और देवी मां के दर्शन कर परिवार के सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान देवी मंदिरों में हजारों की संख्या में आस्था के दीप भी जगमगा उठे हैं।

चैत्र नवरात्र के साथ-साथ हिंदु नववर्ष के शुभारंभ के रूप में मनाये जाने वाले इस पर्व के चलते रविवार को शहर के सभी देवी मंदिरों जिनमें बुढ़ी मांई मंदिर, अनाथलय दुर्गा मंदिर, सेठीनगरदुर्गा मंदिर, बुढ़ी समलाई मंदिर, समलेश्वरी मंदिर राजा पारा, दुर्गा मंदिर बस स्टैण्ड, काली मंदिर मधुबनपारा सहित तराईमाल स्थित बंजारी मंदिर, उर्दना स्थित महमाया मंदिर, चंद्रपुर स्थित चंद्रहासिनी मंदिर सहित सभी देवी मंदिरों में सुबह नवरात्र के पहले दिन मां दुर्गा के विधिवत पूजा अर्चना पश्चात आस्था के दीप प्रज्वलित किये गए। इन देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालु भक्तों का आना शुरू हो गया और चंदघंटे पश्चात मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ जुटने लगी। देवी मंदिरों में भक्तों का यह तांता दोपहर करीब एक बजे तक चला इसके बाद दोपहर के समय भक्तों की संख्या कुछ कम हुई मगर शाम ढलते ही फिर से इन देवी मंदिरों में दर्शन के लिये अपार भीड पहुंची और रात्रि दस बजे तक हजारों की संख्या में लोगों ने माता की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त करते हुए प्रसाद ग्रहण किया। इस वर्ष रायगढ़ की अधिष्ठात्री देवी मां बुढी माई के दरबार में पूरे नव दिनों तक विभिन्न भजन व जगराता के कार्यक्रम आयोजित किये गए हैं। यहां श्रद्धालु भक्तों की ओर से 18 सौ दीप प्रज्वलित किये गए हैं। इसी तरह अन्य देवी मंदिरों में भी सैकड़ो की संख्या में आस्था के दीप जलाये गए हैं। इन दीपों को पूरे नव दिनों तक प्रज्वलित रखा जाता है और अंतिम दिन इनका विसर्जन होता है। इन नव दिनों के दौरान सभी माता के मंदिर में श्रद्धालु भक्तों का बड़ी संख्या में तांता लगता है। इन देवी मंदिरों में नवरात्र के दौरान महिलाओं की बडी भागीदारी देखी जाती है।

अमानत में खयानत मामले में सक्ती का ठेकेदार गिरफ्तार

घरघोड़ा पुलिस की कार्रवाई

रायगढ़ 31 मार्च (देशबन्धु)। घरघोड़ा पुलिस ने अमानत में खयानत के गंभीर मामले में सक्ती जिले के निवासी शकील अहमद को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी पर आरोप है कि उसने कंस्ट्रक्शन कंपनी मेसर्स आर्या के अधीन जल जीवन मिशन योजना के तहत जल-नल कनेक्शन के काम में ठेकेदारी ली थी, लेकिन काम अधूरा छोड़कर करीब 25 लाख रुपये की सामग्री का कोई हिसाब-किताब नहीं किया।

घटना को लेकर 28 मार्च को मेसर्स आर्या कंस्ट्रक्शन कंपनी रायगढ़ के एकाउंटेंट मिथलेश कुमार पटेल ने थाना घरघोड़ा में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, कंपनी ने तमनार और घरघोड़ा ब्लॉक में जल जीवन मिशन योजना के तहत जल-नल आपूर्ति का कार्यादेश लिया था। शकील अहमद को जुलाई 2023 में पेटी कॉन्ट्रैक्टर के रूप में ठेका दिया गया।

कंपनी ने उसे जुलाई-अगस्त, सितंबर-अक्टूबर में नकद और नवंबर में चेक के माध्यम से कुल 22.50 लाख रुपये का भुगतान किया। इसके अलावा, कार्य के लिए कोटरीमाल स्टोर में 330 टन सीमेंट, 30.93 टन स्टील, 52,000 मीटर पाइप, 17,000 मीटर कंपोजिट पाइप सहित अन्य निर्माण सामग्री उपलब्ध कराई गई।

जनवरी 2024 में शकील अहमद काम छोड़कर फरार हो गया। जब 11 जनवरी 2024 को सामग्री का मिलान किया गया, तो 135 टन सीमेंट, 13 टन स्टील, 3,000 मीटर पाइप, 4,000 मीटर कंपोजिट पाइप और अन्य सामान सहित करीब 25 लाख रुपये मूल्य की सामग्री गायब पाई गई। शिकायतकर्ता के अनुसार शकील अहमद ने नगद 22.50 लाख लेकर 25 लाख रुपए के समान गायब कर फरार हो गया।

आवेदन पर घरघोड़ा पुलिस ने अपराध क्रमांक 72ध्2025 धारा 409 भा.द.वि. के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। थाना प्रभारी रामकिंकर यादव के नेतृत्व में साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया।

इस कार्रवाई में निरीक्षक रामकिंकर यादव, सहायक उप निरीक्षक रामसंजीवन वर्मा, प्रधान आरक्षक पारसमनी बेहरा, आरक्षक हरीश पटेल, उद्यो पटेल और अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है, और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

ट्रैफिक जवान ने पर्यावरण के प्रति दिखाया प्रेम

ड्यूटी दौरान आग बुझाकर बचाया जंगल

रायगढ़ 31 मार्च (देशबन्धु)। यातायात व्यवस्था बनाए रखने में तत्पर ट्रैफिक जवान केवल सड़कों पर नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं कराते, बल्कि कई बार समाज और पर्यावरण के प्रति भी अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। ऐसा ही एक उदाहरण रायगढ़ के पूंजीपथरा मार्ग पर देखने को मिला, जहां आरक्षक अशोक सम्राट ने अपनी बहादुरी और तत्परता से एक बड़ी अनहोनी को टाल दिया।

रविवार की सुबह किलो डेम नो एंट्री चेक पॉइंट पर ट्रैफिक आरक्षक अशोक सम्राट की ड्यूटी लगी थी। वे नियमित रूप से वाहनों को सड़क किनारे व्यवस्थित कर यातायात व्यवस्था सुचारू रखने में लगे थे। इसी दौरान, सड़क के किनारे स्थित झाड़ियों में अचानक आग लग गई। आसपास घना जंगल होने के कारण आग के तेजी से फैलने की संभावना थी। आरक्षक अशोक सम्राट ने बिना समय गंवाए स्थिति को भांप लिया और तत्काल आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए। उन्होंने झाड़ियों का सहारा लेकर आग को काबू में करने का प्रयास किया। उनकी इस पहल को देखकर वहां मौजूद ट्रक ड्राइवर भी सहायता के लिए आगे आए और सभी के सामूहिक प्रयासों से आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया।

इस साहसिक कार्य के लिए राहगीरों और स्थानीय नागरिकों ने आरक्षक अशोक सम्राट की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उनका यह कृत्य पर्यावरण के प्रति उनकी जागरूकता और समर्पण को दर्शाता है। गौरतलब है कि जंगलों में आग लगने की घटनाएं अक्सर लोगों की लापरवाही के कारण होती हैं, जिससे छोटे पेड़-पौधे और वन्य जीवों को नुकसान पहुंचता है। ऐसे में ट्रैफिक जवान अशोक सम्राट का यह सराहनीय कार्य अन्य लोगों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करेगा।

यातायात पुलिस विभाग ने भी आरक्षक अशोक सम्राट की तत्परता और जिम्मेदारी निभाने के जज्बे की सराहना की है। यह घटना साबित करती है कि पुलिस जवान केवल कानून व्यवस्था ही नहीं, बल्कि समाज और पर्यावरण की रक्षा के प्रति भी प्रतिबद्ध होते हैं।

सार-संक्षेप

पीएम ने किया बरमकेला के पीएमश्री स्कूल का ऑनलाइन शुभारंभ

सारंगढ़, 1 अप्रैल (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में रविवार को न्यायधानी बिलासपुर में जिले के बरमकेला सहित प्रदेश में संचालित कुल 130 पीएमश्री विद्यालय का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर जिला नोडल समग्र शिक्षा अधिकारी नरेश कुमार चौहान द्वारा बरमकेला पीएमश्री विद्यालय में आनलाइन के माध्यम से सभी स्टाफ व स्टूडेंट्स जुड़े हुए थे और विधिवत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व पूजा अर्चना किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ जो की एक समय अत्यंत ही पिछड़ा था अब शिक्षा के साथ-साथ सभी अन्य क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहा है इसी कड़ी में आज एक नया अध्याय जुड़ गया है और छत्तीसगढ़ में 130 पीएमश्री स्कूल का उद्घाटन किया गया ।छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी पीएमश्री स्कूल ऑनलाइन के माध्यम से इस अवसर में साक्षी बने।

रामा राठौर का निधन

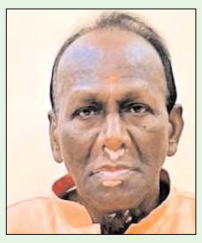

जांजगीर, 31 मार्च (देशबन्धु)। जिला मुख्यालय जांजगीर के पुरानी बस्ती के प्रतिष्ठित नागरिक रामा राठौर का निधन 74 वर्ष की आयु में 30 मार्च दिन रविवार को हो गया। जिनका अंतिम संस्कार स्थानीय रानी तालाब स्थित मुक्तिधाम में किया गया। मुखाग्नि उनके जेष्ठ पुत्र अशोक राठौर ने दी। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में राठौर समाज के लोग सहित नगर व जिलेभर के समाज सेवी, जनप्रतिनिधिगण शामिल हुए। वे रामकुमार राठौर के बड़े भाई व रूपेश राठौर, श्रीमती रागिनी राठौर के पिता थे।

जिला अस्पताल में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन आज

जांजगीर, 31 मार्च (देशबन्धु)। शबरी माता सेवा संस्थान, जांजगीर के संयोजकत्व में जिला अस्पताल जांजगीर में आज 1 अप्रैल को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। संस्थान के आयोजक केके कश्यप ने जानकारी दी कि शिविर का आयोजन सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगा।

शिव कश्यप ने बताया कि शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना है। जिला अस्पताल में रक्त की कमी को देखते हुए संस्थान द्वारा समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं। ब्लड की कमी के कारण कई बार मरीजों को इधर-उधर भटकना पड़ता है और गंभीर स्थिति में जान भी चली जाती है। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए संस्थान लगातार रक्तदान अभियान चलाकर लोगों को जागरूक कर रहा है। कश्यप ने बताया कि रक्तदान शिविर में युवा वर्ग बड़ी संख्या में आगे आता है और जरूरतमंदों के लिए ब्लड डोनेट करता है। शिविर के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक लोग इस पुण्य कार्य में भाग लें।

बिसाहू दास महंत की 101वीं जन्म जयंती पर दी जाएगी श्रद्धांजलि

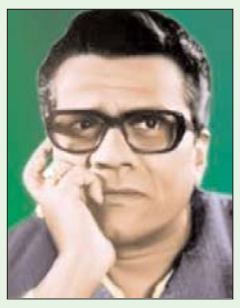

जांजगीर, 31 मार्च (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़िया अस्मिता के प्रतीक स्व. बिसाहू दास महंत की 101वीं जन्म जयंती पर 1 अप्रैल को बीडी महंत बालोद्यान, जांजगीर में परंपरानुसार श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन प्रात. 11: 30 बजे से किया गया है। कार्यक्रम में अंचल के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और विभिन्न क्षेत्रों के लोगों द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किए जाएंगे। इस अवसर पर भंडारा का भी आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, कोरबा सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत, राजेश महंत और सूरज महंत विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी भगवान दास गढ़ेवाल, सदस्य स्व. बिसाहू दास महंत स्मृति आयोजन समिति, जांजगीर-नैला ने दी है।

साइबर धोखाधड़ी रोकने हेतु जागरूक रहें कार्यशाला आयोजित

मनेंद्रगढ़, 1 अप्रैल (देशबन्धु)। बढ़ते साइबर धोखा घड़ी एवं अपराध के रोकथाम एवं जन जागरूकता हेतु मनेंद्रगढ़ के विभिन्न संस्थाओं में एवं विद्यालयों में ग्राहक शिक्षा कार्यशाला सीईओ का आयोजन टी आर ए आई के दिशा निर्देशों के अनुसार किया गया जिसमें उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों कॉलेज के छात्रों एवं उपभोक्ता समूहों एवं प्रेस रिपोर्टर सोशल मीडिया जैसे लक्षित समूह के लिए साइबर धोखाधड़ी जैसे महत्वपूर्ण विषयों के रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई।

छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में साइबर धोखाधड़ी एवं सोशल मीडिया में फर्जी कॉल्स फोन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए ग्राहक शिक्षा कार्यालय आयोजित की गई। जिसमें डिजिटल साक्षरता और साइबर जागरूकता के बारे में बहुमूल्य ज्ञान एवं विवेक एवं अंतर्दृष्टि प्रदान करने पर जोर दिया गया ।इसी क्रम में विगत दिनों मनैद्रगढ़ के होटल हसदेव इन ,सरस्वती शिशु मंदिर, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के 35 प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला का लाभ उठाया ।स्कूलों में कार्यशाला के पहले इन हाउस गेम , प्रेरक कहानी , पौराणिक कहानियां जैसे आकर्षक गतिविधियों के साथ स्कूली छात्राओं का ध्यान आकर्षित कराया गया। छात्रों के साथ धोखाधड़ी के नमूना प्रस्तुत करने के लिए अभ्यास एवं प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया और इस बात पर जोर दिया गया कि संभावित धोखेबाजों की पहचान कैसे करें और उन्हें साइबर धोखाधड़ी का शिकार बनने से कैसे बचाएं।

सरगुजा जिले में गर्मी के मद्देनजर निर्बाध पेयजल आपूर्ति के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

अम्बिकापुर, 1 अप्रैल (देशबन्धु)। गर्मी के मौसम में जिले के नागरिकों को निरंतर पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष पहल की है। कलेक्टर श्री विलास भोसकर के निर्देश पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जो पेयजल संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान प्रदान करेगा। जिसके लिए जिले में संपर्क के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन 18002330008 जारी किया गया है

सद्भाव के संदेश के साथ हिंदू नववर्ष का किया गया स्वागत

हुआ विशाल भंडारा और भक्तिमय जगराता का कार्यक्रम

जांजगीर, 31 मार्च (देशबन्धु)। नगर हिंदू नव वर्ष आयोजन समिति के द्वारा इस वर्ष समाज के सभी वर्गों को के साथ मिलकर विक्रम संवत 2082 के चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा पर मनाया जाने वाले भारतीय हिंदू नव वर्ष का स्वागत हर्षोल्लास से नई खुशी और नई उम्मीद के साथ नगर के कचहरी चौक में विशाल भंडारा के साथ रात्रि में जसगीत सम्राट देवेश शर्मा के भक्तिमय भजन के साथ मनाया गया ।

कचहरी चौक में प्रात: 11.00 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित विशाल भंडारा में नगर एवं आसपास क्षेत्र के सैकड़ो नागरिकों और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया । इस आयोजन में नगर के हर समाज के लोगों ने आपसी भाईचारे के साथ शांति और सदभाव के संदेश देते हुए नववर्ष का स्वागत किया । इसी कड़ी में रात्रि 8 बजे से सी मार्ट प्रांगण में जसगीत सम्राट देवेश शर्मा और उनके साथियों द्वारा शानदार भक्ति और संगीत में जसगीतों और भजनों से शमा बांधते हुए दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। उन्होंने पथरा के देवता बोलत नईये,आमा पान के पतरी और तोला बंधव ओ दाई गीतों की प्रस्तुति दी। इस दौरान मनमोहक झांकियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। भक्तिमय संगीत का यह दौर आधी रात तक चलता रहा। दर्शकगण पूरे कार्यक्रम के दौरान झूमते रहे । कार्यक्रम के अंत में विधायक और जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह और विधायक व्यास कश्यप के साथ नगर के गणमान्य नागरिकों द्वारा आए हुए कलाकारों को शॉल, दुपट्टा और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। संचालन व आभार प्रदर्शन विवेक सिसोदिया ने किया। कार्यक्रम के दौरान दिनेश शर्मा, गुलजार सिंह डॉ परस शर्मा, देवेश सिंह, प्रशांत सिंह ठाकुर,अशोक शर्मा, मणिकांत अग्रवाल, रफीक सिद्दीकी, रमेश पैगवार,लोकेश राठौर, मनोज पांडे, पार्षदगण श्रीमती रक्षा धीरज सिंह, रेखा सोनवान, जगदीश्वरी रवि सूर्यवंशी,योगेश चौरसिया सहित वर्षा सिंह राजपूत, सीमा राजू शर्मा, मनोरमा पाटेकर, गार्गी तिवारी,जितेंद्र देवांगन,अभिमन्यु राठौर उपस्थित रहे । कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति के प्रिंस शर्मा, आशीष राठौर, टिकू शुक्ला,पार्षद विष्णु यादव, हीरा उपाध्याय, भैरव मिश्रा, प्रदीप बल्लू राठौर, धीरज सिंह बेस, सौरभ सिंह, दादू डॉन,संजय राठौर, पिंटू राठौर, मिंटू राठौर, अमित सिंह, पार्षद विक्की सिंह, गज्जू साहू, राजू बैसवार, मुरली गुरुनानी, भोलू यादव, राजा सिद्दीकी, आकाश तिवारी, दुष्यंत यादव,कुलदीप सिंह,शैल राठौर बजरंग कटकवार, विजय टंडन, विजय सूर्यवंशी,अन्नू यादव, संतोष बबई, अनिल चौरसिया, गुड्डू पठान,नरसिंहा यादव, धर्मेंद्र यादव,संदीप राठौर, संस्कार राठौर, कन्हैया तलवानी, सागर भक्तानी, दीपक यादव, दीपक राठौर,राजू खान, शाहिद बाबा,भरत यादव जितेंद्र दिनकर रजनी सूर्यवंशी,सत्यभामा टंडन पंकज राठौर, पूरब शुक्ला,अनीश शर्मा, प्रियांश अग्रवाल, पवन अग्रवाल, प्रदीप यादव, देवी राठौर,बनारिया,मुन्ना चौरसिया आदि का प्रमुख सहयोग रहा।

सुल्तानपुर के किसानों को मुर्गी पालन का प्रशिक्षण देंगे रामाधार देवांगन

विभिन्न राज्यों के किसानों को प्रशिक्षण देने जाएगी किसान स्कूल की टीम

जांजगीर, 31 मार्च (देशबन्धु)। बहेराडीह में स्थित कुंजबिहारी साहू किसान स्कूल की टीम भारत के अलग अलग राज्यों के किसानों की मांग पर ग्रामीण स्व रोजगार प्रशिक्षण संस्थान,आरसेटी की ओर से ट्रेनिंग देने जाएंगे, वहीं देश-विदेश के किसानों और कृषि क्षेत्र में पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए किसान स्कूल वरदान साबित हो रहा है।

10 अप्रैल को रामाधार देवांगन उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के आरसेटी में किसानों को मुर्गी पालन का प्रशिक्षण देने जाएंगे। इससे पहले वे बैकुंठपुर कोरिया जिले के उप जेल में बंदियों को मुर्गी पालन, सूरजपुर जिले के सुंदरपुर पंचायत में उन्नति प्रोजेक्ट के तहत किसानों को मुर्गी पालन का प्रशिक्षण दे चुके है,किसान स्कूल के संचालक दीनदयाल यादव ने बताया कि उनकी टीम में कृषि क्षेत्र में जितने भी ट्रेनर हैं सभी किसान स्कूल के अलावा छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में आरसेटी के साथ ही नाबार्ड, एनएसडीसी, कृषि विभाग, उद्यान विभाग, रेशम विभाग, वन विभाग और एनजीओ के माध्यम से ट्रेनिंग दे रहे हैं। किसान स्कूल के सभी ट्रेनर पीएम विश्वकर्मा के कई विषयों के ट्रेनर और असेसर के लिए अधिकृत किया गया है, जिसमें संतोष कुमार शुक्ला, जे बसवराज शामिल हैं। संस्थान के डायरेक्टर महति बानरा, फैकेल्टी अरुण कुमार, पूनम यादव, रिंकी सिंह के सहयोग से प्रदान किया गया है. इसी तरह डेयरी वर्मीकम्पोस्ट और मछली पालन के ट्रेनर सावित्री पॉल जांजगीर चाम्पा समेत बीजापुर, जशपुर, कांकेर, सरगुजा,कोरबा में ट्रेनिंग और असेसमेंट कर चुके हैं, वहीं एस एस ठाकुर, संतोष कुमार शुक्ला, जे. बसवराज और दीनदयाल यादव, छत्तीसगढ़ के सभी आरसेटी और भारत के कई राज्यों में ट्रेनिंग और असेसमेंट करने का काम कर रहे हैं ।

सक्ति पुलिस द्वारा आईपीएल सट्टेबाजी पर कार्रवाई, दो गिरफ्तार

जांजगीर, 31 मार्च (देशबन्धु)। आईपीएल क्रिकेट मैचों में सट्टे की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा द्वारा सट्टा खेलने और खिलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस द्वारा क्षेत्र में सक्रिय मुखबिर तैनात कर सूचना संकलन किया जा रहा था।

30 मार्च को मुखबिर से सूचना मिली कि वार्ड नंबर 10, अखराभांठा निवासी हुलास देवांगन द्वारा अग्रसेन चौक, सक्ती में ऑनलाइन माध्यम से आईपीएल क्रिकेट मैचों में सट्टा लगाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बताए स्थान पर छापा मारा और आरोपी हुलास देवांगन (25 वर्ष) को रंगे हाथ ऑनलाइन सट्टा खेलते हुए गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने बताया कि वह प्रियांशु अग्रवाल (निवासी वार्ड नंबर 07, राम मंदिर के पास, सक्ती) से ऑनलाइन आईडी लेकर सट्टा खेलता है। हुलास देवांगन से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने नारायण सागर रोड, वंदना मोड़ पर घेराबंदी कर प्रियांशु अग्रवाल को भी गिरफ्तार किया। पूछताछ में प्रियांशु ने ऑनलाइन आईडी खरीदकर सट्टे के लिए बेचने और स्वयं भी ऑनलाइन माध्यम से क्रिकेट मैच में सट्टा खेलने की बात स्वीकार की। आरोपियों के कब्जे से सट्टा खेलने में प्रयुक्त मोबाइल फोन जब्त किए गए। आरोपियों का कृत्य छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 07 के तहत अपराध की श्रेणी में पाया गया, जिसके तहत दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय सक्ती में पेश किया जाएगा। इस कार्यवाही में सक्ती मनीष कुंवर के नेतृत्व में निरीक्षक बृजेश कुमार तिवारी, उप निरीक्षक अनवर अली, सहायक उप निरीक्षक एंथोनी एक्का, प्रधान आरक्षक संजीव शर्मा, आरक्षक मनीष राजपूत, लक्ष्मी साहू और योगेश राठौर की भूमिका रही।

जिले के 9 हजार 654 हितग्राहियों को मिला आवास

पीएम आवास हितग्राहियो ने नवरात्रि में पूजा पाठ कर किया गृहप्रवेश

जांजगीर, 31 मार्च (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिले में जिन हितग्राहियों के आवास बनकर तैयार हो गए हैं, उनका गृहप्रवेश नवरात्रि पर्व के अवसर किया गया। ग्राम पंचायतों व ब्लाक मुख्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर महा गृह प्रवेश उत्सव का राज्यव्यापी आयोजन 30 मार्च को किया है। इस कार्यक्रम में जिले के 9 हजार 654 पूर्ण आवास में पूजा अर्चना के उपरांत परिवार के सदस्यों को माला पहनाकर और चाबी सौंपकर ग्रह प्रवेश किया गया। उल्लेखनीय है कि 30 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बिलासपुर में महा गृह प्रवेश उत्सव के भव्य आयोजन में शामिल हुए। इस दौरान प्रदेश के लाखों ग्रामीण परिवारों को उनके नए नव निर्मित प्रधानमंत्री आवास में गृह प्रवेश कराएँगे तथा नए हितग्राहियों को आवास स्वीकृत का प्रमाण पत्र भेंट किए। जिला पंचायत से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला वर्तमान में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लक्ष्य 60849 है। जिसमें से 49975 आवासों की स्वीकृति प्रदान की गई है। 41905आवासों को पहली किश्त और 25753 को द्वितीय किश्त मिल चुकी है, और 5325 को तीसरी किस्त दी गई। जिले में अब तक 9654 आवास पूर्ण हो चुके हैं। शेष निर्माण कार्य प्रगतिशील है। प्रतिदिन आवास का निर्माण पूरा हो रहा है। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान स्वीकृत किए गए आवास के आधार पर ही राज्य शासन द्वारा महा गृह प्रवेश उत्सव करने का निर्णय लिया गया था।

इस कार्यक्रम को मोर आवास मोर अधिकार के तहत आयोजित किया गया, जिसमें हितग्राहियों ने अपने अनुभवों साझा किया।

बोरवेल ट्रैक्टर पलटा, मजदूर की मौत

चालक और एक अन्य ने कूदकर बचाई जान

सक्ती, 31 मार्च (देशबन्धु)। सक्ती जिले में रविवार रात एक बोरवेल ट्रैक्टर पलटने से 40 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। हादसा हसौद थाना क्षेत्र के धमनी गांव के पास हुआ। तेज रफ्तार के चलते ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे मजदूर गणेश राम पटेल ट्रैक्टर के नीचे दब गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

रविवार रात बोरवेल की खुदाई के बाद ट्रैक्टर शिवरीनारायण-बिर्रा मार्ग से आडील गांव लौट रहा था।

धमनी गांव के पास तेज गति के कारण ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दौरान ट्रैक्टर चालक और एक अन्य मजदूर ने कूदकर अपनी जान बचा ली, लेकिन गणेश राम पटेल ट्रैक्टर के नीचे दब गए। घटना की सूचना मिलते ही हसौद थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से मजदूर के शव को बाहर निकाला गया। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। सोमवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है।

प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे की वजह बताया जा रहा है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि दुर्घटना के समय ट्रैक्टर पर कितने लोग सवार थे और सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं।

महिला मरीज से छेड़छाड़ का आरोपी डॉक्टर गिरफ्तार, घटना के बाद आरोपी हुआ था फरार

जांजगीर, 31 मार्च (देशबन्धु)। चांपा पुलिस टीम ने सायबर तकनीकी के आधार पर महिला मरीज से छेड़छाड़ का आरोपी डॉक्टर को पकड़ा,आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

मामले में पुलिस ने बताया कि पीड़िता का स्वास्थ्य खराब होने पर वह 30 मार्च को कृष्णा अस्पताल, चांपा में उपचार हेतु गई थी। आईसीयू वार्ड में चेकअप के दौरान आरोपी डॉक्टर जयप्रकाश देवांगन द्वारा गलत नियत से पीड़िता के साथ छेड़छाड़ की। घटना की सूचना पर थाना चांपा में आरोपी के विरुद्ध धारा 74, 75 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। आरोपी घटना के बाद फरार हो गया था। पुलिस टीम द्वारा सायबर तकनीकी का उपयोग कर आरोपी का लोकेशन ट्रेस कर उसे बिलासपुर रोड, टोल प्लाजा अकलतरा के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने पूछताछ में अपना जुर्म स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर 31 मार्च को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता, थाना प्रभारी चांपा, सहायक उप निरीक्षक अरुण सिंह, प्रधान आरक्षक वीरेंद्र कुमार टंडन, प्रकाश राठौर, महिला प्रधान आरक्षक श्यामा जायसवाल, आरक्षक डीकेश्वर साहू, मुद्रिका दुबे, सुमंत कंवर, माखन साहू एवं पदम राज सिंह का योगदान रहा।

स्कूल समय में परिवर्तन, गर्मी के कारण जिला प्रशासन ने बदला समय

जांजगीर, 31 मार्च (देशबन्धु)। जिले में लगातार बढ़ती गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए जिला शिक्षा विभाग ने स्कूलों के समय में परिवर्तन किया है। जिला कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशानुसार यह निर्णय लिया गया है, जिससे विद्यार्थियों को गर्मी से राहत मिल सके।

प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाएं हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल सुबह 7.30 बजे से 11.30 बजे तक लगेगी। गौरतलब है कि मार्च के अंतिम सप्ताह से जिले में तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है। अप्रैल की शुरुआत में ही तापमान 43-44 डिग्री तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है, जिससे बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। स्कूल जाने और लौटने के दौरान बच्चों को लू लगने की आशंका को देखते हुए समय में बदलाव किया गया है। यह समय परिवर्तन 1 अप्रैल से प्रभावी रहेगा और गर्मी के मौसम तक जारी रहेगा। यह आदेश समस्त शासकीय एवं निजी स्कूलों पर लागू होगा।

देश विदेश

दक्षिण-पूर्वी ईरान में बस पलटने से 14 लोगों की मौत, 46 घायल

तेहरान, 31 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के दक्षिण-पूर्वी प्रांत केरमान में रविवार को एक बस के पलटने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई जबकि 46 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने दी। इरना ने प्रांत के आपातकालीन चिकित्सा सेवा केंद्र के प्रमुख मोहम्मद साबेरी के हवाले से कहा कि यह घटना स्थानीय समयानुसार 17:17 बजे प्रांतीय राजधानी केरमान से रावर काउंटी की ओर जाने वाली सड़क पर घटी। उन्होंने कहा कि सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया, जिनमें से पांच की हालत गंभीर है। उन्होंने कहा कि घटना के कारण की जानकारी कुछ ही घंटों में प्रदान की जाएगी।

बांग्लादेश में सड़कों पर संघर्ष, बीएनपी के दो गुट भिड़े

ढाका, 31 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश के सूचना एवं प्रसारण सलाहकार महफूज आलम के पिता पर उनके गांव, लक्ष्मीपुर के रामगंज उपजिला में हमला हुआ। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) समर्थक दो इकाइयों के बीच गुटीय संघर्ष के दौरान कथित तौर पर यह घटना घटी।

परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि शुक्कुर अली ने सलाहकार के पिता अजीजुर रहमान बच्चू पर हमले का नेतृत्व किया। रहमान इच्छापुर यूनियन में बीएनपी यूनिट के संगठन सचिव के रूप में भी काम कर रहे हैं। शुक्कुर अली बीएनपी की स्टूडेंट विंग छात्र दल के पूर्व नेता और स्वेच्छा सेवक दल यूनियन इकाई के अध्यक्ष पद के संभावित उम्मीदवार है।

रहमान पर ईंटों से वार किया गया। उनके के हाथ में चोटें आईं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। इस घटना में उनका एक रिश्तेदार भी घायल हो गया।

प्रमुख बांग्लादेशी दैनिक 'प्रथम आलो' से बात करते हुए सलाहकार मफूज आलम के बड़े भाई महबूब आलम ने कहा कि झड़प तब हुई जब बीएनपी नेताओं और कार्यकर्ताओं के दो अलग-अलग ग्रुप मेहदी हसन को रविवार शाम को क्षेत्र में लौटते समय हिरासत में लेने रवाना हुए।

- अंतरिम सरकार के सूचना सलाहकार के पिता घायल
- प्रदर्शनकारियों ने की हमले में शामिल लोगों के लिए कड़ी सजा की मांग

हसन प्रतिबंधित अवामी लीग की छात्र शाखा बांग्लादेश छात्र लीग (बीसीएल) की जिला इकाई के अध्यक्ष हैं।

एक समय ऐसा आया जब बीसीएल नेता के बारे में अंतिम फैसले को लेकर दोनों समूहों के बीच कहासुनी हो गई और दोनों पक्षों के बीच हाथापाई शुरू हो गई।

ग्रामीणों ने दोनों गुटों के बीच लड़ाई को रोकने की कोशिश की तो स्थानीय लोगों के साथ भी उनकी झड़प हुई। इस बीच अजीजुर रहमान जब झड़प को रोकने के लिए आगे आए, तो छात्र दल और स्वेच्छा सेवक दल के कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला कर दिया। रामगंज थाने के प्रभारी अधिकारी अबुल बशर ने बताया कि छात्र दल और स्वेच्छा सेवक दल के कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हुआ। एक समय तो झड़प भी हो गई। अजीजुर रहमान ने दोनों पक्षों को शांत करने की कोशिश की। लेकिन, उनसे नाराज होकर एक गुट ने उन पर हमला कर दिया।

इस घटना से नाराज छात्रों ने रविवार रात रामगंज कस्बे में विरोध मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने हमले में शामिल लोगों के लिए कड़ी सजा की मांग की।

बांग्लादेश में स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को मिटाना जारी

ढाका। बांग्लादेश के लालमोनिरहाट जिले में मुक्ति संग्राम स्मारक मंच के भित्ति चित्र को स्थानीय अधिकारियों के निर्देश पर ध्वस्त कर दिया गया। कुछ दिनों पहले देश के स्वतंत्रता दिवस पर इसे कपड़े से ढंक दिया गया था। रविवार सुबह से शाम तक मजदूरों ने भित्ति चित्र को ध्वस्त किया। स्थानीय मीडिया से बात करते हुए मजदूरों ने बताया कि वे लालमोनिरहाट के डिप्टी कमिश्नर के निर्देश पर भित्ति चित्र को ध्वस्त कर रहे थे। भित्तिचित्र में 1950 के दशक के भाषा आंदोलन की पृष्ठभूमि, 7 मार्च का ऐतिहासिक भाषण, स्वतंत्रता संग्राम, मुजीबनगर सरकार का गठन, स्वतंत्र भूमि पर नए सूर्य का उदय, पाकिस्तान द्वारा 1971 का नरसंहार, विजय की खुशी में झूमते वीर स्वतंत्रता सेनानी, सात महान नायक, पाकिस्तानी सेना का आत्मसमर्पण, राष्ट्रीय ध्वज थामे उत्साही भीड़ और कई अन्य ऐतिहासिक क्षणों को दर्शाया गया था। प्रमुख बांग्लादेशी दैनिक द ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल बांग्लादेश (टीआईबी) ने कहा कि संगठन निश्चित रूप से इस कदम का विरोध करेगा। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के बांग्लादेश क्षेत्र समन्वयक मोहम्मद मोर्शेद आलम ने कहा कि हमने पहले भी मुक्ति संग्राम के भित्ति चित्र को ढंकने का विरोध किया था। हम आगे भी इसका विरोध करेंगे। बता दें हाल ही में, बांग्लादेश के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इस भित्ति चित्र को कपड़े से ढक दिया गया था।

- मुक्ति युद्ध के भित्तिचित्र को किया गया ध्वस्त

शहबाज शरीफ ने मोहम्मद यूनुस को कहा, ईद मुबारक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। उन्होंने ईद-उल-फितर की मुबारकबाद दी और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की अपनी इच्छा जताई। शरीफ ने 22 अप्रैल को पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार की ढाका यात्रा पर का जिक्र किया, जिसमें एक व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी शामिल होगा। पाकिस्तानी पीएम ने यूनुस को पाकिस्तान आने का निमंत्रण भी दोहराया और प्रसिद्ध गायिका रूना लैला सहित बांग्लादेशी सांस्कृतिक ग्रुप को पाकिस्तान में प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया। एक्स पर एक पोस्ट में शरीफ ने कहा कि बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार महामहिम प्रोफेसर डॉ. मुहम्मद यूनुस के साथ टेलीफोन पर बातचीत हुई। ईद-उल-फितर की मुबारकबाद दी और पाकिस्तान-बांग्लादेश संबंधों को और मजबूत करने के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

सुडोकू 6869

6			8	3	5			
					2	3	6	
		1						8
	1		7	9		4		
	3						7	
		7		8	3		2	
1						6		
	5	3	6					
			4	7	8			3

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6869

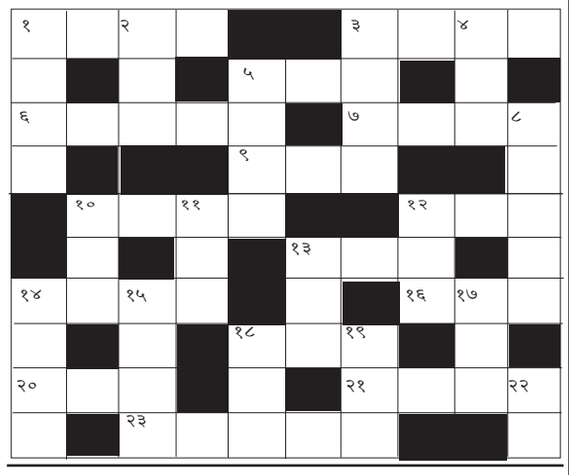

बायें से दायें:-

१. विवरण, ब्यौरा (उर्दू)
३. बदनामी. अपयश (उर्दू)
५. सुरबाला, देवकन्या
६. प्रतीक्षा करना (मुहावरा)
७. बड़ा हाथी, हाथियों का राजा
८. घटना, समाचार, अवसर
१०. शामिल
१२. डर, भय
१३. ज्यों का त्यों
१४. उलझन दूर होना
१६. युवा, जवान
१८. श्रीमान (उर्दू)
२०. किसी पत्र-पत्रिका का पिछला अंक
२१. असह्य, अप्रिय (उर्दू)
२३. ख्याति प्राप्त करना (मुहावरा)

ऊपर से नीचे:-

१. विवाद, बहस (उर्दू)
२. स्वभाव, गुण, शील, चरित्र(उर्दू)
३. निवृत्त होना, छुट्टकारा(उर्दू)
४. वधिक, कातिल
५. जो ढंका हुआ न हो, खुला
८. लोगों का हित. जनहित
१०. कामयाब
११. लिपिबद्ध करना
१२. बुलाया गया, निमत्रित
१३. पीड़ा होना, टीसना
१४. सौभाग्यवती, सधवा
१५. आभास होना, दीप्तिवान होना
१७. अपमानित, निंदित (उर्दू)
१८. जन्मदाता,
१९. निर्माण करना, सुधारना
२२. इच्छा, खुशी, मर्जी(उर्दू)

वर्ग पहेली-6868

१ अ	प	२ न	य	३ न	■	४ अ	प	५ रा	ह
ना	■	य	■	६ र	क्त	प	■	ह	■
७ व	स	न	■	सं	■	८ का	लां	त	९ र
तीं	■	ज	■	१० हा	जि	र	■	■	क्ष
■	११ गु	ल	१२ जा	र	■	■	१३ बा	ध	क
■	ना	■	हि	■	१४ ब	ह	रा	■	द
१५ बे	ह	१६ त	र	■	हु	■	१७ त	१८ र	ल
गु	■	र	■	१९ दौ	ल	२० त	■	ह	■
२१ ना	स्ति	क	■	रा	■	२२ रि	स	म	२३ य
ह	■	२४ श	ब	न	ब	■	■	■	दि

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : मंगलवार 1 अप्रैल, 2025 चैत्र शुक्ल पक्ष 2

राशिफल

मेष - दिन का आरंभ कुछ इस तरह से होगा कि आप उत्साह से भरपूर रहेंगे। शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। पारिवारिक वातावरण आनंदप्रद रहेगा। परिजनों के साथ मनदु:ख के प्रसंग भी बन सकते है।

वृषभ - आज आप किसी बात की दुविधा में रह सकते हैं। काम पूरा नहीं होने से असंतुष्ट रहेंगे। सर्दी-खांसी, कफ या बुखार की समस्या हो सकती है। धार्मिक कामों के पीछे भी धन खर्च हो सकता है। स्वजनों से वियोग होगा।

मिथुन - पारिवारिक और व्यवसायिक क्षेत्र में आपका दिन बहुत अच्छी तरह से गुजरेगा। दोनों जगहों पर आवश्यक चर्चाओं में व्यस्त रहने वाले हैं। काम का भार बढ़ने से स्वास्थ्य में कुछ ढीलापन आएगा।

कर्क - आप आज शारीरिक तथा मानसिक रूप से व्याकुलता और अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। क्रोध की मात्रा अधिक रहने से किसी के साथ विवाद भी हो सकता है, परंतु दोपहर के बाद आप की शारीरिक स्थिति में सुधार होगा।

सिंह - परिवार तथा व्यावसायिक क्षेत्र में आज का दिन अच्छी तरह से गुजरेगा। दोनों जगहों पर जरूरी चर्चाओं में समय निकलेगा। काम का बोझ बढ़ने से स्वास्थ्य में कुछ शिथिलता रहेगी। तथा दोपहर के बाद स्वास्थ्य में सुधार होगा।

कन्या - आज आप किसी बात का गहरा विचार करेंगे। ज्योतिष या आध्यात्म के विषय के प्रति आपका ध्यान आकर्षित होगा। आज सोच-समझकर बोलिएगा, जिससे किसी के साथ विवाद न हो। स्वास्थ्य नरम रहेगा।

तुला - आज दिन की शुरुआत आनंद के साथ होगी। मन में किसी बात को लेकर चिंता रहेगी। आर्थिक लाभ के लिए किसी मीटिंग में शामिल हो सकते हैं। यात्रा की संभावना है। दोपहर के बाद आप वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक - किसी खास बौद्धिक काम में आज आप व्यस्त रहेंगे। लोगों के साथ आज आपका व्यवहार अच्छा बना रहेगा। छोटे प्रवास की संभावना है। धन-सम्बंधित आयोजन के लिए समय शुभ है।

धनु - शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य का आज विशेष ध्यान रखें। अधिक मेहनत के बाद भी काम में सफलता कम मिलेगी। इससे निराशा के भाव उत्पन्न हो सकते हैं। आज यात्रा को टालना आपके लिए हितकर रहेगा।

मकर - आज आप कुछ अधिक संवेदनशील रहेंगे। आपकी भावना को भी ठेस पहुंच सकती है। वाहन चलाते समय ध्यान रखें। किसी निराशाजनक विचार और काम से दूर रहें। किसी भी काम में शीघ्र निर्णय ना लें।

कुंभ - आवश्यक काम का निर्णय आज ना लें, इसका ध्यान रखें। नए काम की शुरुआत के लिए समय अभी इंतजार करने का है। दोपहर के बाद किसी बात को लेकर चिंता बढ़ेगी।

मीन - आज धन का खर्च अधिक हो जाने से आप चिंता में रह सकती है। किसी से मनमुटाव और तनाव हो सकता है। आज आपको वाणी पर नियंत्रण रखने की सलाह दी जाती है। आर्थिक विषय में संभलकर चलें।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

एस जयशंकर ने दाऊदी बोहरा समुदाय के सदस्यों से की मुलाकात

- ईद-उल-फितर की दी मुबारकबाद

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को दाऊदी बोहरा समुदाय के सदस्य शहजादा हुसैन बुरहानुद्दीन और अन्य प्रतिनिधियों से मुलाकात कर ईद-उल-फितर की मुबारकबाद दी। इस दौरान शिवसेना के राज्यसभा सदस्य मिलिंद देवड़ा भी मौजूद थे।

दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रमुख सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन के सबसे छोटे बेटे शहजादा हुसैन बुरहानुद्दीन, दावत-ए-हादिया के प्रशासनिक मामलों का नेतृत्व करते हैं और दक्षिण मुंबई में एक प्रमुख क्लस्टर पुनर्विकास परियोजना एसबीयूटी के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं।

जयशंकर ने सोशल मीडिया पर बैठक के बारे में अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा कि आज सांसद मिलिंद देवड़ा के साथ शहजादा हुसैन बुरहानुद्दीन और दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रतिनिधियों से मिलकर खुशी हुई। उन्होंने कहा कि ईद की मुबारकबाद दी और अपने प्रेरणादायक सामुदायिक कार्यों के बारे में बात की।

मिलिंद देवड़ा ने भी बैठक के बारे में पोस्ट करते हुए कहा कि दाऊदी बोहरा समुदाय के नेता सैयदना साहब के सबसे छोटे बेटे शहजादा सैयदी हुसैन बुरहानुद्दीन, अब्दुलकादिर नूरुद्दीन और मुस्तफा लोखंडवाला के साथ नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करना मेरे लिए खुशी की बात थी। दाऊदी बोहरा समुदाय मुख्य रूप से भारत में रहता है। जो अपनी मजबूत सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के लिए जाना जाता है। पाकिस्तान, यमन, पूर्वी अफ्रीका, मध्य पूर्व में भी इसकी महत्वपूर्ण संख्या है तथा यूरोप, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण पूर्व एशिया और ऑस्ट्रेलिया में भी इसकी आबादी बढ़ रही है।

दुनिया भर में दाऊदी बोहरा समुदाय का नेतृत्व अल-दाई अल-मुतलक (अप्रतिबंधित मिशनरी) द्वारा किया जाता है, जो मूल रूप से यमन से संचालित होता था और पिछले 450 वर्षों से भारत में स्थित है। यह समुदाय फातिमी इस्माइली तैयबी विचारधारा का अनुसरण करता है, जिसमें विश्वास एक ही ईश्वर, अल्लाह पर केन्द्रित है तथा पवित्र कुरान को ईश्वरीय शब्द के रूप में सम्मान दिया जाता है।

मरीन ले पेन गबन मामले में दोषी करार

पेरिस, 31 मार्च (एजेंसियां)। पेरिस की एक अदालत ने सोमवार को यूरोपीय संघ के धन के गबन के आरोप में दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन को दोषी ठहराया। अभी सजा की घोषणा नहीं की गई है। इस दोषसिद्धि से 2027 के फ्रांसीसी राष्ट्रपति चुनाव में उनकी संभावित उम्मीदवारी पर संदेह पैदा हो गया।

ले पेन और उनके सहयोगियों पर आरोप था कि उन्होंने 2004 से 2016 के बीच संसदीय सहायकों के लिए निर्धारित यूरोपीय संसद के धन का पार्टी कर्मचारियों के भुगतान के लिए इस्तेमाल किया।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक आधिकारिक संसदीय कार्य के लिए निर्धारित धनराशि का उपयोग फ्रांस स्थित नेशनल रैली पार्टी के कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए किया गया, जो यूरोपीय संघ के नियमों का उल्लंघन था। रिपोर्टों के अनुसार, अभियोजकों ने 3,00,000 यूरो (2,77,60,800.00 रुपए) जुर्माने के साथ पांच साल की निलंबित जेल की सजा की सिफारिश की। अभियोजकों ने सार्वजनिक पद पर तत्काल पांच वर्ष का प्रतिबंध लगाने की भी मांग की।

राजनीतिक दलों ने ज्ञानेंद्र शाह पर लगाया गणतंत्र के खिलाफ साजिश करने का आरोप

काठमांडू, 31 मार्च (एजेंसियां)। नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह इस सप्ताह देश में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के पीछे मुख्य सूत्रधार है। गणतंत्र समर्थक राजनीतिक दलों की एक महत्वपूर्ण बैठक में शाह पर यह आरोप लगाया गया।

बैठक प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की ओर से बुलाई गई थी।

दलों ने पूर्व राजा पर संविधान को कमजोर करने और संघीय लोकतांत्रिक गणतंत्र प्रणाली को उखाड़ फेंकने की साजिश रचने का आरोप लगाया। गृह मंत्री रमेश लेखक ने कहा कि संविधान की रक्षा, राष्ट्रीय विकास और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राजनीतिक दलों के बीच एकजुट होने पर आम सहमति है। बैठक के बाद लेखक ने कहा कि किसी भी संविधान विरोधी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पूर्व पीएम बाबूराम भट्टाराई जो नेपाल समाजवादी पार्टी (एनएसपी) के अध्यक्ष भी हैं, ने सुझाव दिया कि शाह के समर्थन में हाल ही में की गई गणतंत्र विरोधी गतिविधियों का मुकाबला करने के लिए उन्हें एकजुट होना चाहिए।

थाईलैंड में ढही इमारत से दस्तावेज हटाने के आरोप में चार चीनी नागरिक गिरफ्तार

बैंकॉक, 31 मार्च (एजेंसियां)। म्यांमार में आए भूकंप के बाद बैंकॉक में एक निर्माणाधीन ऊंची इमारत गिर गई थी। इसके बाद, थाईलैंड के अधिकारियों ने चार चीनी नागरिकों को उस जगह पर बिना अनुमति के प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि ये लोग साइट से दस्तावेज प्राप्त करने का प्रयास कर रहे थे, जिसकी अब जांच चल रही है क्योंकि इसका संबंध चीन समर्थित कंस्ट्रक्शन फर्म से है।

- चीनी नागरिक साइट से दस्तावेज प्राप्त करने का प्रयास कर रहे थे, जिसकी अब जांच चल रही है : पुलिस

शुक्रवार को 7.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे 30 मंजिला इमारत कुछ सेकंड में गिर गई। इसके कारण मलबा हवा में उछल गया और कई लोग मलबे में दब गए। नेशनल थाईलैंड की रिपोर्ट के मुताबिक, मेट्रोपॉलिटन पुलिस ब्यूरो के डिप्टी कमिश्नर मेजर जनरल नोपासिन पूलस्वात ने बताया कि चार चीनी नागरिकों को बिना अनुमति के ढह चुके स्टेट ऑडिट ऑफिस (एसएओ) बिल्डिंग से 32 फाइलें चुराते हुए पकड़ा गया।

भूकंप के बाद, बैंकॉक के गवर्नर ने इस जगह को आपदा क्षेत्र घोषित कर दिया और यहां अनधिकृत प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि, शनिवार को पुलिस को खबर मिली कि कुछ लोग इस साइट से कागजात ले जा रहे हैं। जांच के बाद अधिकारियों ने घटनास्थल के पास से एक चीनी व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

आज का इतिहास

1582- फ्रांस में इस दिन को मूर्ख दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत हुई।
1793- जापान में उनसेन ज्वालामुखी फटा, जिसके कारण लगभग 53,000 लोगों की मौत हो गई।
1839- कोलकाता मेडिकल कॉलेज और अस्पताल 20 बिस्तरों के साथ शुरू किया गया।
1889- हिंदू का दैनिक अखबार के तौर पर प्रकाशन शुरू। 20 सितंबर 1888 से प्रकाशित इस अखबार को अब तक साप्ताहिक रूप से प्रकाशित किया जा रहा था।
1912- भारत की राजधानी को औपचारिक रूप से कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित किया गया।
1924- एडोल्फ़ हिटलर को बीयर हॉल क्रान्ति में भाग लेने के लिए पांच साल कैद की सजा सुनाई गई। लेकिन वह केवल नौ महीने तक जेल में रहा।
1930- विवाह के लिए लड़कियों की न्यूनतम आयु 14 वर्ष और लड़कों की 18 वर्ष निर्धारित की गई।
1935- भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना।
1936- उड़ीसा राज्य की स्थापना। इसे बिहार से अलग करके बनाया गया।
1937- पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी का जन्म।
1969- तारापुर में देश के पहले परमाणु बिजली घर ने काम करना शुरू किया।
1973- भारत के जिम कार्बेट नैशनल पार्क में बाघ संरक्षण परियोजना की शुरुआत।
1976- टेलिविजन के लिए एक पृथक निगम की स्थापना की गई, जिसे दूरदर्शन नाम दिया गया।
1976- स्टीव जॉब्स ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर ऐपल कंपनी की स्थापना की।
1977- भारत और पाकिस्तान के बीच रैडक्लिफ़ नाम की विभाजन रेखा तैयार करने वाले सर सिरिल रैडक्लिफ़ का निधन।

मामला *पाकिस्तान सरकार ने अधिकारियों को दिया निर्देश, कहा*

अफगान नागरिकों को पकड़कर वापस उनके देश भेज दो

इस्लामाबाद, 31 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को हजारों अफगान शरणार्थियों को गिरफ्तार करने और निर्वासित करने का आदेश दिया गया है। अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों के लिए देश छोड़ने की सरकार की समय सीमा सोमवार को समाप्त हो रही है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विशेषकर इस्लामाबाद और रावलपिंडी में, सभी अफगान शरणार्थियों को तुरंत बाहर निकालने का आदेश दिया। रावलपिंडी के पुलिस प्रमुख ने रावल, पोतोहार और सदर डिवीजनों के अधीक्षकों को जिले में रहने या काम करने वाले अफगान नागरिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

एक पुलिस अधिकारी ने डॉन को बताया कि हमें निर्देश मिले हैं कि एसीसी कार्ड रखने वाले सभी अफगान नागरिकों को रावलपिंडी

- पीओआर कार्डधारकों के लिए 30 जून, 2025 है देश छोड़ने की समय सीमा

और इस्लामाबाद से निष्कासित कर दिया जाना चाहिए। इसके अलावा निर्देशों में कहा गया कि पंजीकरण प्रमाण (पीओआर) कार्ड रखने वाले और दोनों शहरों में रहने वाले अफगानियों को सरकारी नीति के अनुरूप पाकिस्तान छोड़ना होगा।

पीओआर कार्डधारकों के लिए देश छोड़ने की समय सीमा 30 जून, 2025 है। पाकिस्तान में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) की प्रतिनिधि फिलिपा कैंडलर ने रविवार को कहा कि सैकड़ों हजारों अफगान शरणार्थियों को निकालने के देश के फैसले ने अफगान समुदाय को झकझोर दिया क्योंकि उनकी उम्मीदें और सपने चकनाचूर हो गए हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अधिक जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया।

- हमें निर्देश मिले हैं कि एसीसी कार्ड रखने वाले सभी अफगान नागरिकों को रावलपिंडी और इस्लामाबाद से निष्कासित कर दिया जाना चाहिए : पुलिस

कैंडलर ने कहा कि पिछले सप्ताह मैंने एक अफगान परिवार से मुलाकात की, जो शांति और सुरक्षा की तलाश में जल्दबाजी में अपना सब कुछ छोड़कर अफगानिस्तान से भागकर 2022 में यहां शरण लेने आए थे। यह देखना दिल दहला देने वाला था कि वे वापस जाने के लिए मजबूर होने से कितने भयभीत थे।

यूएनएचसीआर प्रतिनिधी ने कहा कि पाकिस्तानी सरकार के नवीनतम निर्देश कई समुदायों के ताने-बाने में महत्वपूर्ण व्यवधान उत्पन्न करते हैं। जिन समुदायों ने उनका स्वागत किया, उनसे विस्थापन और अफगानिस्तान में संभावित मजबूर वापसी, जबकि वहां उन्हें बहुत कम अवसर है।

सुडोकू 6869 का हल

6	9	2	8	3	5	1	4	7
7	8	5	1	4	2	3	6	9
3	4	1	9	6	7	2	5	8
2	1	8	7	9	6	4	3	5
5	3	9	2	1	4	8	7	6
4	6	7	5	8	3	9	2	1
1	7	4	3	5	9	6	8	2
8	5	3	6	2	1	7	9	4
9	2	6	4	7	8	5	1	3

दुनिया को जानें

अब एआई से ही मदद ले रही चीन की सेना

बीजिंग, 31 मार्च (एजेंसियां)। चीनी सेना ने एआई टूल डीपसीक का इस्तेमाल सैन्य अस्पतालों के साथ ही अन्य गैर-लड़ाकू सहायता कार्यों के लिए शुरू कर दिया है। यह शुरुआत विशेष रूप से सैन्य अस्पतालों में किया गया है, ताकि डॉक्टरों को उपचार योजना तैयार करने में सहायता मिल सके।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने कहा कि इस महीने की शुरुआत में पीएलए सेंट्रल थिएटर कमांड के जनरल अस्पताल ने घोषणा की थी कि उसने डीपसीक की तैनाती को अधिकृत किया है। अस्पताल ने रोगी की गोपनीयता और डाटा सुरक्षा पर भी जोर दिया है। देश भर के अन्य सैन्य अस्पतालों में भी इसी तरह की तैनाती देखी गई है। यहां वरिष्ठ चीनी अधिकारियों और सैन्य अधिकारियों को उपचार मिलता है और माना जाता है कि यहां अत्यधिक संवेदनशील व्यक्तिगत डाटा संग्रहीत किया जाता है। इससे पहले चीनी सेना ने अपने सशस्त्र बलों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर बहुत अधिक निर्भर रहने के खिलाफ आगाह करते हुए कहा था कि इसे मार्गदर्शन उपकरण होना चाहिए, न कि युद्ध के मैदान में मानव निर्णय लेने का विकल्प।

खेल जगत

शम्मी सिल्वा लगातार चौथी बार श्रीलंका क्रिकेट के अध्यक्ष चुने गए

कोलंबो। शम्मी सिल्वा लगातार चौथी बार श्रीलंका क्रिकेट के अध्यक्ष चुने गए हैं। एसएलसी ने कहा कि कोलंबो में चल रही 64वीं वार्षिक आम बैठक के दौरान सिल्वा को तीसरी बार निर्विरोध चुना गया और सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति मलानी गुणरत्ने की अध्यक्षता वाली चुनाव समिति ने इसकी पुष्टि की। वह आईसीसी बोर्ड में श्रीलंका के प्रतिनिधि के रूप में भी काम करते हैं, साथ ही आईसीसी के वित्त और वाणिज्यिक मामलों, नामांकन और मानव संसाधन और पारिश्रमिक समितियों के सदस्य के रूप में भी काम करते हैं। सिल्वा ने 1983/84 में कोलंबो क्रिकेट क्लब के लिए क्रिकेट खेला और क्रिकेट प्रशासन में आने से पहले श्रीलंका स्क्वैश राष्ट्रीय टीम के सदस्य, प्रबंधक और कोच थे। एसएलसी अध्यक्ष के रूप में सिल्वा का पिछला कार्यकाल 2023 में पिछले खेल मंत्री रोशन रणसिंघे के साथ उनके टकराव के कारण खराब हो गया था।

लखनऊ सुपर जायंटस की कोशिश पंजाब किंग्स पर अपना दबदबा जारी रखने की

लखनऊ के शार्दुल व पंजाब के श्रेयस में रोचक संघर्ष की आस

■ मार्श व पूरन से लखनऊ को पंजाब किंग्स के खिलाफ बड़ी पारी की आस

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 31 मार्च (देशबन्धु)। अपने नए कप्तान ऋषभ पंत की अगुआई में अंतिम ओवर में दिल्ली कैपिटल्स से विशाखापट्टनम में अपना पहला मैच एक विकेट से हारने के बाद तेज गेंदबाज शार्दूल ठाकुर के गेंद से 'चौके' की बदौलत मजबूत सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को उसके घर हैदराबाद में पांच विकेट से हरा जीत की राह पर लौटी लखनऊ सुपर जायंटस (एलएसजी) आईपीएल 2025 में मंगलवार को नए कप्तान श्रेयस अय्यर की 97 रन की बेहतरीन पारी से एकदम नए तेवर और कलेवर जीत से आगाज करने वाली पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने घर लखनऊ में भारत रत्न अटल बिहारी इकाना स्टेडियम में अपना दबदबा जारी रख पिछले पांच मैचों में चौथी जीत के इरादे से उतरेगी। लखनऊ सुपर जायंटस ने पंजाब किंग्स से अपने पिछले चार में तीन मैच जीते और मात्र एक हारा है और इसका वह मनोवैज्ञानिक लाभ उठाने की पूरी कोशिश करेगी। लखनऊ सुपर जायंटस के लिए पिछले मैच में शुरु से दे दनादन करने में यकीन करने वाली एसआरएच के खिलाफ तेज गेंदबाज शार्दूल ठाकुर के चटकाए चार विकेट और उनके साथ आवेश खान फिट होकर खेले और मयंक यादव जैसे तेज गेंदबाज के चोट के चलते बाहर होने से गड़बड़ाया संतुलन ठीक हो गया।

'जो हमारे बस में है, उसी की चिंता करते हैं'

'सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत वाकई बड़ी राहत दिलाने वाली है लेकिन बतौर टीम हमारी लखनऊ सुपरजायंटस में आपस में चर्चा बराबर प्रोसेस की होती है। हम जीत के बाद फूल कर कुप्पा नहीं होते न ही हारने पर एकदम हिम्मत हार जाते हैं। हम एक समय केवल एक मैच की बाबत सोचते हैं। हम जो हमारे बस में है उसी की बाबत सोचते हैं। हमारे लिए पिछले मैच में तेज गेंदबाज आवेश खान का फिट होकर लौटना हमारे लिए अच्छा रहा। शार्दूल ठाकुर बढ़िया बल्लेबाजी कर रहे हैं। हमने निकोलस पूरन को पूरी तरह खुल कर बल्लेबाजी करने की छूट दी है। मैं इस तरह खुल कर खेलना पसंद करता हूं। हमने पूरन को खुल कर बल्लेबाजी करने को कहा है और वह हमारे लिए वाकई शानदार प्रदर्शन कर रह है। हर कोई वाकई बढ़िया तैयारी और जम कर ट्रेनिंग कर रहा है। – **ऋषभ पंत, लखनऊ सुपर जायंटस, कप्तान**

'पिच ऐसी होनी चाहिए बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए मदद हो'

'मैंने अपनी योजना बनाई थी। मुझे यदि आईपीएल में नहीं चुना जाता तो मैं काउंटी क्रिकेट में खेलने के लिए करार किया। जब मैं रणजी ट्रॉफी खेल रहा तो मुझे जहीर खान का फोन आया कि हम तुम्हे संभावित विकल्प के रूप में देख रहे और खुद को तैयार रखो। जहीर ने मुझसे कहा कि यदि हम तुम्हें लेते हैं तुम्हे गेंदबाजी का आगाज करना पड़ेगा। उस दिन से मैंने खुद को आईपीएल में खेलने के लिए तैयार कर लिया। उतार चढाव आते हैं। वह वाकई बुरा दिन जब आईपीएल की नीलामी में किसी भी टीम ने मुझे नहीं चुना। हैदराबाद में एसआरएच के ट्रेविज हेड व अभिषेक बहुत जोखिम उठा कर अपने स्ट्रोक खेलना पसंद करते है तो मैंने भी जोखिम लिया। इस तरह की पिचों पर गेंदबाजों के बहुत कम मदद होती है। मैंने पिछले मैच से भी पहले कहा था कि पिच ऐसी होनी चाहिए बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए कुछ मदद हो और संतुलन बना रहे इम्पैक्ट खिलाड़ी के नियम के बाद यह गेंदबाजों के लिए ठीक नहीं है । – **शार्दूल ठाकुर, लखनऊ सुपर जायंटस**

शार्दुल ने आईपीएल 2025 में संतुलित पिचों की मांग उठाई

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने गेंदबाजों को 'एक समान और निष्पक्ष मौका' देने वाली पिचों की वकालत की है। वह चाहते हैं कि पिच ऐसी हो, जो बल्लेबाजों के लिए ज्यादा मददगार न हों, जैसा कि आईपीएल में अक्सर देखा गया है।

ठाकुर ने सभी गेंदबाजों की ओर से बोलते हुए कहा कि वे सिर्फ ऐसी पिचें चाहते हैं जो एकतरफा न हों, जहां कि बल्लेबाज आएं और लगातार बड़े शॉट्स लगाते रहें। ठाकुर ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के इस सीजन में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ पहले घरेलू मैच से पहले कहा कि यह सिर्फ मेरी मांग नहीं है, बल्कि सभी गेंदबाजों की मांग है। बहुत से गेंदबाज अपनी बात खुलकर नहीं रख सकते हैं या उन्हें मीडिया के सामने पिच की स्थिति पर बोलने का मौका नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि गेंदबाज सिर्फ यही मांग कर रहे हैं कि पिच को इस तरह तैयार किया जाए कि खेल संतुलित रहे और यह एकतरफा न हो, जहां बल्लेबाज आएं और लगातार बड़े शॉट्स खेलते रहें। हम सिर्फ निष्पक्ष मौका और खेल में समान अवसर चाहते हैं। आईपीएल 2025 के 10 मैचों में अब तक छह बार 200 से अधिक का स्कोर बना है, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने पहले ही मैच में 286/6 का स्कोर खड़ा किया था। ठाकुर ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम की थोड़ी आलोचना की, लेकिन उनका मानना है कि इस नए नियम से ज्यादा, पिचों में संतुलन बनाए रखने की जरूरत है।

अगर मैं रोहित और कोहली के विकेट ले पाऊं तो मुझे खुशी होगी: चक्रवर्ती

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती मौजूदा आईपीएल 2025 सीजन में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के विकेट लेने के लिए उत्सुक हैं। आईपीएल 2025 में वह किन बल्लेबाजों को आउट करना चाहेंगे, इस बारे में पूछे जाने पर चक्रवर्ती ने अपने साथियों के नाम बताए, जिनमें रोहित और कोहली की दिग्गज बल्लेबाजी जोड़ी भी शामिल है। जियो हॉटस्टार के विशेष शो 'जेन बोल्ड' में उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से कोई भी बल्लेबाज जो शानदार फॉर्म में हो। हेनरिक क्लासेन, निकोलस पूरन, विराट कोहली, रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी – ये सभी स्टार खिलाड़ी हैं। अगर मैं उनके विकेट ले पाऊं तो मुझे बहुत खुशी होगी। अब तक दो मैचों में तीन विकेट लेने वाले इस स्पिनर के पास सोमवार को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले मैच में रोहित और सूर्यकुमार यादव के विकेट लेने का मौका होगा। इस महीने की शुरुआत में दुबई में भारत के खिताब जीतने वाले चैंपियंस ट्रॉफी अभियान में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में समाप्त होने के बाद 33 वर्षीय यह खिलाड़ी असाधारण फॉर्म में है। वह आईपीएल के पिछले संस्करण में केकेआर की जीत का भी हिस्सा थे। इस सीजन से मिली सीख पर विचार करते हुए चक्रवर्ती ने कहा कि सबक यह है कि आपका पिछला टूर्नामेंट शानदार हो सकता है, लेकिन फिर भी आपको शुरुआत से शुरुआत करनी होगी। क्रिकेट आपको यही सिखाता है। आप दो या तीन टूर्नामेंट शानदार खेल सकते हैं, लेकिन अगले में आपको शून्य से शुरुआत करनी होगी। इसलिए, मैं इसी के लिए तैयारी कर रहा हूं – शुरुआत से शुरुआत करना। खेल में महत्वपूर्ण परिस्थितियों के प्रति अपने दृष्टिकोण पर चर्चा करते हुए चक्रवर्ती ने उच्च दबाव वाले मैच खेलने से प्राप्त ज्ञान को साझा किया। उन्होंने कहा कि मैंने अब तक जो सीखा है, वह यह है कि चीजों को बहुत सरल रखना है – कुछ बहुत अलग करने की कोशिश मत करो, कोई जादुई गेंद फेंकने या कोई जादुई पल बनाने की कोशिश मत करो। सबसे प्रभावशाली चीज जो आप कर सकते हैं, वह है अपने बेसिक्स पर टिके रहना, उन्हें अच्छे से करना और उन्हें सही तरीके से लागू करना। केकेआर के प्रमुख गेंदबाजों में से एक के रूप में, स्पिनर ने आईपीएल के साथ आने वाली अपेक्षाओं को प्रबंधित करने के बारे में बात की।

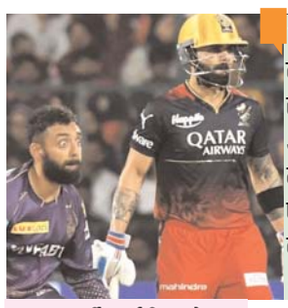

मैंने अब तक जो सीखा है, वह यह है कि चीजों को बहुत सरल रखना है - कुछ बहुत अलग करने की कोशिश मत करो, कोई जादुई गेंद फेंकने या कोई जादुई पल बनाने की कोशिश मत करो : वरुण चक्रवर्ती

■ चक्रवर्ती आईपीएल के पिछले संस्करण में केकेआर की जीत का भी हिस्सा थे

पराग पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया

गुवाहाटी, 31 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पर रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। राजस्थान ने बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में 182 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव किया और पांच बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स पर छह रन से जीत दर्ज की, लेकिन टीम निर्धारित समय में 20 ओवर पूरे नहीं कर सकी, जिसके कारण कप्तान पराग पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। आधिकारिक बयान में कहा गया है, राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पर 30 मार्च, 2025 को एसीए स्टेडियम, गुवाहाटी में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 11वें मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है। इसमें कहा गया है, चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का सीजन का पहला अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, इसलिए पराग पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

■ राजस्थान ने पांच बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स पर छह रन से जीत दर्ज की

चेन्नई सुपर किंग्स की फील्डिंग में कुछ गलतियां देखना काफी दर्दनाक था : अंबाती रायडू

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स के राजस्थान रॉयल्स से छह रन से हारने के बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायडू ने कहा कि पांच बार की चैंपियन टीम द्वारा ग्राउंड फील्डिंग में की गई कुछ गलतियों का खामियाजा हार के तौर पर भुगतना पड़ा और वह इस बात से बहुत निराश हैं। बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में, सीएसके को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा, क्योंकि नितीश राणा की 36 गेंदों में 81 रन की पारी और वानिंदु हसरंगा के 4 विकेट ने आरआर को मौजूदा प्रतियोगिता में अपनी पहली जीत दिलाई। सीएसके ने कुछ शानदार कैच पकड़े, उन्होंने कुछ आसान कैच भी छोड़े, जबकि आरआर ने अपने मौके का पूरा फायदा उठाया।

रायडू ने जियो हॉटस्टार पर कहा कि जब आप कोई करीबी खेल खेल रहे होते हैं, तो ये एक-प्रतिशत वाले चांस वास्तव में मायने रखते हैं। हमने इस मैच में कई अविश्वसनीय कैच देखे- ऐसा देखना दुर्लभ है। दूसरी ओर, चेन्नई सुपर किंग्स ने एक-दो मौके को छोड़कर, बिल्कुल भी अच्छा क्षेत्ररक्षण नहीं किया। राजस्थान रॉयल्स वास्तव में इसके लिए तैयार थे और यह दर्शाता है कि फील्डिंग केवल युवा टीम होने के बारे में नहीं है। यह जागरूकता के बारे में भी है। उन्होंने आगे कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स को कभी भी उनके फील्डिंग के लिए नहीं जाना जाता है, लेकिन इस सीजन में उनके पहले दो मैचों में जो कुछ भी हुआ है, वह काफी खराब रहा है। आसान मौके गंवाना और आउटफील्ड में संघर्ष करना- ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिन्हें उन्हें जल्दी से ठीक करने की जरूरत है। उनकी कुछ गलतियां देखने में काफी दर्दनाक थीं। रायडू ने पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस के बारे में अपने विचार शेयर किए जो प्रतियोगिता में अभी भी जीत हासिल नहीं कर पाई है।

■ बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में सीएसके को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा

भारत ने एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में जीते 10 पदक

अम्मान, 31 मार्च (एजेंसियां)। एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2025 में भारतीय पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, तीन रजत और छह कांस्य पदक सहित कुल 10 पदक जीते। जॉर्डन के अम्मान में चैंपियनशिप के अंतिम दिन रविवार को फ्री स्टाइल कुश्ती के पांच भार वर्गों में मुकाबलों में दो भारतीय पहलवान उदित (61 किग्रा) और दीपक पुनिया (92 किग्रा) फाइनल में पहुंचे। दो अन्य मुकुल दहिया (86 किग्रा) और दिनेश (125 किग्रा) ने कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा की। 92 किग्रा के फाइनल मुकाबले में दो बार के एशियन चैंपियन ईरान के अमीर हुसैन फिरोजपुर के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर दीपक पूनिया 10-0 से हार गए। चैंपियनशिप में दीपक पूनिया का पांचवां पदक था। उन्होंने तीन रजत, दो कांस्य सहित कुल पदक जीते हैं। पूनिया के पिछले सभी पदक 86 किग्रा वर्ग में आए थे। फाइनल में पहुंचने से पहले दीपक पूनिया ने मुश्किल क्वार्टरफाइनल मुकाबले में किर्गिस्तान के बेकजात राखिमोव को 12-7 से हराया था।

सार संक्षेप

धोनी के घुटने अब पहले जैसे नहीं रहे : फ्लेमिंग

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने एमएस धोनी के बल्लेबाजी क्रम में आने के बारे में बताते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि पूर्व कप्तान आईपीएल 2025 सीजन में 9वें या 10वें ओवर के आसपास बल्लेबाजी करने आएंगे। रविवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ छह रन से हार का सामना करने के बाद यह फैसला लिया गया। गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में 183 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नंबर 7 पर बल्लेबाजी करने आए धोनी ने 11 गेंदों पर सिर्फ 16 रन बनाए, जिससे सीएसके को सीजन की दूसरी लगातार हार का सामना करना पड़ा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच में, धोनी रविचंद्रन अश्विन के बाद नंबर 9 पर बल्लेबाजी करने आए, जबकि सीएसके 13 ओवर के बाद 8/6 पर लड़खड़ा रही थी। धोनी के लिए यह स्थिति बदलाव लाने के लिए आदर्श नहीं थी, लेकिन उन्होंने 16 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 3 रन की पारी खेली।

जोकोविच 10वें एटीपी खिताब से चूके

मैड्रिड। चेक गणराज्य के 19 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी जैकब मेनसिक ने सोमवार को शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सर्बिया दिग्गज नोवाक जोकोविच को हराकर मियामी ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया हैं। मेनसिक इस जीत के साथ ही एटीपी खिताब जीतने वाले नौवें सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। आज यहां खेले गये वर्षा बाधित मुकाबले में चेक गणराज्य के मेनसिक ने जोकोविच को अपने करियर का 10वां एटीपी खिताब जीतने से रोक दिया। चेक खिलाड़ी ने छह बार के चैंपियन जोकोविच को 7-6(4), 7-6(4) से हराकर मियामी ओपन का खिताब जीता। ट्रॉफी जीतने के बाद मेनसिक ने कहा कि उनके मन में अपने आदर्श जोकोविच के लिए सम्मान के अलावा कुछ नहीं है। टेनिस खेलने के लिए उन्हें प्रेरित करने के लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं।

उस्मान खान न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे मैच से बाहर

हेमिल्टन। पाकिस्तान के बल्लेबाज उस्मान खान चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे एकदिवसीय मैच से बाहर हो गये है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की ओर से जारी बयान के अनुसार सलामी बल्लेबाज उस्मान खान नेपियर के मेक्लीन पार्क में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच के दौरान क्षेत्ररक्षण करते हुए चोटिल हो गये थे एमआरआई स्कैन में हल्की चोट की पुष्टि हुई है। जिसके कारण वह दो अप्रैल को हैमिल्टन के सेडन पार्क में होने वाले दूसरे एकदिवसीय मैच के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। उस्मान पहले एकदिवसीय टीम का हिस्सा नहीं थे। उन्हें टी-2 सीरीज के बाद पाकिस्तान की एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया था।

विकेटकीपिंग के लिए सीओई की मंजूरी लेने बेंगलुरु पहुंचे सैमसन

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। संजू सैमसन आईपीएल 2025 सीजन में विकेटकीपिंग के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से मंजूरी लेने के लिए सोमवार को गुवाहाटी से बेंगलुरु पहुंचे। सैमसन ने अब तक टूर्नामेंट में बल्लेबाज के रूप में खेला है, जिसमें रियान पराग फ्रेंचाइजी की अगुआई कर रहे हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज को अपने दाहिने तर्जनी की सर्जरी के बाद मौजूदा आईपीएल में खेलने के लिए केवल अस्थायी मंजूरी दी गई थी। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, अब, वह सीओई में खेल विज्ञान विंग द्वारा परीक्षण से गुजरेंगे और अपने पूर्ण कर्तव्यों को फिर से शुरू करने के लिए मंजूरी मांगेंगे। अगर विकेटकीपिंग की अनुमति मिलती है, तो संजू कप्तान के रूप में भी वापसी करेंगे। सैमसन ने उक्त अवधि के लिए शुद्ध बल्लेबाज के रूप में अपनी भागीदारी की पुष्टि करने के बाद सीजन के पहले तीन मैचों के लिए कप्तानी पराग को सौंप दी।

एसआरएच अपनी बल्लेबाजी में काफी 'स्मार्ट' नहीं थी : पुजारा

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। भारत के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सात विकेट से मिली हार में बहुत अधिक मेहनत की लेकिन अपनी बल्लेबाजी में पर्याप्त स्मार्ट नहीं थे। डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में, एसआरएच 37/4 पर सिमट गई और अनिकेत वर्मा की शानदार 41 गेंदों में 74 रनों की पारी के बावजूद, एसआरएच अपने 18.4 ओवरों में केवल 163 रन ही बना सकी, क्योंकि डीसी ने चार ओवर शेष रहते लक्ष्य हासिल किया। पुजारा ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा कि सबसे पहले मैं वास्तव में हैरान था कि उन्होंने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। जब आप दोपहर का मैच खेल रहे होते हैं, तो आप जानते हैं कि पिच थोड़ी धीमी होगी, उस समय आप आमतौर पर गेंदबाजी करना पसंद करते हैं और यह गेंदबाजी करने का आदर्श समय होता है, बल्लेबाजी करने का आदर्श समय नहीं। मुझे लगा कि उन्हें पहले गेंदबाजी करनी चाहिए थी। लेकिन उनकी बल्लेबाजी के बारे में बात करते हुए, मुझे लगता है कि वे बहुत ज्यादा आक्रामक थे और वे काफी समझदार नहीं थे। उन्होंने यह भी महसूस किया कि अगर एसआरएच का अल्ट्रा-अटैकिंग दृष्टिकोण कुछ मैच के दिनों में काम नहीं करता है, तो उन्हें प्लान बी का सहारा लेना चाहिए। तो आपकी सफलता क्या है। अगर आप 10 में से सिर्फ दो जीत रहे हैं, तो इसका कोई मतलब नहीं है। आपको और अधिक मैच जीतने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आपको बार-बार उस निरंतरता को दिखाने की जरूरत है। पिछले सीजन में हमने देखा कि उन्होंने पूरे लीग चरण में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन अगर नॉकआउट में आपके लिए एक मैच गलत हो जाता है, तो आप कोई योजना नहीं बना पाएंगे।

बिहार के राजगीर में होगा पुरुष हॉकी एशिया कप

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के ऐतिहासिक शहर राजगीर में होने वाले पुरुष एशिया कप 2025 के लिए हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण ने सोमवार को एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए। राजगीर के हॉकी स्टेडियम में 29 अगस्त से सात सितंबर तक होने वाला यह टूर्नामेंट बेल्जियम और नीदरलैंड में 2026 में आयोजित होने वाले एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग प्रतियोगिता है। इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के 12वें संस्करण में भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन और मलेशिया सहित आठ टीमें हिस्सा लेंगी और शेष दो टीमें क्वालीफाइंग टूर्नामेंट एएचएफ कप के जरिए अपना स्थान सुरक्षित करने का प्रयास करेगी। इस टूर्नामेंट को लेकर हॉकी इंडिया ने आज बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के साथ एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बिहार के खेल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. बी राजेंद्र ने राजगीर की मेजबानी को लेकर कहा कि हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर बिहार के प्रमुख खेल स्थल बनने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

■ इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के 12वें संस्करण में भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन और मलेशिया सहित आठ टीमें हिस्सा लेंगी

मिशेल स्टार्क ने बनाया शानदार रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 10वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मैच डीसी की 7 विकेट से जीत के साथ समाप्त हुआ। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से मिशेल स्टार्क ने पांच विकेट लेकर कमाल किया और वह प्लेयर ऑफ द मैच रहे। स्टार्क ने 3.4 ओवर में 35 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। यह रिकॉर्ड बॉलिंग परफॉरमेंस थी क्योंकि लंबे समय बाद इस फ्रेंचाइजी की ओर से किसी गेंदबाज ने पांच विकेट हासिल किए हैं। इससे पहले दिल्ली फ्रेंचाइजी की ओर से पांच विकेट लेने वाले गेंदबाज 2008 के सीजन में अमित मिश्रा थे। लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने 2008 में डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी और 17 रन देकर 5 विकेट लिए थे। अनुभवी स्टार्क उम्र के 36वें साल में चल रहे हैं। आईपीएल के इतिहास में 35 साल से अधिक उम्र में 5 विकेट लेने वाले वह सिर्फ दूसरे गेंदबाज हैं। इससे पहले अनिल कुंबले ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए 2009 सीजन में पांच विकेट लिए थे। यह मुकाबला राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुआ था। अपने प्रदर्शन पर बात करते हुए स्टार्क ने कहा कि मैं 35 साल का हूं, जवान नहीं हूं, लेकिन उम्मीद है कि अभी भी थोड़ा दम बाकी है। मैंने पिछले 15 सालों में ज़्यादा टी20 क्रिकेट नहीं खेला है। मैं थोड़ा अनुभवी हूं, इसलिए युवाओं से बात करने और जहां हो सके मदद करने का मौका मिलता है। मुझे अभी भी क्रिकेट खेलने में मजा आता है, प्रतिस्पर्धा का जोश मुझे भाता है, और यही वजह है कि मैं अभी भी खेल रहा हूं। स्टार्क के प्रदर्शन ने दिल्ली कैपिटल्स को एक अच्छी जीत दिलाई। उनकी टीम के साथी कुलदीप यादव ने इस बार भी 4 ओवर में 22 रन देकर 3 विकेट लिए और अहम योगदान दिया।

■ दिल्ली कैपिटल्स की ओर से मिशेल स्टार्क ने पांच विकेट लेकर कमाल किया

आईपीएल 2025

खो-खो सीनियर नेशनल्स की अब तक की सबसे अधिक भागीदारी के साथ शुरुआत

पुरी, 31 मार्च (एजेंसियां)। 57वीं सीनियर नेशनल खो-खो चैंपियनशिप ने अब तक की सबसे अधिक भागीदारी और प्रौद्योगिकी-संचालित नवाचारों पर जोर देने के साथ नए मानक स्थापित किए हैं, जिससे यह राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में एक बेहतरीन संस्करण बन गया है। सोमवार को शुरू हुई पांच दिवसीय चैंपियनशिप पुरी के जिला खेल परिसर में 4 अप्रैल तक चलेगी, जिसमें 30 राज्यों की टीमों के साथ-साथ भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई), महाराष्ट्र पुलिस, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), कर्नाटक पुलिस, अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड (एआईपीएससीबी), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और रेलवे जैसी प्रमुख संस्थागत टीमें भी भाग ले रही हैं। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी स्पोर्ट्स पर किया जा रहा है। खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा कि इसमें 40 पुरुष और 40 महिला टीमें हिस्सा लेंगी, जिससे यह खो खो नेशनल्स के इतिहास में टीमों की सबसे अधिक भागीदारी वाला आयोजन बन जाएगा। इसके अलावा, ओडिशा को पहला राज्य होने का श्रेय जाता है, जहां नेशनल्स के सभी निर्धारित मैच केवल मैट पर खेले जाएंगे।

■ सोमवार को शुरू हुई पांच दिवसीय चैंपियनशिप पुरी के जिला खेल परिसर में 4 अप्रैल तक चलेगी

अर्थ जगत

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

कोटक बैंक	1.88 प्रतिशत
हिंदुस्तान यूनिलीवर	1.01 प्रतिशत
आईसीआईसीआई बैंक	0.87 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	0.82 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	0.75 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

इंडसइंड बैंक	3.57 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	2.45 प्रतिशत
एचसीएल टेक	2.20 प्रतिशत
मारुति	2.10 प्रतिशत
जोमैटो	2.07 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	87,970
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	99,734
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.95	90.38
पौंड स्टर्लिंग	100.90	117.04
यूरो	84.13	97.57
चीन युआन	8.33	13.54

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4280-4380
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4250-4350

दाल-दलहन

चना	5450-5550
दाल चना	6450-6550
मसूर काली	7400-7500
उड़द दाल	8800-8900
मूंग दाल	9400-9500
अरहर दाल	8300-8400

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

बांग्लादेश को होने वाले निर्यात में गिरावट

अगरतला, 31 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश में पिछले साल अगस्त में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से त्रिपुरा से इस देश को होने वाला निर्यात काफी घट गया है वहीं आयात की मात्रा लगभग स्थिर बनी हुई है।

त्रिपुरा की उद्योग और वाणिज्य मंत्री संतना चकमा ने सोमवार को को बताया कि चालू वित्त वर्ष (फरवरी तक) में त्रिपुरा ने बांग्लादेश से 625.14 करोड़ रुपए का सामान आयात किया, जबकि 2023-24 में यह आंकड़ा 703.67 करोड़ रुपए और 2022-23 में 636.72 करोड़ रुपए था। वहीं, वित्त वर्ष 2024-25 के फरवरी तक त्रिपुरा से बांग्लादेश को केवल 50.07 करोड़ रुपए का निर्यात किया गया। वहीं 2022-23 में यह 121.37 करोड़ रुपए और 2023-24 में सिर्फ 12.31 करोड़ रुपए था।

त्रिपुरा में भारत-बंगलादेश सीमा पर स्थित नौ में से आठ भूमि सीमा शुल्क स्टेशनों (एलसीएस) में सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, फिर भी औपचारिक व्यापार अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। दो देशों के बीच अनौपचारिक व्यापार को रोकने के उद्देश्य से भारत ने एक दशक पहले दक्षिण त्रिपुरा और सिपाहीजला जिले में

- भारत ने दक्षिण त्रिपुरा व सिपाहीजला में स्थापित किए थे दो सीमा हाट
- व्यापार व बाजार की लोकप्रियता उम्मीद के मुताबिक नहीं रही

दो सीमा हाट स्थापित किए थे, जिनमें से एक अभी भी 2020 में कोविड-19 महामारी के कारण बंद है।

दक्षिण त्रिपुरा जिले में श्रीनगर सीमा हाट को पिछले साल नवंबर में दोबारा खोला गया था, जिसे बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बाद बंद कर दिया गया था। लेकिन, व्यापार और बाजार की लोकप्रियता उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। सीमा के दोनों ओर के पंजीकृत व्यापारियों में से आधे लोग साप्ताहिक बाजार के दिन अनुपस्थित रहे। कमजोर प्रतिक्रिया की आशंका के चलते, दोनों देशों के प्रशासन ने अब तक सिपाहीजला जिले के कस्बा सीमा हाट को फिर से खोलने का निर्णय नहीं लिया है। सूत्रों के अनुसार, त्रिपुरा से निर्यात में गिरावट के बावजूद सीमा के पास रहने वाले ग्रामीणों की मदद से चीनी, दवाइयां, सौंदर्य प्रसाधन और विभिन्न खाद्य पदार्थ बड़ी मात्रा में रोजाना बांग्लादेश भेजे जा रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश त्रिपुरा और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों को मछली, सीमेंट, खाद्य पदार्थ, निर्माण सामग्री, स्टील शीट, पीवीसी पाइप, सॉफ्ट ड्रिंक, रेडीमेड गारमेंट, मेलामाइन और कपास अपशिष्ट का निर्यात करता है। वहीं, भारतीय राज्य टूटे हुए पत्थर, मक्का, अगरबत्ती, अदरक, सूखी मिर्च, सब्जी के बीज, मसाले और बेल जैसी वस्तुएं बांग्लादेश को निर्यात करते हैं।

एचबीएल इंजीनियरिंग को कवच के लिए मिले 762 करोड़ के ऑर्डर

नई दिल्ली। एचबीएल इंजीनियरिंग को सेंट्रल रेलवे ने स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' के लिए पांच ऑर्डर दिए हैं, जिनकी कुल कीमत 762.56 करोड़ रुपए है। कंपनी ने सोमवार को बताया कि इस साल अब तक उसे कवच से जुड़े कुल 3618 करोड़ रुपए के ठेके मिल चुके हैं। ये ठेके 413 रेलवे स्टेशनों के बीच लगभग 3900 किलोमीटर के ट्रैक पर कवच प्रणाली लगाने के लिए दिए गए हैं और इन्हें पूरा करने में 18 महीने लगेंगे। कवच एक आधुनिक तकनीक पर आधारित सुरक्षा प्रणाली है, जो ट्रेन चलाते समय किसी गलती या आपातकाल में अपने आप ब्रेक लगा देती है। यह सिस्टम खासकर तब काम आता है जब लोको पायलट सही समय पर ब्रेक नहीं लगा पाता या मौसम खराब होता है। रेलवे के अनुसार, ट्रैक पर कवच लगाने का खर्च लगभग 50 लाख रुपये प्रति किलोमीटर है और इंजनों में यह सिस्टम लगाने का खर्च करीब 80 लाख रुपए प्रति इंजन है। अब भारतीय रेलवे पूरे देश में इस कवच प्रणाली को बड़े पैमाने पर लगाने की योजना बना रहा है। फिलहाल, तीन कंपनियों को इस सिस्टम की आपूर्ति की मंजूरी दी गई है और बाकी कंपनियों का परीक्षण चल रहा है।

'नीति एनसीएईआर राज्य आर्थिक मंच' पोर्टल लांच करेंगी सीतारमण

पोर्टल में चार मुख्य घटक शामिल

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को 'नीति एनसीएईआर राज्य आर्थिक मंच' पोर्टल लॉन्च करेंगी। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में इसकी जानकारी दी गई।

नीति आयोग द्वारा राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) के सहयोग से विकसित यह पोर्टल, 1990-91 से 2022-23 तक की लगभग 30 वर्षों की अवधि के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजकोषीय मापदंडों, शोध रिपोर्टों, पत्रों और राज्य वित्त पर विशेषज्ञ टिप्पणियों से जुड़े डेटा का एक भंडार है। पोर्टल के चार मुख्य घटक हैं, जिनमें 28 भारतीय राज्यों के राजकोषीय परिदृश्य के सारांश की राज्य वार रिपोर्ट शामिल हैं, जो जनसांख्यिकी, आर्थिक संरचना, सामाजिक-आर्थिक और राजकोषीय संकेतकों पर बनी है।

दूसरा घटक एक डेटा रिपॉजिटरी है, जो पांच वर्टिकल जनसांख्यिकी, आर्थिक संरचना, राजकोषीय, स्वास्थ्य और शिक्षा में वर्गीकृत संपूर्ण डेटाबेस तक सीधी पहुंच प्रदान करता है।

तीसरे घटक में राज्य राजकोषीय और आर्थिक डैशबोर्ड शामिल है - जो समय के साथ प्रमुख आर्थिक घटकों को ग्राफ में दर्शाता है, जो समरी टेबल के जरिए अतिरिक्त जानकारियों या डेटा अपेन्डिक्स के जरिए रॉ डेटा तक क्विक एक्सेस उपलब्ध करवाता है।

चौथे घटक में रिसर्च और टिप्पणी शामिल है, जो राज्य के वित्त और राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर राजकोषीय नीति और वित्तीय प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर शोध पर आधारित है।

पोर्टल मैक्रो, राजकोषीय, जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक रुझानों को समझने में मदद करेगा। पोर्टल यूजर फ्रेंडली फॉर्मेट के साथ डेटा तक आसान पहुंच को सुनिश्चित करेगा और और एक ही जगह कंसोलिडेटेड सेक्टोरल डेटा की जरूरत को पूरा करेगा।

खुदरा निवेशकों ने बढ़ाई मांग, नई ऊंचाई पर सोने की कीमतें

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में रेसिप्रोकल टैरिफ की समय सीमा नजदीक आने के साथ ही सोमवार को सोने की कीमतें पहली बार 3,106 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गईं। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच इस सुरक्षित निवेश की ओर निवेशकों का आकर्षण बढ़ रहा है।

इस साल खुदरा निवेशकों द्वारा मांग बढ़ाने के कारण पीली धातु में 18 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है। गोल्डमैन सैक्स, बैंक ऑफ अमेरिका और यूबीएस ने इस महीने सोने के लिए अपने मूल्य लक्ष्य बढ़ा दिए हैं। बोफा ग्लोबल रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगर नॉन-कमर्शियल खरीद में 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है, तो अगले 18 महीनों

में सोना 3,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचने की संभावना है। एक नोट में कहा गया है कि अगर नॉन-कमर्शियल खरीद में 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है तो आने वाले 18 महीनों में सोना संभावित रूप से 3,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। साथ ही, दुनिया भर के केंद्रीय बैंक अपने पोर्टफोलियो को और अधिक कुशल बनाने के लिए अपने सोने की होल्डिंग को मौजूदा औसतन 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत से अधिक कर सकते हैं।

भारत की प्रतिभाओं को निखारने का मौका देगा 'वेव्स 2025' : केंद्र

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने हाल ही में कहा कि कॉस्प्ले और मनोरंजन इंडस्ट्री में 1-4 मई को मुंबई में होने वाला 'वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025', भारत की बढ़ती रचनात्मक प्रतिभा (क्रिएटिव टैलेंट) को उजागर करने के लिए तैयार है।

मंत्रालय ने क्रिएटर्स स्ट्रीट, एपिको कॉन, तेलंगाना सरकार, आईसीए इंडियन कॉमिक्स एसोसिएशन, एमईएआई और टीवीएजीए के साथ मिलकर वेव्स कॉस्प्ले चैंपियनशिप की घोषणा की है, जिसे भारत की सबसे प्रतिष्ठित कॉस्प्ले प्रतियोगिता कहा जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य भारत के बढ़ते मनोरंजन और एवीजीसी-

एक्सआर सेक्टर में रचनात्मकता और इनोवेशन को बढ़ावा देना है।

इस चैंपियनशिप में भारत के सबसे कुशल कॉस्प्लेर्स एक साथ आएंगे, जो एक भव्य कार्यक्रम में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जिसमें कॉस्ट्यूम डिजाइन, प्रदर्शन और कैरेक्टर पोर्ट्रेट में उनकी प्रतिभा का प्रदर्शन होगा। इन श्रेणियों में भारतीय पौराणिक कथाएं, पॉप कल्चर, एनीमे, मंगा और बहुत कुछ शामिल होगा, जो प्रतिभागियों को वैश्विक पहचान

भारत सरकार रचनाकारों की अर्थव्यवस्था का समर्थन करने के लिए 1 बिलियन डॉलर का कोष स्थापित करेगी : अश्विनी वैष्णव

हासिल करने का अवसर मुहैया कराएगा। प्रतिभागियों का मूल्यांकन उद्योग के प्रसिद्ध विशेषज्ञों, अंतरराष्ट्रीय मेहमानों और पेशेवर कॉस्प्लेयर्स द्वारा किया जाएगा।

प्रतियोगियों को जूरी चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा, जिसमें अच्छा प्रदर्शन करने वाले लाइव फिनाले में आगे बढ़ेंगे। विजेताओं को क्राफ्टमैनशिप, क्रिएटिविटी और परफोर्मेंस जैसे प्रमुख निर्णायक मानदंडों के आधार पर जीत का ताज पहनाया जाएगा।

सार संक्षेप

ईद-उल-फित्र पर शेयर व मुद्रा बाजार बंद रहा

मुंबई। ईद-उल-फित्र त्योहार के अवसर पर आज शेयर बाजार और अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में अवकाश रहा, जिसके कारण कोई कामकाज नहीं हो सका। देश के प्रमुख शेयर बाजारों बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के साथ ही अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार भी बंद रहा है। कारोबारियों का कहना है कि अब मंगलवार से सामान्य कामकाज हो सकेगा।

रिप्लस का बैटरी विनिर्माण संयंत्र विस्तार का ऐलान

नई दिल्ली। बैटरी निर्माण कंपनी रिप्लस ने सोमवार को अपने वर्तमान एक गीगावाट घंटा (जीडब्ल्यूएच) उत्पादन संयंत्र को अगले साल तक छह जीडब्ल्यूएच तक विस्तार करने की योजना का अनावरण किया। कंपनी ने सोमवार को बयान जारी कर बताया कि इस विस्तार में अगली पीढ़ी की बैटरी तकनीकों को शामिल किया जाएगा ताकि भारत के तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और ईएसएस बाजार की जरूरतों को पूरा किया जा सके। उन्नत रिप्लस छह जीडब्ल्यूएच संयंत्र को हाई-स्पीड ऑटोमेशन मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस, एडवांस्ड सेल केमिस्ट्री का अपनाना और अगली पीढ़ी के उत्पादों का निर्माण जैसी विशेषताओं के साथ डिजाइन किया जाएगा। बाजार की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए संयंत्र एक सेल केमिस्ट्री और टेक्नोलॉजी एग्नोस्टिक दृष्टिकोण अपनाएगा, जिसमें उच्च ऊर्जा घनत्व सेल, ब्लेड सेल, भविष्य की सेल केमिस्ट्री जैसे एनए-आईऑन, एलएमएफपी और एलटीओ को संभालने की क्षमता होगी। इस संयंत्र से बनने वाले उत्पाद विभिन्न इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए उपयुक्त होंगे, जिनमें ईवी यात्री वाहन, ईवी बसें, ईवी ट्रक और ग्रिड-स्तरीय नवीकरणीय संयंत्र शामिल हैं। इनमें एडवांस्ड बैटरी पैक्स और लिक्विड कूल्ड बीईएसएस कंटेनर सॉल्यूशन का भी निर्माण किया जाएगा।

वोडाफोन आइडिया के ऑप्टिकल नेटवर्क का आधुनिकीकरण

नई दिल्ली। नोकिया ने घोषणा की कि वह भारत में प्रमुख मेट्रो और सर्किल स्थानों पर वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ऑप्टिकल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क को अपग्रेड और विस्तारित करेगा। कंपनी ने कहा कि अपग्रेड, जो नोकिया की अग्रणी ऑप्टिकल स्विचिंग तकनीक का उपयोग करता है, इसकी क्षमता को बढ़ाएगा, 4जी डेटा वृद्धि का समर्थन करेगा। इसके अलावा, नोकिया के उपकरण नेटवर्क का आधुनिकीकरण करेंगे, लचीलापन और दक्षता प्रदान करेंगे, और वोडाफोन आइडिया के 5जी रोलआउट को बढ़ावा देंगे। इस नेटवर्क ओवरहाल को सक्षम करने के लिए तैनात उत्पादों के व्यापक ऑप्टिकल सूट में नोकिया का 1830 फोटोनिक सर्विस स्विच प्लेटफ़ॉर्म और इसकी सीडीसी-एफ़ऊ 2. वेवलेंथ स्विचिंग तकनीकें शामिल हैं। इसके अलावा, नोकिया अपने बाजार में अग्रणी फोटोनिक सर्विस इंजन सुपर-कोहेरेंट ऑप्टिक्स, उद्योग में अग्रणी डेंस वेवलेंथ डिवीजन मल्टीप्लेक्सिंग और ऑप्टिकल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क को भी तैनात करेगा।

वित्त वर्ष 2026 में निफ्टी व सेंसेक्स से 8 से 12 प्रतिशत रिटर्न मिलने की उम्मीद

बेंगलुरु, 31 मार्च (एजेंसियां)। एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी से वित्त वर्ष 2026 में 8-10 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मिलने की उम्मीद है, जबकि सेंसेक्स से 8-12 प्रतिशत रिटर्न मिलने का अनुमान है।

घरेलू-केंद्रित कंपनियां अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी या कमोडिटी मूल्य मुद्रास्फीति जैसे जोखिमों को कम करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। लार्ज कैप प्राइवेट बैंकों से वित्त वर्ष 2026 में 14-16 प्रतिशत की ऋण वृद्धि (क्रेडिट ग्रोथ) देखे जाने की उम्मीद है। स्मॉलकेस मैनेजर गोलफाई की रिपोर्ट के अनुसार, बेंचमार्क इंडेक्स ने वित्त वर्ष 2025 में लगभग 7 प्रतिशत की बढ़त हासिल की है। इस रिपोर्ट में मार्च 2026 तक मौजूदा स्तरों से 12-16 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है, जिसका मतलब है कि 25 मार्च, 2025 से अगले 12 महीनों में 8-10 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न की संभावना है।

सेंसेक्स के लिए अनुमानित उछाल 14-18 प्रतिशत है, जिसका मतलब है कि इसी अवधि में 8-12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मिल सकता है। गोलफाई के संस्थापक और सीईओ रॉबिन आर्य के अनुसार, निफ्टी और सेंसेक्स की यह वृद्धि आय वृद्धि की वजह से मजबूती का संकेत देती है। उन्होंने कहा कि वैश्विक और स्थानीय कारकों का कॉम्बिनेशन और एफआईआई प्रवाह की वापसी उच्च वृद्धि दर्ज करने में मदद करेगी। रिपोर्ट के अनुसार, धार्मिक पर्यटन पर ध्यान दिया

- 14-18 प्रतिशत है सेंसेक्स के लिए अनुमानित उछाल

जाना चाहिए। कोविड से पहले सालाना 300 मिलियन से अधिक घरेलू तीर्थयात्री आते हैं, इसमें 10-12 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। मेडिकल टूरिज्म सेगमेंट में 18-20 प्रतिशत सीएजीआर की वृद्धि का अनुमान है, जो 2026 तक 13-15 बिलियन डॉलर के बाजार तक पहुंच जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश (2030 तक 100 नए हवाई अड्डे, 8-10 प्रतिशत वार्षिक सड़क विस्तार) कनेक्टिविटी को बढ़ाता है, जिससे बड़े स्तर पर समर्थन मिलता है। ग्रामीण मांग में सालाना आधार पर 5-7 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है और शहरी खर्च में 6-8 प्रतिशत की वृद्धि देखी जाएगी।

9 प्रतिशत भारतीय सीईओ ने निवेश को बताया विकास के लिए अहम

नई दिल्ली। लगभग 9 प्रतिशत भारतीय सीईओ का मानना है कि मौजूदा परिचालन और नए क्षेत्रों में संयुक्त उद्यमों, विलय, अधिग्रहण के जरिए निवेश विकास के लिए महत्वपूर्ण है। सोमवार को आई एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। ईवाई-पार्थेनन सीईओ आउटलुक सर्वे- ग्लोबल कॉन्फिडेंस इंडेक्स 2025 के अनुसार, भारतीय सीईओ अपने ग्लोबल कॉम्पटीटर्स की तुलना में कारोबार करने की लागत, राजस्व और प्रतिस्पर्धी स्थिति को लेकर अधिक आश्वस्त बने हुए हैं। वे बहुत आशावादी हैं कि वे परिवर्तन के माध्यम से भविष्य के लिए अपने व्यवसाय मॉडल को सफलतापूर्वक फिर से तैयार कर सकते हैं।

सर्वे में यह भी पाया गया कि 86 प्रतिशत सीईओ उभरती टेक्नोलॉजी की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हैं, साथ ही उन्हें अगले 12 महीनों के लिए निवेश के लिए प्राथमिकता देने के बारे में सोचते हैं।

डालमिया भारत ने 4.95 करोड़ टन उत्पादन का लक्ष्य किया हासिल

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। सीमेंट निर्माता कंपनी डालमिया भारत लिमिटेड ने वित्त वर्ष 25 के लिए 4.95 करोड़ टन उत्पादन क्षमता का लक्ष्य हासिल कर लिया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि उसने 30 मार्च 2025 से बिहार में रोहतास सीमेंट वर्क्स प्लांट में अतिरिक्त 5 लाख टन का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर दिया है। मौजूदा एकीकृत इकाई में 96 करोड़ रुपए के निवेश के साथ इस रणनीतिक विस्तार से प्लांट की कुल क्षमता 16 लाख टन हो गई है। लाइन 2 के चालू होने से पूर्वी क्षेत्र में अपनी बाजार उपस्थिति को मजबूत करने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को बल मिलता है और यह 2031 तक क्षमता को 11-13 करोड़ टन तक बढ़ाने के अपने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के अनुरूप है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ पुनीत डालमिया ने कहा कि पूर्व में हमारी वृद्धि क्षेत्र की विकास क्षमता में हमारे दृढ़ विश्वास को दर्शाती है। इस विस्तार के साथ, हम प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का समर्थन करने और क्षेत्र में आर्थिक प्रगति में योगदान करने की अपनी क्षमता को बढ़ा रहे हैं। यह मील का पत्थर टिकाऊ और रणनीतिक विकास के लिए हमारे दीर्घकालिक दृष्टिकोण को पुष्ट करता है। मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हम वित्त वर्ष 2025 तक 4.95 करोड़ टन के अपने लक्ष्य तक सफलतापूर्वक पहुंच गए हैं, जो हमारे विस्तार की यात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

खाद्य तेल सहित सभी जिंसों में रहा टिकाव

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। विदेशी बाजार में तेजी रहने के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा। **तेल-तिलहन :** वैश्विक स्तर पर मलेशिया में ईद-उल-फित्र पर अवकाश के कारण आज कारोबार नहीं हुआ। वहीं, अप्रैल का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.01 सेंट की बढ़त के साथ 45.16 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। **गुड़-चीनी :** मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रहे। **अनाज :** अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** चना 5450-5550, दाल चना 6450-6550, मसूर काली 7400-7500, मूंग दाल 9400-9500, उड़द दाल 8800-8900, अरहर दाल 8300-8400 रुपए प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (रुपए प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 3100-3200 रुपये और **चावल :** 3150-3250 रुपए प्रति क्विंटल रहा। **चीनी-गुड़ :** चीनी एस 4280-4380, चीनी एम. 4400-4500, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4250-4350 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए। **खाद्य तेल :** सरसों तेल 15751 रुपए, मूंगफली तेल 18681 रुपए, सूरजमुखी तेल 16484 रुपए, सोया रिफाइंड 15201 रुपए, पाम ऑयल 13919 रुपए और वनस्पति तेल 16849 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा है।

मुंबई में रियल स्टेट के कारोबार में मजबूती

- पिछले 12 महीनों में बिक्री व स्टाम्प शुल्क संग्रह में लगातार तेजी बनी रही

मुंबई, 31 मार्च (वार्ता) मुंबई में मार्च 2025 में रियल स्टेट बाजार के कारोबार में उल्लेखनीय मजबूती दिखी और इस माह के दौरान 15,603 सम्पत्तियों के पंजीकरण के साथ राज्य सरकार को रिकॉर्ड 1,597 करोड़ रुपए के स्टाम्प शुल्क की प्राप्ति हुई । यह जानकारी रियल एस्टेट पारमर्श कंपनी नाइट फ्रैंक इंडिया ने सोमवार को एक मासिक रिपोर्ट में दी।

रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2025 में महानगर में रियल एस्टेट संपत्तियों का पंजीकरण एक साल पहले इसी माह की तुलना में10.3 प्रतिशत अधिक रहा। इसी तरह इस बार मार्च में स्टाम्प शुल्कसंग्रह में सालाना आधार पर 45 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि हुई। यह दर्शाता है कि मुंबई में इस दौरान अपेक्षाकृत अधिक उच्च-मूल्य वाली सम्पत्तियों की खरीद-फरोख्त बढ रही है। नाइट फ्रैंक इंडिया की

मुंबई में मार्च में अचल संपति पंजीकरण, 10 प्रतिशत, स्टैम्प-शुल्क संग्रह 45 प्रतिशत बढ़ा : नाइट फ्रैंक

रिपोर्ट में अनुसार महीने-दर-महीने आधार पर मुंबई संपत्ति पंजीकरण में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि स्टाम्प शुल्क संग्रह इससे पिछले माह की तुलना में 71 प्रतिशत प्रतिशत ऊंचा रहा। पिछले 12 महीनों में बिक्री और स्टॉम्प शुल्क संग्रह दोनों में लगातार तेजी बनी रही।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह उछाल मुंबई मेंमकान खरीदने वालों में बड़े उत्साह, मजबूत आर्थिक दशाओं और बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे के विकास के मिले जुले सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है। माह के दौरान पंजीकृत रियल एस्टेट सम्पत्तियों में आवासीय संपत्तियों का दबदबा बना रहा और माह में कुल पंजीकरणों में इनका हिस्सा 80 प्रतिशत था। नाइट फ्रैंक इंडिया के अनुसार महंगी सम्पत्तियों लेन-देन के चलते मुंबई में दैनिक स्टाम्प शुल्क संग्रह अप्रैल 2024 के 35 करोड़ रुपए से बढ़कर मार्च 2025 में 52 करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया। पंजीकरण संख्या की तुलना में राजस्व में वृद्धि बाजार में प्रीमियम रियल एस्टेट की ओर बढ़ते झुकाव की प्रवृत्ति की पुष्टि करती है।

दैनिक संपत्ति पंजीकरण भी अप्रैल 2024 में 388 इकाइयों से बढ़कर मार्च 2025 में 503 इकाइयों तक पहुंच गया। वित्तीय वर्ष (अप्रैल-मार्च) 2024 - 25 में पंजीकरण में सालाना आधार पर 9 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जबकि इसी अवधि में स्टांप शुल्क संग्रह में 22 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। वित्त वर्ष 2024-25 में 143,948 संपत्तियों का पंजीकरण दर्ज किया गया।

मोदी आए और गए,किस नेता का प्रभाव बढ़ा यह साय मंत्रिमंडल के विस्तार से पता चलेगा

पीएम के भाषण में पहले जैसा जोश नहीं दिखा,विपक्षी नेताओं पर प्रहार तो दूर भाषण में उनकी चर्चा तक नहीं

छग में नक्सलियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई मगर प्रधानमंत्री ने इसका कोई जिक्र नहीं किया और न ही सीएम को शाबाशी दी

छग के पूर्व सीएम,विधायक ,पूर्व मंत्री ,पदाधिकारी पर कार्रवाई लेकिन मोदी ने इसका कोई उल्लेख नहीं किया

बिलासपुर की हवाई सेवा सुविधा पर भी कोई चर्चा नहीं करने से बिलासपुर वासियों को हुई निराशा

बिलासपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिलासपुर प्रवास पर आए और चले गए उन्होंने 33 700 करोड़ की विभिन्न योजनाओं की आधारशिला रखे है ।चुनावी वक्त के लिए अभी साढ़े तीन साल इंतजार करना है इसीलिए लोगों में चर्चा रही कि श्री मोदी का यह दौरा समझ से परे है लेकिन ऐसा सोचने वालों को यह जानकर संतोष कर लेना चाहिए कि श्री मोदी उन प्रस्तावित केंद्रीय योजनाओं को अमलीजामा पहनाने आए थे जो आगामी वर्षों में पूर्ण होने वाला है । यह अलग बात है कि कार्यक्रम के लिए उन्होंने बिलासपुर के बिल्हा विधानसभा का चयन किया । यह अलग बात है कि श्री मोदी ने बिल्हा का नाम तक नहीं लिया ।

श्री मोदी की यात्रा से किस नेता का वजन बढ़ा और किसकी उपेक्षा हुई इस बात का लोग अपनी अपनी सुविधा से आंकलन करने में लग गए है । यदि वास्तव में किसी नेता का राजनैतिक कद बढ़ा है तो यह तभी माना जाएगा कि उस नेता को साय मंत्रिमंडल में जगह मिल जाए । पहले तो मंत्री मंडल का विस्तार ही संदिग्ध हो चला है । यदि श्री मोदी अपने प्रवास से किसी स्थानीय नेता से प्रभावित हुए हों तो उसको इनाम भी मिलना चाहिए। कल श्री मोदी का भाषण जिन्होंने भी गंभीरता के साथ सुना है उनको यह जरूर अटपटा लगा होगा कि श्री मोदी के बोलने में अब वो धार नहीं है जो चुनावो के वक्त दिखता रहा है। विरोधी दल की आलोचना और खिंचाई करने में श्री मोदी ने इस बार पता नहीं क्यों कंजूसी की है । छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद कांग्रेस के कई नेता ,विधायक ,पूर्व मंत्री,पूर्व मुख्यमंत्री ,पदाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई हुई है लेकिन श्री मोदी ने अपने भाषण में किसी का भी जिक्र नहीं किया । लोगो को आश्चर्य हुआ नहीं तो इसके पहले कांग्रेस नेताओं को घेरने में श्री मोदी चूकते नहीं थे । नक्सल समस्या पर भी उन्होंने कोई खास नहीं कहा सिवाय इसके कि कांग्रेस की नीतियों के कारण कई राज्यों में नक्सल समस्या बढ़ी। छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी लगातार बड़ी कार्रवाई के बाद भी श्री मोदी ने न तो इसका उल्लेख किया और न हीं मुख्यमंत्री की प्रशंसा की जबकि एक दिन पहले ही डेढ़ दर्जन नक्सलियों को मार गिराने और इतनी ही संख्या में कुख्यात नक्सलियों के सरेंडर करने की घटना हुई । पता नहीं क्यों प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ में नक्सलियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई का कोई उल्लेख अपने भाषण में नहीं किया । हो सकता है इसके पीछे उनकी कोई रणनीति हो लेकिन इस बार उनके भाषण पर बहुत कुछ सोचने को लोग मजबूर हो गए है।

श्री मोदी ने केंद्र सरकार की योजनाओं का जमकर बखान किया लेकिन कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं का उन्होंने कोई उल्लेख नहीं किया । सभा समाप्ति के बाद लोगों की यह प्रतिक्रिया रही कि शायद प्रधानमंत्री ने अपने भाषण का ट्रेंड बदल दिया हो और अब विपक्ष की चर्चा के बजाय अपने कार्यों को ज्यादा हाईलाइट किया जाए।

श्री मोदी की सभा होने का भाजपा के तमाम नेता इंतजार कर रहे थे । वे नेता भी प्रतीक्षा कर रहे थे जो मंत्री बनने की दौड़ में शामिल है। श्री मोदी चले गए ।अब तो सारे चुनाव भी निपट गए । अब तो मंत्रिमंडल के विस्तार में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए और न ही कोई विलंब होना चाहिए। विधानसभा का सत्र भी नहीं है अब तो कोई बहाना भी नहीं बचा ।

बिलासपुर में हवाई सेवा बढ़ाने को लेकर चल रहे आंदोलन और आंदोलनकारियों की मांग पर पी एम द्वारा कोई उल्लेख या घोषणा नहीं करने को लेकर भी निराशा का माहौल है।

तेलगु नव वर्ष उगादि पर्व धूमधाम से मनाया गया

बिलासपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। श्री श्री सोलापुरी माता पूजा समिति द्वारा इस वर्ष भी धूमधाम से तेलुगू नव वर्ष उगादि मनाया गया। आयोजन का यह 25 वां वर्ष था। रजत जयंती समारोह का शुभारंभ रेलवे नॉर्थ ईस्ट इंस्टिट्यूट मैदान के सामने स्थित हैंडबॉल ग्राउंड में सुबह दीप प्रज्वलित कर किया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष वी रामाराव और सचिव एस सांई भास्कर ने पारंपरिक रूप से दीप प्रचलित किया। पूजा पाठ के साथ यहां दक्षिण भारतीय पुजारी ने पंचांग देखकर सभी जातकों के राशिवर्षफल का वर्णन किया। इसके बाद यहां खेलकूदय स्पर्द्धाओं का आयोजन किया गया।

बालक और बालिका के अलग-अलग आयु वर्ग में दौड़ प्रतियोगिता में बच्चों ने भाग लिया तो वहीं विवाहित और अविवाहित महिलाओं के लिए म्यूजिकल चेयर, रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके विजेताओं को संध्याकालीन समारोह में पुरस्कृत किया गया।

शाम को हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी उगादि महोत्सव पर समाज के युवा कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से समृद्ध तेलुगू सांस्कृतिक विरासत का परिचय कराया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक सम्मिलित हुए। उनके साथ बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, फाउंडेशन क्रिकेट अकादमी के चैयरमेन प्रिंस भाटिया, सिम्स के डीन डॉक्टर रमणेश मूर्ति, डॉक्टर मधुलिका, सेंट जेवियर स्कूल के एमडी जी एस पटना और एमिटी यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर डॉ अरुण पटनायक अतिथि के तौर पर सम्मिलित हुए।

अभ्यागतो ने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से जहां एक ओर कलाकारों को मंच प्रदान किया जा रहा है तो वही समाज के नन्हे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक का सम्मान हो रहा है।

इस मौके पर प्रिंस भाटिया, जीएस पटनायक, डॉ अरुण पटनायक ने भी अपनी बात रखी। वही आयोजन समिति का अध्यक्ष वी रामा राव ने कहा कि बिलासपुर के अलग-अलग क्षेत्र में तेलुगु समाज के लोग रहते हैं जो वर्ष भर अपने व्यस्तता के कारण आपस में मिल भी नहीं पाते। उगादि वह अवसर है जो सबको एक स्थान पर मिलने का अवसर देता है। साथ ही समाज के प्रतिभावान बच्चों को मंच प्रदान करना भी इस आयोजन का बड़ा उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि इस प्रयास से बिलासपुर का तेलुगु समाज संगठित हुआ है और सुख-दुख में सहभागिता निभाई जा रही है।

प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

हर्ष वर्ष की भांति इस वर्ष भी उगादि महोत्सव के अवसर पर आयोजित समारोह में समाज के प्रतिभावान बच्चों का सम्मान किया गया। शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चे सम्मानित हुए।

हावर्ड यूनिवर्सिटी में व्याख्यान देने वाले समाज के डॉक्टर अरुण पटनायक ने तेलुगु समाज का नाम देश और विदेश में रोशन किया है जिस कारण उन्हें सम्मानित किया गया। इसी तरह से बी के राव ने नाट्य मंचन में अपनी प्रतिभा से समाज का नाम रोशन किया है उनका भी सम्मान इस अवसर पर हुआ। तेलुगु समाज के नन्हे सांई कुमार तबला वादन में निपुण है, उन्होंने दुबई में भी तबला वादन का प्रदर्शन कर सम्मान अर्जित किया है। इस अवसर पर सांई कुमार भी सम्मानित किए गए, जिन्होंने अपने तबला वादन से सबको दांतों तले उंगली दबाने पर विवश किया।

सार-संक्षेप

व्यक्ति को धर्म के प्रति आसक्त होना चाहिए,सृष्टि का आधार ही प्रकृति है

बिलासपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। पीतांबरा पीठ त्रिदेव मंदिर में नवरात्रि के दूसरे दिन माँ श्री ब्रह्मशक्ति बगलामुखी देवी का पूजन श्रृंगार ब्रह्मचारिणी देवी के रूप में किया गया एवं इसी कड़ी में प्रात: कालीन श्री शारदेश्वर पारदेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक, श्री महाकाली, महालक्ष्मी, महासरस्वती देवी का श्रीसूक्त षोडश मंत्र द्वारा दूधधारियापूर्वक अभिषेक, परमब्रह्म मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का श्रृंगार,पूजन, सिद्धिविनायक जी का पूजन श्रृंगार किया गया।

पीठाधीश्वर आचार्य डॉ दिनेश जी महाराज ने बताया कि श्रीमद् देवी भागवत महापुराण आयु, आरोग्य, पुष्टि, सिद्धि एवं आनंद कथा मोक्ष प्रदान करने वाला दिव्य ग्रंथ है। देवी भागवत एक अत्यंत गोपनीय पुराण है, जिसका वर्णन सर्वप्रथम भगवान शिव ने महात्मा नारद के लिए किया, पूर्वकाल में उसे फिर स्वयं भगवान व्यास ने भक्तिनिष्ठ महर्षि जैमिनि के लिए श्रद्धापूर्वक कहा और फिर उसी को वर्तमान में प्रेषित किया जाता है। इसके श्रवण करने तथा पाठ करने में समस्त प्राणियों को पुण्य प्राप्त होता है इसीलिए जनकल्याण एवं प्रदेश/देश की खुशहाली समृद्धि विश्व शांति की कामना से पीतांबरा पीठ त्रिदेव मंदिर में देवी भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है।

श्री पीतांबरा पीठ कथा मंडप से कथा व्यास आचार्य मुरारी लाल त्रिपाठी राजपुरोहित कटघोरा ने बताया कि संसार की सबसे श्रेष्ठ रचना माता पिता है प्रत्येक व्यक्ति को अपने माता-पिता की सेवा करनी चाहिए जिससे व्यक्ति को अनेक तीर्थ स्थान के दर्शन का फल प्राप्त होता है इसीलिए इसीलिए शास्त्रों में लिखा है मातृ देवो भव:, पितृ देवो भव:।अर्थात् माता,पिता देवता के समान है।बाहर के विरोधी आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाते हैं श्री राम जी के जीवन में रावण विरोधी था जिसने राम जी की कीर्ति को इस प्रकार से धूमिल करना चाहा था उस दौरान विरोधी को साधने के लिए राम जी ने देवर्षि नारद जी से देवी भागवत की कथा सुनी और विजयादशमी को विजय के लिए प्रस्थान किया। ऐं मंत्र की साधना विद्या ह्रीं मंत्र की उपासना से धन प्राप्ति और क्लीं मंत्र की साधना से बाहर भीतर के शत्रुओं का नाश होता है कहना यह है कि सर्वसिद्धि केवल देवी साधना से ही संभव है।

एसबीआई ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, बिलासपुर द्वारा प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

बिलासपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित महिला सिलाई व ब्यूटी पार्लर मैनेजमेंट उद्यमी (महिला) प्रशिक्षण अवधि 01 अप्रैल से 30 अप्रैल कॉस्टयूम ज्वैलरी निर्माण 01 अप्रैल से 13 अप्रैल तक बिलासपुर, मुंगेली एवं गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के ग्रामीण बेरोजगार से आवेदन आमंत्रित किया जाता है। 35 - 35 हितग्राहियों का चयन आवेदन की प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। दस्तावेज आधार कार्ड, राशन कार्ड या मनरेगा कार्ड ,स्वयं का बैंक पासबुक (समस्त 3 प्रति),फोटो 5 प्रति शैक्षणिक योग्यता कम से कम 8 वीं पास आयु 18 से 45 वर्ष। पूर्णत: नि:शुल्क ,आवासीय, भत्ता तथा प्रशिक्षण के व्यवस्था के साथ पता एसबीआई ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान कोनी थाना के पास तुर्काडीह पुल के सामने बिलासपुर।

दाल के नाम पर 14.25 लाख की ठगी, पुलिस ने दर्ज किया मामला

बिलासपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में एक मिल संचालक को अरहर दाल दिलाने के नाम पर 14 लाख 25 हजार रुपए की ठगी का शिकार बना दिया गया। पुलिस ने मामले की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिलासपुर के खपरगंज निवासी युसुफ अली भारमल की सिरगिट्टी के इंडस्ट्रियल एरिया में दाल मिल है। कारोबार के दौरान उनकी पहचान मुंबई एपीएम मार्केट स्थित एसएम ट्रेडर्स के मालिक सुरेंद्र मिश्रा से हुई, जिसने खुद को दलहन-दाल का कमीशन एजेंट बताया। इसी बीच उसने प्रिया कॉरपोरेशन, किशोरी लाल ओमप्रकाश, त्रिवेणी इंटरप्राइजेस और लक्ष्मी एग्रो से मिल संचालक को माल दिलवाया।

13 फरवरी 2024 को सौदा तय होने के बाद युसुफ ने एडवांस में 4.50 लाख रुपए भेजे। इस दौरान लक्ष्मी एग्रो ने अरहर दाल की जगह पशु आहार भेज दिया। शिकायत करने पर रकम लौटाने का भरोसा दिया गया, लेकिन इसी बीच जानकारी मिली कि त्रिवेणी इंटरप्राइजेस और एसएम ट्रेडर्स के मालिक दोनों सगे भाई हैं। उन्होंने युसुफ के पैसे से दाल खरीदकर ऊंचे दाम पर एसएम ट्रेडर्स को बेच दिया। न तो दाल भेजी गई और न ही रकम वापस की गई।

जब युसुफ ने पैसे लौटाने की मांग की, तो सुरेंद्र मिश्रा ने बहाने बनाकर 2.25 लाख रुपए और ले लिए। लंबे समय तक टालमटोल के बाद जब युसुफ को शक हुआ, तो उन्होंने मुंबई जाकर पड़ताल की, जहां एसएम ट्रेडर्स का ऑफिस बंद मिला। ठगी का एहसास होने पर उन्होंने सिरगिट्टी थाने में शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

1 अप्रैल को कर्मचारी मनाएंगे काला दिवस

बिलासपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। भारत सरकार कर्मचारियों के ऊपर यूनिफाइड पेन्शन सिस्टम (यू.पी.एस) के नाम पर 1 अप्रैल 2025 से कर्मचारी विरोधी नीति लागू करने जा रहा है इसके विरोध में केन्द्रीय कर्मचारी एवं राज्य सरकार के कर्मचारी काला दिवस मनाने जा रहे हैं । ट्रैकमेंटेनर एसोसिएशन बिलासपुर जोन के संस्थापक अध्यक्ष एवं ऑल इंडिया रेलवे ट्रैकमेंटेन यूनियन के राष्ट्रीय सहायक महामंत्री राजेन्द्र कुमार कौशिक ने बताया कि भारत सरकार के द्वारा कर्मचारियों के ऊपर उनकी सहमति के बगैर यूनिफाइड पेन्शन सिस्टम (यू.पी.एस) लागू करने जा रहा है जिस के विरोध में इंडियन रेलवे एंप्लॉय फेडरेशन (आई.आर.ई.एफ) एवं नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेन्शन स्कीम (एन.एम.ओ.पी.एस) के आवाहन पर पूरे देश भर के कर्मचारी 1 अप्रैल को काला दिवस मनाकर भारत सरकार तक कर्मचारियों की आवाज को पहुंचाने का काम करेंगे कि यूनिफाइड पेन्शन सिस्टम उन्हें मंजूर नहीं कर्मचारियों को तो हूबहू पुरानी फैमिली पेन्शन (ओ.पी.एस) जो खुद सांसद विधायक एवं मंत्री ले रहे हैं वही चाहिए ।

बढ़ते गर्मी को देखते हुए पूरे प्रदेश के प्राइवेट व सरकारी स्कूलों के समय में परिवर्तन

डीपीआई ने जारी किया आदेश

बिलासपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी और लू को देखते हुए डीपीआई ने प्रदेश के सभी संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग और सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को आदेश जारी कर शासकीय और अशासकीय स्कूल और शैक्षणिक संस्थाओं के संचालन के समय में परिवर्तन करने को कहा है।

आदेश के अनुसार एक पाली में संचालित सभी प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाई और हायर सेकेंडरी स्कूल सुबह 7 से 11 तक लगेंगे। जबकि ऐसे स्कूल जहां दो पालियों में शाला लगती है वहां प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक शालाएं प्रात: 7 से 11 और हाई तथा हायर सेकेंडरी स्कूल सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक संचालित करने के आदेश जारी किए गए है। यह आदेश 2 अप्रैल से 30 अप्रैल तक प्रभावशील रहेगा। इस दौरान स्कूल के कार्यालय और डीईओ, बीईओ तथा ज्वाइंट डायरेक्टर कार्यालय का समय यथावत रहेगा। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। डीपीआई दिव्या मिश्रा ने यह आदेश जारी किया है।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के बाद स्थल पर निगम ने चलाया वृहद सफाई अभियान

उप मुख्यमंत्री और विधायकों ने थामा झाड़ू,अपने आप में अनूठा अभियान

कार्यक्रम स्थल मोहभट्ठा में आगामी पांच दिनों तक चलेगा अभियान

बिलासपुर, 31 मार्च (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ऐतिहासिक कार्यक्रम के बाद दूसरे दिन से सभा स्थल को साफ करने नगर निगम बिलासपुर ने वृहद सफाई अभियान आरंभ किया है। अभियान के पहले दिन खुद उप मुख्यमंत्री अरूण साव, विधायक धरमलाल कौशिक, सुशांत शुक्ला और निगम कमिश्नर अमित कुमार ने झाड़ू थामकर सफाई अभियान में हिस्सा लिया और सफाई कर्मियों को प्रोत्साहित किया।

बिल्हा ब्लाक के ग्राम मोहभट्ठा में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ऐतिहासिक कार्यक्रम संपन्न हुआ,जिसमें प्रदेश भर से लाखों लोग पहुंचे थे। छ.ग. में प्रधानमंत्री जी के इतने भव्य और बड़े कार्यक्रम में पूरे प्रदेश से लाखों की तादाद में आमजन पहुंचे थे।

व्यवस्था के तहत सभी के लिए जलपान समेत अन्य आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराया गया था। कार्यक्रम के बाद सभा स्थल को पूर्ण रूप से साफ करने के लिए नगर निगम ने पांच दिवसीय वृहद सफाई अभियान छेड़ा है। शहर को स्वच्छ रखने और आमजनों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम द्वारा महीने भर से अलग-अलग अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तारतम्य में प्रधानमंत्री कार्यक्रम स्थल को भी साफ किया जा रहा है।

अभियान के पहले दिन आज उप मुख्यमंत्री अरूण साव, बिल्हा और बेलतरा के विधायक समेत अन्य लोगों ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर श्रमदान किया और सफाई अभियान में हिस्सा लिया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री श्री साव ने निगम और सफाई कर्मियों का प्रोत्साहन करते हुए कहा की स्वच्छता हम सबके लिए प्राथमिक कार्य है और इसमें सफाईकर्मियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण और वंदनीय है। प्रधानमंत्री जी का यह कार्यक्रम अत्यंत सफल और ऐतिहासिक रहा,सभा स्थल की सफाई का जिम्मा भी हमारा है और इसे हम पूर्ण रूप से स्वच्छ करेंगे।

देशबन्धु
पाठकों के लिए सूचना
माह मार्च 2025 का अखबार बिल

दिन	दर	रू. पै.
29 दिन	4.00	116.00
02 दिन अवकास		
कुल 31 दिन		रू. 116.00

कृपया अपने अभिकर्ता को उपरोक्तानुसार बिल का भुगतान 7 ता. तक करने का कष्ट करें।
प्रसार व्यवस्थापक

NECC

01.04.2025	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	440	68	175
चिल्हर	6.00	90	200
डिलीवरी	445 क्रैकड़ा		

दर्जन अंडा 70 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रु.
CSPFA

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 डाक पंजीयन 112-002/2002 सी जी फोन- 07752 422771, 428159 फैक्स नं. 415188